धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक
खबर मन्त्र
सुप्रभात
रांची, शनिवार
01.06.2024
* * नगर संस्करण । पेज : 12
रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ
लोकसभा चुनाव 2024 सभी चुनें सही चुनें
khabarmantra.net जेष्ठ, कृष्ण पक्ष, नवमी , संवत् 2081 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 317
12 100 टन सोना लंदन से वापस आया भारत

दुमका, राजमहल और गोड्डा में आज मतदान

निशिकांत-प्रदीप, सीता-नलिन, ताला- विजय की प्रतिष्ठा दावं पर

हर बूथ की कंट्रोल रूम से होगी मॉनिटरिंग

बिहार व बंगाल से लगी सीमाएं सील

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। देश में 18वीं लोकसभा के चुनाव के लिए करीब दो महीने तक चले धुआंधार प्रचार के बाद अब सभी निगाहें शनिवार को होने वाले सातवें और अंतिम चरण के मतदान पर केंद्रित हैं। झारखंड की तीन दुमका, गोड्डा और राजमहल समेत आठ राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की 57 संसदीय सीटों पर एक जून को होनेवाले मतदान कराने सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। पोलिंग पार्टियों कड़ी सुरक्षा में बूथों पर रवाना कर दी गयी हैं। झारखंड के संथाल की तीनों सीटों गोड्डा में निश्किांत दुबे और प्रदीप यादव, दुमका में सीता सोरेन और नलिन सोरेन, राजमहल में ताला मरांडी और विजय हांसदा की प्रतिष्ठा दावं पर है। मतदान सुबह सात बजे से लेकर शाम पांच बजे तक होगी।

राज्य निर्वाचन आयोग ने इन क्षेत्रों से जुड़े बिहार और पश्चिम बंगाल की सीमाएं सील कर दी हैं। शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान हो सके, इसके लिए सीमावर्ती इलाकों के साथ-साथ दुर्गम इलाकों में भी सुरक्षा बलों की विशेष व्यवस्था की गयी है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि दुमका, राजमहल और गोड्डा के हर बूथ की कंट्रोल रूम से वेब कास्टिंग के माध्यम से मॉनिटरिंग की जायेगी। सभी निर्वाचन क्षेत्रों के मतों की गणना चार जून को होगी।

(शेष पेज 11 पर)

तीन सीटों पर 52 प्रत्याशी

इस चरण में झारखंड की तीनों सीटों पर कुल 52 प्रत्याशी मैदान में हैं। राजमहल में 14 तथा गोड्डा और दुमका में 19-19 उम्मीदवार हैं। इन सभी सीटों पर एनडीए और इंडी गठबंधन प्रत्याशियों में कड़ी टक्कर है। राजनीतिक दृष्टि से गोड्डा और दुमका प्रतिष्ठा की सीट मानी जा रही है। गोड्डा से तीन बार के सांसद रहे भाजपा प्रत्याशी निशिकांत दुबे को इंडिया गठबंधन की ओर से कांग्रेस के प्रदीप यादव चुनौती दे रहे हैं।
वहीं उपराजधानी दुमका सीट पर झामुमो से भाजपा में आयीं पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन ताल ठोक रहीं हैं। सोरेन परिवार की बड़ी बहू सीता सोरेन को इंडिया गठबंधन की ओर से झामुमो के नलिन सोरेन चुनौती दे रहे हैं।
इसी तरह राजमहल में झामुमो के विजय हांसदा के सामने भाजपा के प्रत्याशी ताला मरांडी मैदान में हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में राजमहल को छोड़कर शेष इन दोनों सीट भाजपा के खाते में थी।

ध्यान के दूसरे दिन मोदी ने सूर्य को दिया अर्घ्य

एजेंसी

कन्याकुमारी (तमिलनाडु)। कन्याकुमारी में विवेकानंद रॉक मेमोरियल पर पीएम मोदी की ध्यान साधना शुक्रवार को जारी रही। सामने आये पहले वीडियो में पीएम मोदी मेमोरियल के ध्यान मंडप हॉल में ध्यान में लीन दिख रहे हैं। इससे पहले, सुबह-सुबह उन्होंने कन्याकुमारी के संगम पर पूजा की। फिर उगते सूर्य को अर्घ्य (हिन्दू शास्त्र के अनुसार सूर्य को जल अर्पित) दिया। पार्टी ने से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो और फोटो साझा की है, जिसमें प्रधानमंत्री भगवा चोला पहने भगवान सूर्य की प्रार्थना कर रहे हैं। वह भगवान सूर्य को जल अर्पित करते समय मंत्र पढ़ते नजर आ रहे हैं। फोटो में वह हाथ में रुद्राक्ष की माला और माथे पर तिलक लगाये दिख रहे हैं। कुछ तस्वीरों में पीएम मोदी ध्यान मंडपम में ध्यान करते और प्रार्थना की माला हाथ में लिए मंडप की परिक्रमा करते नजर आ रहे हैं। पीएम 1 जून तक वहां रहेंगे। भाजपा ने अपने नेताओं से वहां ज्यादा भीड़ न लगाने के लिए कहा है।

मोदी ने श्री भगवती अम्मन मंदिर में विशेष प्रार्थना करने के बाद गुरुवार शाम को विवेकानंद रॉक मेमोरियल में अपना ध्यान शुरू किया है। ध्यान सत्र पूरा करने के बाद पीएम मोदी शनिवार को स्मारक के पास एक तमिल संत के प्रसिद्ध तिरुवल्लुवर प्रतिमा का दौरा भी कर सकते हैं। उनकी यात्रा के मद्देनजर कन्याकुमारी में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गयी है। भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक जहाजों को तटरेखा के करीब पानी में चौबीसों घंटे गश्त में तैनात है। तमिलनाडु समुद्री पुलिस का तटीय सुरक्षा समूह (सीएसजी) भी इस यात्रा को लेकर कड़ी निगरानी रख रहा है।

काशी पर लगी है देश-दुनिया की नजर

वाराणसी। देश की सांस्कृतिक राजधानी के तौर पर विख्यात वाराणसी (काशी) में शनिवार को होनेवाले मतदान पर देश-दुनिया की नजर गड़ी हुई है। दिन निर्णायक होने वाला है। लोकतंत्र के महापर्व के सातवें व अंतिम पड़ाव में एक को मतदान होगा। वाराणसी का चुनाव यह तय करेगा कि क्या यहां से केवल एक सांसद चुनकर जायेगा या फिर तीसरी बार देश को काशी नेतृत्व की बागडोर देने जा रहा है। वाराणसी लोक सभा सीट से पीएम मोदी समेत सात प्रत्याशी मैदान में है। दो बार यहां का का प्रतिनिधित्व कर चुके पीएम मोदी इस बार जीत की हैट्रिक लगाने जा रहे हैं। मोदी से दो बार शिकस्त खाकर तीसरे नंबर पर रहे , इंडी गठबंधन के अजय राय इंडियन नेशनल कांग्रेस के सिंबल पर चुनाव लड़ रहे है।

न्यूज डायरी

जेल में हेमंत से मिले सीएम, कई मुद्दों पर चर्चा

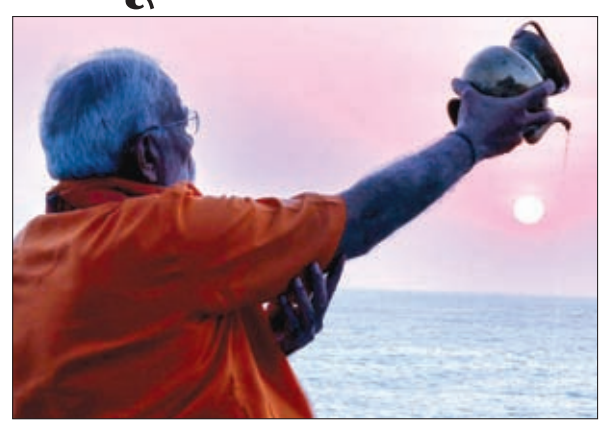

रांची। सीएम चंपाई सोरेन ने शुक्रवार की सुबह होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात की। जानकारी के अनुसार दोनों के बीच लंबी बातचीत में कई कई मुद्दों पर चर्चा की। हालांकि दोनों के बीच क्या चर्चा हुई, इसका खुलासा नहीं हो पाया है। मुलाकात के बाद जेल से निकलने के बाद सीएम चंपाई सोरेन ने मीडिया से कोई बात नहीं की। इस मुलाकात को लेकर कई तरह के कयास भी लगाए जा रहे हैं। वहीं 1 जून को दिल्ली में इंडिया गठबंधन की दिल्ली बैठक को लेकर भी पार्टी की रणनीति चर्चा होने के कयास लगाये जा रहे हैं।

युवक की गोली मार कर हत्या, एक को दबोचा

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र के लोइंगा गांव के असनौर टोला के युवक योगेंद्र यादव को अपराधियों ने गोली मार हत्या कर दी। घटना शुक्रवार की देर शाम करीब 7:15 बजे की बतायी जाती है। सूचना मिलने के बाद पाटन थाना प्रभारी लालजी व किशुनपुर ओपी प्रभारी कुमार निरज पुलिस दलबल के पहुंचकर ग्रामीणों द्वारा पकड़े गये अपराधी को अपने कब्जे में लिया। घायल योगेंद्र व पकड़े गये अपराधी को इलाज के लिए पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया था. इलाज के दौरान घायल योगेंद्र यादव की मौत हो गयी।

ओड़िशा में गर्मी से जुड़ी बीमारी से 35 की मौत

भुवनेश्वर। ओड़िशा में गर्मी से संबंधित बीमारी से कम से कम 35 लोगों की मौत होने की आशंका है। सुंदरगढ़ में 16, संबलपुर में 8, झारसुगुड़ा में 8, बोलांगीर में 3 लोगों की मौत हुई है। एडीएमओ ने कहा कि 8 लोगों की मौत में से 5 की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिल गयी है। मौत का कारण हीट स्ट्रोक है।

एग्जिट पोल पर निवार्चन आयोग की सख्त हिदायत

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने इलेक्ट्रानिक , प्रिंट और अन्य सभी तरह के प्रचार माध्यमों को निर्देश दिया है कि वे शनिवार को चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के मतदान के पूर्व कोई एग्जिट पोल जारी नहीं करें। चुनाव समाप्त होने के बाद ही एग्जिट पोल का प्रचार या प्रसार कर सकते हैं। शनिवार को लोकसभा के सातवें और अंतिम चरण का मतदान होना है।

आसमान में छाये बादल गर्मी से मिली थोड़ी राहत

रांची। किरीबुरु-मेघाहातुबुरु समेत सारंडा जंगल क्षेत्र में शुक्रवार की अहले सुबह से ही आसमान में काले और घने बादल छाये रहे। बादलों की वजह से तापमान में थोड़ी गिरावट आयी। साथ ही लोगों को भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। पिछले तीन से चार दिनों से पूरे क्षेत्र में भीषण गर्मी पड़ रही थी। लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

दिल्ली में आज इंडिया ब्लॉक की अहम बैठक

कल्पना और चंपई भाग लेंगे

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक जून को दिल्ली में इंडिया ब्लॉक के नेताओं की बैठक बुलायी है। लोकसभा आम चुनाव 2024 के चार जून को होनेवाली मतगणना से ठीक पहले इंडिया ब्लॉक की बैठक में कई दलों के नेता शामिल होंगे। बैठक में झामुमो की ओर से पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह सीएम चंपाई सोरेन और पार्टी की स्टार प्रचारक कल्पना सोरेन भी शिरकत करेंगी। झामुमो के प्रवक्ता मनोज पांडेय ने इसकी जानकारी दी और बताया कि बैठक में पार्टी के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य भी भाग लेंगे। झामुमो ने दावा किया कि चार जून के बाद केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बननी तय है। ऐसे में आगे की रणनीति बनाने की दिशा में यह बैठक काफी महत्वपूर्ण है। बैठक बुलाये जाने को एक सुलझा हुआ फैसला करार देते हुए झामुमो ने कहा कि आने वाला वक्त हमारा है। आपसी एकजुटता बनाये रखने और चार जून के बाद की रणनीति बनाने की दिशा में कल की बैठक महत्वपूर्ण होगी।

झामुमो झारखंड की पांच लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करेगी। साथ ही राज्य की सभी 14 लोकसभा सीटों पर इंडिया गठबंधन की जीत का दावा भी किया। झामुमो का कुछ सीटों ओर नजदीकी लड़ाई के बावजूद सभी लोकसभा सीट राज्य में इंडिया ब्लॉक के खाते में आयेगी।

जू के जानवरों को कूलर पंखा और बाथ टब से राहत

रांची। राजधानी रांची सहित झारखंड के सभी जिलों में इन दिनों प्रचंड गर्मी है। इंसानों के साथ-साथ जानवर भी इससे परेशान हैं। बेजुबान जानवरों के पास गर्मी से बचने के कोई उपाय नहीं है, खास करके वैसे जानवर जो पिंजरे में कैद हैं। रांची के ओरमांझी स्थित बिरसा मुंडा जैविक उद्यान में 1600 जानवरों को गर्मी से राहत पहुंचाने के लिए वन विभाग और चिड़ियाघर प्रबंधन ने पिंजरे में कूलर और पंखे लगाये हैं। इस इंतजाम को लेकर ओरमांझी चिड़ियाघर के चिकित्सक डॉक्टर ओम प्रकाश साहू ने बताया कि जैविक उद्यान में रह रहे जानवरों को ठंडक पहुंचाने के लिए खस(पुवाल) की दीवार बनायी गयी है। वहीं इसके अलावा केज में शेड भी लगाए गए हैं ताकि पिंजरे में रह रहे जानवरों को कड़ी धूप से राहत मिल सके। चिड़िया घर के डॉक्टर ओम प्रकाश साहू ने बताया कि मांसाहारी और शाकाहारी जानवरों के खाने पीने में भी बदलाव किया गया है। शाकाहारी जानवरों के लिए मौसमी फल, आम इत्यादि दिये जा रहे हैं। वहीं शाकाहारी और मांसाहारी जानवरों के लिए ग्लूकोज का घोल भी बना कर दिया जाता है ताकि जानवरों में डिहाइड्रेशन की समस्या ना हो।

झारखंड में मौसम का कहर

हीट वेव से 48 घंटे में 20, वज्रपात से 3 की मौत

खबर मन्त्र टीम

रांची। झारखंड में मौसम का कहर जारी है। पलामू प्रमंडल भीषण गर्मी की चपेट में है। जानकारी के अनुसार पिछले 48 घंटे में जिला के विभिन्न इलाकों में 20 से अधिक लोगों की मौत की खबर है। ग्रामीण और मृतक के परिजनों के अनुसार सभी की मौत लू लगने और भीषण गर्मी के कारण हुई है। वहीं बोकारो में वज्रपात की चपेट में आने से एक युवती समेत तीन लोगों की मौत हो गयी है। दो घायल हैं। इस बीच दुमका में भारी बारिश के दौरान वज्रपात की घटना में 26 मवेशियों की मौत हो गयी। ये घटना मसलिया प्रखंड के कोलाबागान जंगल की है।

वज्रपात से मौत : घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बरमसिया ओपी क्षेत्र के नूतनडीह में गुरुवार की रात दाह-संस्कार कर श्मशान घाट से बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे थे। उसी दौरान वज्रपात की चपेट में आ कर नूतनडीह निवासी बादल राय (45) और पार्थ राय की मौत हो गयी। दूसरी बाइक पर सवार दुगाई बनर्जी और तारू बनर्जी घायल हो गये। वहीं दूसरी ओर दुमका के मसलिया प्रखंड के कोलाबागान जंगल में वज्रपात के कारण 26 पशुओं की मौत हो गयी।

(शेष पेज 11 पर)

चतरा में 20 हजार घूस लेते जेई और दलाल गिरफ्तार

रांची। चतरा में भ्रष्टाचार पर बड़ी चोट करते हुए एसीबी ने बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी ने मनरेगा जेई और उसके दलाल को 20 हजार रुपये घूस लेते गिरफ्तार कर लिया है। जांच टीएम ने लावालौंग मनरेगा जेई दशरथ को जेल के समीप से और उसके दलाल ब्रजेश यादव को लमटा-चतरा मुख्य मार्ग से धर दबोचा। जेई दलाल के माध्यम से कूप निर्माण के लाभुक से मापी व भुगतान के नाम पर घूस मांग रहा था। लाभुक लमटा गांव निवासी नीलेश साव ने इसकी शिकायत एसीबी हजारीबाग से की। इस मामले की एसीबी टीम ने जांच की। जांच के बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए टीम ने जाल बिछाया। इसके बाद रिश्वत लेते रंगे हाथ धर दबोचा और अपने साथ हजारीबाग ले गयी।

१ੳ
"घल्ले आवे नानका, सद्दे उठ्ठे जाये"

सरदारनी बलवंत कौर खनूजा
हमारी पूज्य माता जी सरदारनी बलवंत कौर खनूजा (धर्मपत्नी स्वर्गीय सरदार हरजीत सिंह खनूजा) का 31.05.2024 शुक्रवार अपराह्न 3 बजे निधन हो गया है। उनकी अंतिम यात्रा हमारे पैतृक आवास 14/407, काशीडीह, साकची (साकची गुरुद्वारा पेट्रोल पंप के सामने) दिनांक 02.06.2024 दिन रविवार को सुबह 10:00 गुरुद्वारा साहिब साकची होते हुए स्वणरिखा बर्निंग घाट, भुइयांडीह पहुँचेगी।

शोकाकुल :-
पुत्र :-
त्रिलोचन सिंह 'पम्मी', दलजीत सिंह 'राज़े', अमरप्रीत सिंह 'काले'
रणबीर सिंह 'बब्बू' एवं समस्त खनूजा परिवार

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	:	68300 रु./10 ग्राम
चांदी	:	96000 रु./प्रति किलो

प्रतिबंधित मछली लदा वाहन पलटा, लूट ले भागे लोग

- एनएच पर हादसे ने खोली तस्करी की पोल
- थाई मांगुर का धड़ल्ले से जारी है अवैध व्यापार

खबर मन्त्र संवाददाता

तोपचांची (धनबाद)। शुक्रवार की सुबह प्रतिबंधित थाई मांगूर मछली से भरा पिकअप वैन अनियंत्रित होकर पलट गया। वैन में भरी थाई मांगुर मछलियां सड़क पर फैल गयीं। पानी के बिना सभी मछलियां रोड पर तड़प रही थीं। खबर फैलते ही आसपास के लोग जुट गये और मछलियां लूटने की होड़ मच गयी। देखते-देखते ग्रामीणों ने रोड में बिखरी लगभग सभी मछलियां लूट ली और चलते बने। जबतक तोपचांची पुलिस पहुंचती, तब तक आसपास के लोग सभी मछलियां लूट कर जा चुके थे। मछलियां बंगाल से बिहार के औरंगाबाद ले जायी जा रही थी।

प्रतिबंध के भी तस्करी जारी : नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल और केंद्र सरकार ने वर्ष 2000 से ही विदेशी थाई मांगूर मछली पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके बावजूद इसकी तस्करी धड़ल्ले से की जा रही है। खास कर एनएच अवैध व्यापार का सेफ जोन बना हुआ है। एनएच के रास्ते प्रतिदिन दर्जनों गाड़ियों में थाई मांगूर मछली बिहार व उत्तर प्रदेश के विभिन्न जगहों में भेजी जाती है। प्रतिबंधित होने के बावजूद तस्करी रुक नहीं रही।

कैसे हुआ हादसा : चालक सुबोध कुमार ने कहा कि टायर फट जाने के बाद गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गयी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा इतना भीषण था कि पिकअप वैन के चारों पहिये हवा में उड़ गये। यह हादसा शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे तोपचांची थाना क्षेत्र अंतर्गत कोटालड्डा स्थित ओवरब्रिज के पास एनएच पर हुआ।

सिदो कान्हु की धरती से होगी भाजपा के संकल्प की सिद्धि : लक्ष्मीकांत

भाजपा के प्रदेश प्रभारी ने कहा कि 4 जून के बाद भ्रष्ट राज्य सरकार की उल्टी गिनती होगी शुरू

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने झारखंड की 14 लोकसभा सीट पर एनडीए की जीत का दावा किया। डॉ वाजपेयी शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने राज्य के ठगबंधन सरकार एवम इंडी एलायंस पर बड़ा हमला भी बोला। उन्होंने कहा कि झारखंड में दो क्रांति महत्वपूर्ण है। इसमे भगवान बिरसा मुंडा का उलगुलान एवम अमर शहीद सिदो कान्हु का हुल शामिल है। उन्होंने कहा कि जून महीना संथाल हुल क्रांति का महीना है। संथाल समाज कांग्रेस झामुमो मुक्त झारखंड के लिए हुल करने केलिये तैयार है। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति से संथाल समाज के अस्तित्व पर संकट के बादल छाये हुये हैं।बांग्लादेशी घुसपैठियों से केवल डेमोग्राफी नहीं बदली बल्कि जमीन और जमीर दोनो की हो रही लूट। विशिष्ट संस्कृति ही संथाल समाज की पहचान, जिसे समाप्त करने की कोशिश राज्य सरकार के संरक्षण में हो रहा है। झामुमो-कांग्रेस- राजद ठगबंधन वोट बैंक के कारण संथाल की अस्मिता और पहचान को मिटा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपनी सत्ता को बचाने केलिए इंडी ठगबंधन ने संथाल परगना को घुसपैठियों के हाथों गिरवी रख दी है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की जमीन लव जिहाद के माध्यम से घुसपैठिये लूट रहे हैं।कांग्रेस झामुमो के संरक्षण में घुसपैठियों के राशनकार्ड, आधार कार्ड, वोटर आईडी बनाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज संथाल परगना में आदिवासियों की आबादी तेजी से घट रही है। उन्होंने कहा कि दूसरी तरफ भ्रष्टाचार का नंगा नाच हो रहा है।खान खनिज, पत्थर कोयला, बालू की लूट हो रही है।केवल साहेबगंज जिला में एक हजार करोड़ से अधिक के घोटाले उजागर हुये हैं। भ्रष्टाचार में लिप्त पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जेल में है। सरकार के मंत्री आलमगीर आलम जेल में हैं। कई आइएएस अधिकारी जेल में हैं। और कई जाने की कतार में खड़े दिखाई दे रहे। उन्होंने कहा कि इंडी एलायंस के नेता चोरी और सीनाजोरी दोनो कर रहे हैं। भ्रष्टाचार को भी जाति धर्म समुदाय से जोड़कर जनता को दिग्भ्रमित कर रहे हैं। जबकि जनता इनकी चालाकी खूब समझ रही है।

उन्होंने कहा कि आज जनता मोदी सरकार के विकास कार्य चाहे देवघर में एम्स की स्थापना हो, एयरपोर्ट हो या रेलवे की सुविधा हो, हाईवे का निर्माण, गंगा नदी पर साहेबगंज में पुल का निर्माण जैसे कार्यों को देख रही है। साथ ही, दूसरी ओर भाजपा की राज्य सरकार में किये गये विकास कार्यों को याद कर रही है। जनता को मोदी की गारंटी पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से मोदी जी की सभाओं में लाखों की भीड़ तपती गर्मी में सुनने केलिये उमड़ी वह दृश्य जनता के मिजाज को समझने केलिए काफी है।

उन्होंने कहा कि 1जून को वोट के माध्यम से जो हुल संथाल की धरती से होगा वह भ्रष्टाचार, लूट, लव जिहाद, लैंड जिहाद, घुसपैठ, तुष्टिकरण के खिलाफ होगा। उन्होंने कहा कि 4जून के बाद देश में भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कारवाई और तेज होगी। भाजपा कभी भी झारखंड को लूट और घुसपैठ की भूमि नही बनने देगी। घुसपैठियों को चुन चुन कर बाहर किया जायेगा। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक एवं प्रवक्ता अविनेश कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

अंतिम चरण के चुनाव में झारखंड की जनता इंडिया गठबंधन के साथ : सोनाल शांति

रांची। यह चुनाव संविधान और आरक्षण हटाने वाले एनडीए एवं उसे बचानेवाले इंडिया गठबंधन के बीच है। चुनाव के अंतिम चरण में शनिवार को लोकसभा के लिए झारखंड की तीन सीटों पर होने वाले चुनाव में जनता पूरी तरह से संविधान और आरक्षण बचाने की लड़ाई में इंडिया जनबंधन के साथ है। शांति और अहिंसा के मार्गदर्शक बापू के अस्तित्व को नकारने वाले प्रधानमंत्री का घमंड जनता अंतिम चरण के चुनाव में तोड़ेगी। राजमहल, दुमका, गोड्डा की सीटों पर जनता बहुमत से इंडिया जनबंधन के उम्मीदवारों को चुनकर लोकसभा में भेजेगी और संथाल परगना इलाके से भाजपा का सुपड़ा साफ करेगी। उक्त दावा करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि भाजपा ने जिस तरह साजिश के तहत इंडिया जनबंधन के दो कद्दावर नेताओं हेमंत सोरेन और आलमगीर आलम को जेल भेजा है। उससे संथाल के लोगों में भारी आक्रोश है और यह आक्रोश संथाल के क्षेत्र में मतदान के रूप में देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि झारखंड की 11 सीटों पर जनता ने अपना फैसला सुना दिया है और बाकी तीन सीटों को इंडिया जनबंधन की झोली में डालकर झारखंड की जनता चुनाव में इतिहास रचेगी। उन्होंने कहा है किम चुनाव के हर चरण में प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के बदले रूप को देखकर लोग हैरान हैं, चुनाव के प्रत्येक चरण को सांप्रदायिक बनाने की लगातार कोशिश भी उनकी नाकाम हो गई और अंतिम चरण के पूर्व वन नेशन, वन चुनाव को लागू किए जाने का खुलासा करते हुए प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने संविधान में बदलाव की मंशा को जाहिर कर दिया है।

दुमका, राजमहल व गोड्डा के हर बूथ की होगी कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग

चुनाव वाले क्षेत्र से जुड़े बिहार और प. बंगाल की सीमा सील : के रवि कुमार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि दुमका, राजमहल और गोड्डा के हर बूथ की कंट्रोल रूम से वेब कास्टिंग के माध्यम से मॉनिटरिंग की जायेगी। वह शुक्रवार को निर्वाचन सदनए धुर्वा में प्रेस वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दुमका, राजमहल और गोड्डा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में शनिवार को मतदान है। राजमहल में 14 और गोड्डा तथा दुमका में 19-19 उम्मीदवार हैं। प्रत्येक बूथ पर भीतर और बाहर एक-एक कैमरे लगाये गये हैं। पर्यवेक्षक भी पूरी स्थिति पर अपनी नजर बनाये हुये हैं। उन्होंने बताया कि मतदान केंद्रों पर मतदानकर्मी पहुंच गये हैं। सभी मतदानकर्मी मतदान के बाद उसी दिन वापस लौटेंगे। बारिश की आशंका के बीच मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर हर संभव व्यवस्था की गयी है। मतदान के दिन दूरस्थ इलाके के मतदाताओं को वाहन से मतदान केंद्र तक लाने और ले जाने की व्यवस्था की गयी है। वरिष्ठ और दिव्यांग मतदाताओं को भी मतदान केंद्र तक लाने की व्यवस्था बनायी गयी है। उन्होंने अपील करते हुये कहा कि इस बार दिनभर मतदान है। समय निकाल कर परिवार और पड़ोसी संग मतदान जरूर करें। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान के मदेनजर हर बूथ पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गयी है। चुनाव वाले क्षेत्र से जुड़े बिहार और पश्चिम बंगाल की सीमा सील कर दी गयी है। बाइक सवार क्विक रिस्पांस टीम की भी तैनाती की गयी है। उन्होंने बताया कि देवघर में चुनाव कार्य से जुड़े एक प्राइवेट बस के ड्राइवर की मौत हो गयी है। उसके परिजनों को नियमानुसार अनुग्रह अनुदान प्रदान किया जायेगा। उन्होंने बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक झारखंड में 134 करोड़, 75 लाख की अवैध सामग्री और नकदी जब्त की गयी है।

सेवानिवृत्त हुए कर्मियों को दी गई विदाई

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीसीएल से मई, 2024 में 81 कर्मी सेवानिवृत्त हुए। इसमें 8 अधिकारी और 73 कामगार हैं। रिटायर हुए कर्मियों में मुख्यालय से 7 हैं। मुख्यालय सहित क्षेत्रीय कार्यालयों में समारोह आयोजित कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। सीसीएल मुख्यालय से महाप्रबंधक (खनन) महेंद्र कुमार पंजाबी, महाप्रबंधक (वित्त) अनिल कुमार गुप्ता, मुख्य प्रबंधक (ई एंड एम) सुनील कुमार, सीएमओ, मुख्यालय डिस्पेंसरी डॉ. अरबिंद कुमार, मुख्य भंडारपाल - ए-1 संजय कुमार श्रीवास्तव, कार्यालय अधीक्षक (मेडिकल विभाग) सौमेन रॉय एवं मैट्रन-ए-1 मनोज कुमारी सेवानिवृत्त हुए। सीसीएल की ओर से सम्मान- सह - विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) हरीश दुहान, निदेशक (तकनीकी/योजना एवं परियोजना) सतीश कुमार झा एवं सीवीओ पंकज कुमार ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को शॉल, श्रीफल, पुष्प गुच्छ, स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र, सर्विस सर्टिफिकेट आदि प्रदान कर सम्मानित किया। निदेशक (वित्त) ने कहा कि आप सभी की समर्पित भावना के कारण ही कंपनी का विकास एवं भविष्य सकारात्मक है। कंपनी से जब भी कोई जरूरत पड़े, तब कंपनी एवं मैनेजमेंट आपके साथ होंगे। निदेशक (कार्मिक) ने कहा कि सभी अपने-अपने स्वास्थ्य एवं वित्तीय अनुशासन पर विशेष ध्यान दें, ताकि दूसरों पर निर्भर नहीं रहें। वर्षों से आपके समर्पण, कड़ी मेहनत और समर्पित भावना का कंपनी को लाभ मिला है। इसके कारण सीसीएल अपना लक्ष्य को प्राप्त कर रहा है। निदेशक (तकनीकी/संचालन) ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों की उपलब्धि के बारे में चर्चा की। कहा कि आपकी दूसरी पारी सुखमय हो। निदेशक (तकनीकी/योजना एवं परियोजना) ने कहा कि आप अपनी तीसरी पीढ़ी के साथ समय बिताएं। बच्चों के भविष्य निर्माण में योगदान दें। सीवीओ पंकज कुमार ने दूसरी इनिंग के पहली इनिंग से और बेहतर होने की कामना की।

सलाह दी कि अपने और लाइफ पार्टनर के प्रति ध्यान दें। व्यक्तिगत हितों को दूसरे के लिए कोम्प्रोमाइज नहीं करें। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों के कायार्नुभवों पर बनी एक शॉर्ट फिल्म प्रदर्शित की गई। इसमें कर्मियों ने अपने संपूर्ण सेवाकाल के यादगार लम्हों को साझा किया। कार्यक्रम का संचालन, स्वागत एवं धन्यवाद विभागाध्यक्ष (कल्याण) श्रीमती रेखा पांडेय ने किया।

39 साल सरकारी नौकरी के बाद सेवानिवृत हो गये प्रधान लिपिक संजय

खबर मन्त्र संवाददाता

जिला अवर निबंधन कार्यालय रांची में समारोह आयोजित कर उन्हें दी गयी विदायी

रांची। रांची जिला निबंधन कार्यालय के प्रधान लिपिक संजय कुमार गुप्ता 31 मई शुक्रवार को सेवानिवृत हो गये। इन्होंने 39 साल एक महीने तक सरकारी सेवा में कार्यरत रहे। सरकारी सेवा के दौरान इन्होंने 21 अलग-अलग अवर निबंधक पदाधिकारी के साथ कार्य किये। प्रधान लिपिक संजय कुमार गुप्ता बेहद अनुशासित, मृदुभाषी, बेहतर प्रबंधनीय गुण वाले तथा जमीन से संबंधित दस्तावेज के अच्छे जानकार माने जाते रहे हैं। इन्हें सॉल ओढ़ाकर और बूके प्रदान कर सम्मान दिया गया। इस अवसर पर रांची जिला अवर निबंधक पदाधिकारी वैभव मणि त्रिपाठी, रांची शहरी निबंधक पदाधिकारी हिनू बाल्मीकी साहु, रांची ग्रामीण निबंधक पदाधिकारी हिनू संतोष कुमार रजक के अलवा विशेष रूप से गढ़वा जिला अवर निबंधक पदाधिकारी विवेक कुमार भी उपस्थित थे। इस अवसर पर वैभवमणि त्रिपाठी ने कहा कि संजय गुप्ता के कार्य काफी प्रशंसनीय रहे हैं। किसी को उन्होंने शिकायत का मौका नहीं दिया। उनके सुखमय जीवन की शुभकामनाएं प्रदान करता हूं। बाल्मीकी साहु ने कहा कि संजय कुमार सामंजस्य स्थापित कर काम करनेवाले व्यक्ति रहे। एक अच्छे मैनेजर के रूम में काम किया। किसी को कोई दिक्कत नहीं होने दिया। इस मौके पर निबंधन कार्यालय रांची के लिपिक बासित हाफिज, पुष्कर कुमार साहु, किशोर साहु, श्रवण कुमार सिन्हा, रमेश कुमार, आनंद साहु, सुनील कुमार, शैलेश, प्रभात, असीम कुमार सिन्हा, गणेश साहु, नित्यानंद राय, गुड्डन कुमार समेत रांची जिला दस्तावेज नवीस संघ के पदधारी, सदस्य, अधिवक्तागण उपस्थित थे।

गर्मी में बिजली की मांग बढ़ी, कम बिजली के कारण आपूर्ति चरमरायी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। गर्मी बढ़ते ही झारखंड में जनजीवन प्रभावित हो गया है। लोगों को जरूरत भर बिजली नहीं मिल रहा। बिजली कटौती ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। रांची सहित पूरे राज्य में भयंकर बिजली कटौती और पावर कट का सिलसिला जारी है। हालात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि राजधानी रांची में कब बिजली रहेगी, कब कट जायेगी, यह कहा नहीं जा सकता है। गर्मी का साइड इफेक्ट का सबसे बड़ा असर देशभर में पानी आधारित हाईडल पावर प्रोजेक्ट पर पड़ा है। पानी आधारित नेशनल हाईडल पावर कॉरपोरेशन (एनएचपीसी) से बिजली उत्पादन में कमी आयी है। इसका कारण नदी और अन्य सरफेस वाटर श्रोत में पानी की कमी हो जाना है। इसका असर झारखंड में भी पड़ रहा है। एनएचपीसी से झारखंड को करीब 1 हजार मेगावट तक बिजली मिलती है। मगर अभी झारखंड को 300 से 350 मेगावाट तक बिजली कम मिल रही है। इसके अतिरिक्त अन्य श्रोत से 50 से 100 मेगावाट तक बिजली की कमी दर्ज की जा रही है। पूरे स्टेट में करीब 400 मेगावाट बिजली की कमी दर्ज की जा रही है। इसके कारण रांची सहित पूरे राज्य में जमकर बिजली कटौती की जा रही है।

महंगी बिजली की भी खरीददारी की तैयारी

हालात की गंभीरता को देखते हुए अब जेबीवीएनएल पीटीसी (पावर ट्रेडिंग कॉरपोरेशन) से बिजली लेने की तैयारी कर रहा है। अगर दो दिनों के अंदर मौसम सामान्य नहीं हुआ तो जेबीवीएनएल 10 रूपए प्रति यूनिट महंगे दर पर बिजली खरीदकर हालात को सामान्य करने की तैयारी में है। औसतन जेबीवीएनएल पांच से छह रूपए प्रति यूनिट बिजली खरीदती है।

डीवीसी कमांड एरिया में भी बिजली की भारी कटौती

हमेशा बकाये के बोझ तले दबे होने के कारण डीवीसी अपने कमांड एरिया को संभाल नहीं पा रहा है। धनबाद, बोकारो, रामगढ़, गिरिडीह, चतरा, कोडरमा, हजारीबाग में डीवीसी ढाई सौ मेगावट की बिजली कटौती कर रहा है। इसके कारण कमांड एरिया में छह से सात घंटे तक पावर कट हो रहा है. ऊपर से लोकल फॉल्ट ने समस्या और बढ़ा दी है। डीवीसी अपने कमांड एरिया में करीब 800 मेगावाट बिजली आपूर्ति करता है, मगर फिलहाल ढाई सौ मेगावाट तक की कमी दर्ज की जा रही है। इसका सीधा असर बिजली आपूर्ति पर पड़ रहा है।

लोकल फॉल्ट बढ़ा रही बिजली की समस्या

रांची में लोकल फॉल्ट ने पावर की समस्या बहुत अधिक बढ़ा दी है। कब बिजली रहेगी, कब जाएगी। इसका अता-पता नहीं। सुबह से जो पावर कट का सिलसिला शुरू होता है वह देर रात तक जारी रहता है। किसी भी सबस्टेशन या लोकल सेक्टर कार्यालय में रात में न कोई भी इंजीनियर मौजूद होता है न ही ऑपरेशन-मेंटेनेंस गैंग, सबस्टेशन के जरिए ही पूरी व्यवस्था संचालित हो रही है। रात में अगर पावर कट हुआ तो ठीक होगा या नहीं, रात को बिजली आएगी या नहीं, इसकी गारंटी कोई नहीं दे सकता है। जबकि बिजली अफसरों का साफ निर्देश है कि रोटेशन के तहत रात में सभी सबस्टेशन में जेई और ऑपरेशन-मेंटेनेंस गैंग तैनात रहेंगे, ताकि खराबी या विपरित परिस्थिति में वे मूव कर सकें। सबस्टेशन में तैनात कर्मी ही लाइन मैन को फोन करके खराबी की सूचना देते हैं और शट डाऊन देते हैं।

गर्मी में बढ़ी बिजली की मांग

सामान्य दिनों में झारखंड की बिजली खपत 1900 से 2000 मेगावाट तक रहती है। मगर अभी पीक गर्मी में डिमांड बढ़कर यह 2500 मेगावाट तक बढ़ गयी है। ऊपर से बिजली की कमी। ऐसे में राज्य में बिजली संकट बढ़ गया है। हालात से निपटने के लिए जेबीवीएनएल तैयारी में जुट गया है। एक से दो दिनों के अंदर अतिरिक्त बिजली खरीदने की तैयारी शुरू कर दी है। पीटीसी से वार्ता जारी है। हालात बिगड़ने पर अतिरिक्त बिजली की खरीदी की जाएगी।

रांची को मिल रही बिजली की स्थिति

हटिया ग्रिड,	फूल लोड : 260-265 मेगावाट, उपलब्धता : 250-255 के करीब
नामकुम ग्रिड,	फुल लोड : 110-120 मेगावाट, उपलब्ध : 90-100 मेगावाट
कांके ग्रिड,	फुल लोड : 60-80 मेगावाट, उपलब्ध : 70 मेगावाट
बुढ़मू ग्रिड,	फुल लोड : 28-30 मेगावाट, उपलब्ध : 25 मेगावाट
रांची में बिजली डिमांड : 350 से 400	
गर्मी में खपत बढ़ी : 35 से 40 मेगावाट	

खबर एक नजर में

दादा-दादी के हत्यारे को उम्रकैद की सजा

रांची। अपर न्यायायुक्त योगेश कुमार सिंह की अदालत ने सरहुल पर्व मनाने के नाम पर पैसा नहीं देने पर दादा.दादी की एक साथ हत्या करने वाले पोते मंगलू उरांव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 13 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। जुमाने की राशि नहीं देने पर अभियुक्त को अतिरिक्त छह माह की सजा भुगतनी होगी। दोहरे हत्याकांड की सुनवाई करते हुये अदालत ने 28 मई को अभियुक्त मंगलू उरांव को दोषी करार दिया है। अदालत ने फोरेंसिक रिपोर्ट एवं डीएनए रिपोर्ट के आधार पर अभियुक्त को सजा सुनाई है। बेड़ो थाना क्षेत्र के घाघरा पंचायत स्थित कैरो गांव में मंगलू उरांव ने बूढ़े दादा मंगरा उरांव एवं दादी चरिया की हत्या 14 अप्रैल 2021 को कर दी थी। सरहुल पर्व मनाने के लिए पैसे नहीं मिलने पर उसने आवेश में इस घटना को अंजाम दिया था। अभियुक्त ने घर में रखे दौली और हंसुआ से हमला कर दादा.दादी को मौत के घाट उतार दिया था। घटना के लेकर मृतक के बेटे सह अभियुक्त के पिता सुका उरांव में बेड़ो थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामले में सुनवाई के दौरान जांच अधिकारी मनीष कुमार गुप्ता को छोड़कर सूचक सहित सभी गवाह अदालत में गवाही के दौरान मुकर गए। लेकिन, अदालत ने फारेंसिक रिपोर्ट और डीएनए रिपोर्ट के आधार पर अभियुक्त को सजा सुनाई है।

हाईकोर्ट ने कहा : एक बार मिली जमानत तब तक रद्द नहीं हो सकती जब तक शर्तों का उल्लंघन न हो

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा है कि अगर किसी अभियुक्त को एक बार जमानत दे दिया जाता है, उसकी जमानत तब तक रद्द नहीं की जा सकती जब तक कि वह जमानत की शर्तों का उल्लंघन न करे या निष्पक्ष सुनवाई में बाधा न डाले। दरअसल, जमशेदपुर सिविल कोर्ट ने दीक्षा कुमारी को एक आपराधिक मामले में आपसी समझौते के आधार पर जमानत दी थी। जिसके खिलाफ अमित कुमार ने हाईकोर्ट में क्रिमिनल मिस्लीनियस पिटीशन दाखिल कर जमानत रद्द करने का आग्रह किया था। इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में हुई। सुनवाई के दौरान अमित कुमार की ओर से यह बहस की गई की दोनों पक्षों के बीच हुए समझौते की शर्तों का पालन करने में विफल रहा है। वहीं राज्य सरकार की ओर से यह दलील दी गई कि समझौते की शर्तों का पालन न करना जमानत रद्द करने का आधार नहीं बन सकता है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने जमशेदपुर कोर्ट के द्वारा दीक्षा कुमारी को दी गई जमानत को रद्द करने से इंकार करते हुए याचिका खारिज कर दी। जमशेदपुर कोर्ट ने दीक्षा कुमार को वर्ष 2022 में जमानत दी थी। जमशेदपुर सिविल कोर्ट में लंबित मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा हुआ है।

मेडिकल और ओरल एविडेंस में विरोधाभास हो, तो आई विटनेस पर भरोसा नहीं किया जा सकता : हाईकोर्ट

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने एक क्रिमिनल अपील पर सुनवाई करते हुए कहा है कि जहां भी चिकित्सा साक्ष्य (मेडिकल एविडेंस) और मौखिक साक्ष्य (ओरल एविडेंस) के बीच विरोधाभास है, वहां प्रत्यक्ष साक्ष्य (आई विटनेस) पर विश्वास नहीं किया जा सकता। दरअसल सरायकेला-खरसांवा सिविल कोर्ट ने निराकार महतो को माधो सिंह मुंडा की हत्या के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा सुनायी थी। निराकार महतो ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस और जस्टिस नवनीत कुमार की बेंच में इस मामले पर सुनवाई हुई। निराकार महतो की ओर से अधिवक्ता सोनम कुमारी ने बहस की। अधिवक्ता सोनम की ओर से इस केस में की गयी मेहनत की सराहना करते हुए हाईकोर्ट ने उन्हें 11 हजार रुपये फीस के तौर पर देने का निर्देश भी दिया। इस मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि कानून में यह अच्छी तरह से स्थापित है कि अभियोजन पक्ष के गवाह के साक्ष्य में मामूली विसंगतियों पर अनावश्यक जोर नहीं दिया जाता, लेकिन जहां प्रत्यक्ष साक्ष्य, चिकित्सा साक्ष्य को गंभीर रूप से चुनौती देता है, वहां अभियोजन पक्ष के मामले को असंगत माना जाना चाहिए। इसलिए जहां भी चिकित्सा साक्ष्य और मौखिक साक्ष्य के बीच घोर विरोधाभास है, वहां प्रत्यक्ष साक्ष्य पर विश्वास नहीं किया जा सकता।

साल 1991 में हुई थी माधो सिंह मुंडा की हत्या : परशुराम महतो के बयान के आधार पर वर्ष 1991 में निराकार महतो के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया कि निराकार महतो ने अन्य लोगों के साथ मिलकर माधो सिंह मुंडा पर हमला किया। इस हमले के बाद माधो सिंह मुंडा की मृत्यु हो गयी।

आज पीएमएलए कोर्ट में पेश होंगे आलमगीर आलम

रांची। ठेकों में कमीशनखोरी की बहुत बड़ी राशि का मनी लाउंड्रिंग करने के आरोप में जेल में बंद ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम की पेशी शनिवार को पीएमएलए कोर्ट में की जाएगी। यह पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगी। अदालत ने गुरुवार को 14 दिनों की ईडी रिमांड खत्म होने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में लेते हुए एक जून तक के लिए बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार भेज दिया गया था। बता दें कि ईडी ने 35.23 करोड़ रुपए नकद बरामदगी मामले में 15 मई को आमलगीर आलम को गिरफ्तार किया है।

बन्ना गुप्ता पर मनी लाउंड्रिंग का गंभीर आरोप लगाते हुये ईडी से जांच की मांग

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पूर्व मंत्री और विधायक सरयू राय ने एक बार फिर चिळी बम फोड़ा है। बम स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता पर फूटा है। श्री राय ने बन्ना गुप्ता पर भ्रष्टाचार एवं मनी लाउंड्रिंग के गंभीर आरोप लगाये हैं। उन्होंने इस बाबत एक पत्र ईडी निदेशक को लिखा है। उन्होंने पत्र में कहा कि बन्ना गुप्ता ने 2021-22 में कोविड प्रोत्साहन राशि का लाभ खुद और अपने कर्मियों को दिलवाया था। वहीं बन्ना गुप्ता की सांठ-गांठ से स्वास्थ्य विभाग में करोड़ों का दवा घोटाला हुआ है। करोड़ों रुपये की दवाईयां स्वास्थ्य विभाग ने ऊंची दरों पर खरीदी है। उन्होंने बन्ना गुप्ता पर कार्यपालिका नियमावली के प्रावधानों का उल्लंघन कर डॉक्टरों, सिविल सर्जन और वरिष्ठ चिकित्सा पदाधिकारियों का अवैध तरीके से ट्रांसफर करने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इसके जरिये मंत्री ने बड़े पैमाने पर मनी लाउंड्रिंग की है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री पर आयुष्मान घोटाला का भी आरोप लगाया है। आरोप लगाया कि झारखंड के अस्पतालों से सांठ-गांठ कर योजना मद में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा दिये गये फंड का दुरुपयोग मंत्री ने किया है। इसके अलावा आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री आरोग्य योजना में भी मंत्री ने गड़बड़ी की है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में दवाओं के साथ एंबुलेंस और अस्पतालों के लिए जरूरी उपकरण खरीदने में भी भारी भ्रष्टाचार हुआ है। इसमें भी स्वास्थ्य मंत्री की भूमिका है। उन्होंने कहा कि मंत्री ने पूर्वी सिंहभूम के बहरागोड़ा प्रखंड में बड़े पैमाने पर कृषि भूमि खरीदी है। वहां 50 एकड़ से भी अधिक भूमि पर एक फॉर्म हाउस बनाया है। उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग किया है।

सरयू राय ने कोविड प्रोत्साहन राशि में अनियमितता, अवैध तरीके से ट्रांसफर-पोस्टिंग और 50 एकड़ जमीन खरीदने के लगाये गंभीर आरोप

विश्व धूम्रपान निषेध दिवस के अवसर पर समर्पण शाखा ने चलाया जागरूकता अभियान

रांची। मारवाड़ी युवा मंच समर्पण शाखा ने विश्व धूम्रपान दिवस के मौके पर शुक्रवार को रातु रोड मेट्रो गली के सामने जागरूकता अभियान चलाया। जागरूकता अभियान को संबोधित करते हुए अध्यक्ष विनीता सिंघानिया ने कहा धूम्रपान से काफी नुकसान होता है , किसी की जान भी जा सकती है। इसका सेवन बिलकुल नहीं करना चाहिए। इस मौके पर सभी समर्पणा शाखा की सदस्यों ने पोस्टर के माध्यम से लोगो को धूम्रपान निषेध के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वास्थ्य प्रभारी कोमल झुनझुनवाला एवं संयोजिका आशा सराफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस मौके पर रितु पोद्दार , कोमल पोद्दार सहित अन्य सदस्य उपस्थित थी। यह जानकारी मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने दी।

भारत सबसे ज्यादा स्टील का प्रोडक्शन और खपत करने वाला देश : सेल चेयरमैन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भारत का स्टील इंडस्ट्री दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इंडस्ट्री है जिसमें काफी संभावनाएं हैं। इसे ध्यान में रखते हुए रांची झारखंड में इस्पात पर इस तरह का आयोजन किया गया जिसमें भविष्य की रणनीति और कमियों को दूर करने के लिए विशेषज्ञों की राय ली गयी,जो बहुत ही अच्छी पहल है। इस संबंध में जानकारी देते हुए सेल चेयरमैन अमरेंदु प्रकाश ने बताया कि भारत दुनिया के देशों में सबसे तीव्र गति से स्टील प्रोडक्शन और कन्जम्शन करने वाला देश है। इस वर्ष भारत

में 13.5% की दर से स्टील की खपत बढी है। 2023-24 में भारत में 136 मिलियन टन स्टील की खपत हुई है, जबकि पूरे विश्व में देखें तो मात्र 0.5% है। 2017 में बनी स्टील पॉलिसी के तहत हमारा लक्ष्य है। देश में 2030 तक 300 मिलियन टन स्टील उत्पादन करने का है, जिसके तहत प्रत्येक स्टील कंपनी अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाना चाहती है।

यदि बात करें सेल की तो वर्तमान में 20 मिलियन टन हमारी उत्पादन क्षमता है जिसे हम प्रतिवर्ष 35 मिलियन टन क्षमता करने का लक्ष्य बना रखा है।

स्टील उत्पादन के लिए विदेशों से आते हैं मशीनें

स्टील उत्पादन के लक्ष्य को पूरा करने के लिए सबसे अहम योगदान इसमें नई टेक्नोलॉजी के साथ लगने वाले मशीन हैं जो विदेशों से आती हैं। सेल अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने कहा कि इस सेमिनार का उद्देश्य यह है कि अगर मशीन विदेश की बजाय अपने देश में तैयार हो तो न सिर्फ रोजगार बढ़ेगा बल्कि यहां आर्थिक गतिविधियां भी तेजी से बढ़ेंगी। इसी उद्देश्य को लेकर स्टील उद्योग से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े देश-दुनिया के 150 विशेषज्ञ सम्मेलन में भाग लेने के लिए आए है। इसके अलावे करीब 200 ऑनलाइन जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संकट को ध्यान में रखकर नेट जीरो को लेकर स्टील इंडस्ट्री अभी से अपने टेक्नोलॉजी में बदलाव करने में जुटा है। आज क्लाइमेट चेंज सबके लिए चिंता का विषय है, जो रांची में पिछले 20 साल पहले लोग इस मौसम में पंखा नहीं चलाते थे आज एसी भी काम नहीं कर रहा है। ये परिवर्तन सबके लिए है इसलिए चिंता के साथ-साथ सबको पहल करनी होगी।

कांके की महिला की पटना में संदेहास्पद मौत परिजनों ने दुष्कर्म के बाद हत्या की जतायीआशंका

- मामले को लेकर थाना पहुंची दो समाजसेवियों से कांके थाना प्रभारी ने की बदसलूकी
- चाईल्ड राइट फाउंडेशन के सचिव बैद्यनाथ ने सीआईडी आईजी को लिखा पत्र

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी के कांके थाना क्षेत्र में रहनेवाली महिला दुलारी मिंज की पटना में संदेहास्पद मौत हो गयी। महिला के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। महिला के चेहरे और पीठ पर जले और चोट के निशान मिले हैं। महिला की ननद ने कांके थाना प्रभारी को आवेदन देकर मामले में कार्रवाई करने की मांग की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद दो महिला समाजसेवी अर्चना बाड़ा और तारामनी साहू इसी मामले को लेकर कांके थाना पहुंचीं, जहां थाना प्रभारी ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। इसे लेकर चाईल्ड राइट फाउंडेशन के सचिव बैद्यनाथ कुमार ने सीआईडी आईजी को पत्र लिखा है और थाना प्रभारी पर कार्रवाई करने की मांग की है।

बिना पोस्टमार्टम कराये शव लेकर पहुंच गये रांची : बैद्यनाथ ने कहा कि कांके थाना क्षेत्र के सुंदरनगर निवासी स्व. स्टीफन मिंज की बेटी दुलारी मिंज (35) की पटना में संदेहास्पद तरीके से मौत हो गयी। वह वहां सतीश चंद्र नाम के व्यक्ति के घर में काम करती थी। गुरूवार की शाम सतीश चंद्र उसका शव एंबुलेंस से लेकर उसके घर पहुंचे। शव देखने के बाद परिजनों ने दुष्कर्म के बाद हत्या की आंशका जतायी। दुलारी पिछले 15 साल से सतीश चन्द्र के घर काम कर रही थी। उस समय सतीश सिंह बीएयू के डीएसडब्लू विभाग में कार्यरत थे और कैंपस में ही रहते थे। दो महीने पहले से वे पटना के फुलवारी शरीफ में रह रहे थे। अपने साथ वह दुलारी को भी ले गये थे। दुलारी के घर शव लेकर पहुंचने के बाद सतीश ने उनके परिजनों को बताया कि दुलारी को बुधवार की शाम लू लग गया था। जिसके बाद पटना में डॉ आरएन पाण्डेय से इलाज कराया, उसी दौरान दुलारी की मौत हो गयी। घटना की सूचना फुलवारी पुलिस को दी गयी थी, लेकिन शव का पोस्टमार्टम कराये बिना ही रांची पहुंचे थे। बैद्यनाथ ने कहा कि सतीश चन्द्र पर वर्ष 2016 मे एक महिला कर्मचारी ने भी यौन शोषण का आरोप लगाया था।

कांके थाना प्रभारी और सतीश सिंह पर हो कार्रवाई : बैद्यनाथ : वहीं दुलारी की भाभी एरेन तिग्गा ने 30 मई को कांके थाना पहुंची और दुष्कर्म एवं हत्या की आशंका जताते हुए थाना प्रभारी को आवेदन दिया।इसके बाद समाजसेवी अर्चना बाड़ा एवं तारामनी साहु जब इस मामले को लेकर थाना में गई तथा कार्रवाई के लिए बोली तो थाना प्रभारी द्वारा इनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। बैद्यनाथ ने सीआईडी आईजी से आग्रह किया है कि सतीश सिह और कांके थाना प्रभारी के खिलाफ जांच कर कार्रवाई की जाए।

काउंसिल ने मांगी उन वकीलों की लिस्ट जिनपर हमला हुआ और धमकी मिली

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। अधिवक्ताओं को धमकी मिलने और उनकी हत्या तक कर देने की घटनाओं को झारखंड स्टेट बार काउंसिल ने गंभीरता से लिया है। काउंसिल वैसे अधिवक्ताओं की जानकारी जुटा रहा है, जिनके उपर अपराधिक हमले हुए हैं या जिन्हें अपराधकर्मियों ने धमकी दी है। इसे लेकर झारखंड स्टेट बार काउंसिल ने राज्य के सभी जिला बार एसोसिएशन और स्टेट बार काउंसिल के सभी सदस्यों को पत्र लिखा है। स्टेट बार काउंसिल, बार एसोसिएशन की मदद से शारीरिक रूप से दिव्यांग वकीलों की जानकारी भी इकठ्ठा कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि हाल के वर्षों में झारखंड में कई अधिवक्ताओं के साथ हुई हिंसक घटनाएं हुई हैं। पिछले तीन-चार सालों में 100 से ज्यादा वकीलों के साथ हिंसक घटनाएं हुई हैं।

जिन अधिवक्ताओं के साथ हिंसा की घटना हुई हुई हैं, उसमें अलग-अलग जिलों के सिविल कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले से लेकर झारखंड हाईकोर्ट के वकील शामिल हैं। कुछ मामलो में तो अधिवक्ताओं की हत्या भी हो चुकी है।

जिन अधिवक्ताओं की हत्या हुई

रांची में अधिवक्ता रामप्रवेश सिंह के घर में घुसकर हत्या. घटना के पीछे की वजह जमीन विवाद बताया गया था।

जमशेदपुर में अधिवक्ता प्रकाश यादव की हत्या।

तमाड़ में रांची के वकील मनोज झा की हत्या, घटना के वक्त वह जमीन पर बाउंड्री का काम देखने गए थे।

चतरा के अधिवक्ता जगन्नाथ पंडित की हत्या।

जिन अधिवक्ताओं की धमकी मिली

आपराधिक चरित्र के लोगों के अलावा दूसरे तरह के लोग भी अधिवक्ताओं को धमकी देते रहते हैं। हाल के दिनों में रांची सिविल कोर्ट की अधिवक्ता पूनम कुमारी, चिरंजीवी मंडल, पवन खत्री, सरफराज अहमद, उदय कुमार, विजय प्रकाश और मनमोहन कुमार को धमकी मिली। इनके अलावा स्टेट बार काउंसिल के सदस्य हेमंत शिकरवार पर भी हजारीबाग में हमला हुआ था। साहेबगंज के अधिवक्ता इकबाल हुसैन और देवव्रत कुमार ने तो धमकी की प्राथमिकी भी दर्ज करायी है। इसी तरह बोकारो की महिला वकील ज्योति कुमारी, रंजन मिश्रा, संजय ठाकुर ने भी धमकी के सिलसिले में प्राथमिकी दर्ज करवाई है। प्राथमिकी में तीनों ने अपनी जान का खतरा बताया है। पाकुड़ के अधिवक्ता दीपक ओझा, पलामू की अधिवक्ता सुष्मिता तिवारी और जमशेदपुर के अधिवक्ता गौरव पाठक को भी धमकी मिल चुकी है। इन अधिवक्ताओं ने भी धमकी देने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

14 डिग्री तक गिरा पारा, गढ़वा व पलामू में अब भी पारा 46 के पार

खबर मन्त्र संवाददाता

शहर का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	35.6	27.1
जमशेदपुर	31.0	27.8
डाल्टेनगंज	46.0	31.5
बोकारो	32.9	23.6
चाईबासा	34.5	29.3
देवघर	33.8	23.9
गिरिडीह	32.6	24.9
गढ़वा	46.5	32.2
सरायकेला	32.5	26.2
गोड्डा	34.1	24.9

रांची। झारखंड में बारिश के बाद कई जिलों में 14 डिग्री तक पारा गिरा है। जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। हालांकि गढ़वा में 46.5 और पलामू में 46 डिग्री सेल्सियस तापमान से वहां के लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिली है। पिछले 24 घंटे में बारिश के बाद सरायकेला में 13.8 डिग्री तापमान में गिरावट दर्ज की गई। जिससे वहां का तापमान 32.5 डिग्री पहुंच गया है। इसके अलावा जमशेदपुर में 11.8 डिग्री, बहरागोड़ा में 11.3 डिग्री, बोकारो में 11 डिग्री, रामगढ़ में 10.9 डिग्री तक पारा गिरा है। वहीं राजधानी रांची के तापमान में 6.4 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। रांची का तापमान 35.6 डिग्री तक पहुंच गया है।

पिछले 24 घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई। राज्य के उत्तर-पश्चिमी भागों में भीषण उष्ण लहर, जबकि मध्य तथा दक्षिणी भागों में कुछ स्थानों पर हल्की लू चली। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 47.4 डिग्री डाल्टनगंज में, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री बोकारो थर्मल में दर्ज किया गया।

एक जून से चार जून तक बारिश : मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में शनिवार को गढ़वा और पलामू में कहीं-कहीं पर उष्ण लहर चल सकती है। इसके अलावा एक जून से 4 जून तक राज्य के उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ वज्रपात होने की संभावना है। साथ ही राज्य के उत्तर-पूर्वी, मध्य तथा दक्षिणी भागों में कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवाओं का झोंका (अधिकतम गति 40-50 किमी प्रतिघंटा) के साथ वज्रपात होने की भी संभावना है। वहीं तीन जून को राज्य के उत्तर-पूर्वी तथा दक्षिणी भागों में कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवा चलने की संभावना है।

सेवानिवृति के मौके पर सीएमपीडीआइ परिवार के तीन सदस्यों को दी गयी विदाई

रांची। सीएमपीडीआई परिवार के तीन सदस्यों के सेवानिवृत्ति के अवसर पर शुक्रवार को संस्थान के कांफ्रेंस हॉल में एक विदाई-सह-सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इनमें श्री चार्ल्स जस्टर-महाप्रबंधक (कार्मिक/प्रकाशन), प्रदीप कुमार दत्ता-कोल लैब टेक्निशियन एवं शाहजहां खान-कोल लैब टेक्निशियन शामिल हैं। इस मौके पर सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को पौधा, मान-पत्र, प्रतीक चि? व शॉल देकर कम्पनी की ओर से सम्मानित किया और सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के योगदान की प्रशंसा की तथा उनके उज्जवल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य, सुखी एवं दीघार्यु जीवन की कामना की। इस अवसर पर यूनियन के प्रतिनिधि समीर विश्वास, सतीश कुमार केशरी, टुकलाल एवं सौविक मुखर्जी तथा सीएमओएआई के अध्यक्ष पीके शरण ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। स्वागत भाषण उप महाप्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन) श्रीमती सुमन रस्तोगी, मंच का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन उप प्रबंधक (राजभाषा) अभय मिश्र ने किया।

रांची विवि का एस्पायर प्रोग्राम के साथ होगा एमोयू

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रांची विश्वविद्यालय से चुने गये छात्र हार्वर्ड युनिवर्सिटी के एस्पायर प्रोग्राम में ऑनलाइन पढाई कर सकते हैं। इस दरम्यान उन्हें प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिये 85000 रू दिये जायेंगे। अच्छे प्रदर्शन के बाद अगले चरण में छात्रों को 8 लाख रुपये मिलेंगे। रांची विश?वविद्यालय से छात्रों के चुनाव के लिये एक टेस?ट आयोजित किया जायेगा। रांची विश्वविद्यालय के आर्यभप्त सभागार में हार्वर्ड युनिवर्सिटी के एस्पायर प्रोग्राम के तहत इंफो सेशन का आयोजन किया गया। इस इंफो सेशन में रांची विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के सैकड़ों छात्र शामिल हुये। एस्पायर के इस विशेष सत्र के मुख्य बिंदू में युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करनाए वैश्विक मित्रता को बढ़ावा देना, फंड एकत्र करना, विश्वस्तरीय एक्सपर्ट्स द्वारा मास्टर क्लासेस का आयोजन करना था?। कार्यक्रम के प्रारंभ में डिप्टी डयरेक्टर वाकेशनल डा स्मृति सिंह ने इंफो सेशन में आये छात्रों को कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा का प्रोत्साहन और आशीर्वाद का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि आप सभी छात्रों में एक बेहतरीन क्षमता है। इसके बाद युवा एस्पायर लीडर स्मृति प्रसाद ने छात्रों को कहा कि एस्पायर के कार्यक्रमों को हम विश्व के 180 देशों में चला सफलतापूर्वक रहे हैं। यहां तक कि पाकिस्तान जैसे देश में भी। स्मृति प्रसाद ने एक शार्ट फिल्म दिखा कर छात्रों को एस्पायर के लक्ष्यों के बारे में बताया और कहा कि एस्पायर इंस्टीट्यूट से आप युवा जुड़कर बहुत कुछ सीख सकते हैं। लीडरशिप गुणों को जान सकते हैं। उन्होंने बताया कि एस्पायर के हार्वर्ड बिजनेस इंस्टीट्यूट में रजिस्टर्ड होकर हम छात्र वैश्विक तौर पर बहुत कुछ सीखते हैं इसके इंटर्नशिप कोर्स में हार्वर्ड के प्राध्यापक हमें पढ़ाते हैं और हम खुद को ग्लोबली परिष्कृत और एनरिच करते हैं।

वास्तव में हमें अपनी क्षमता और कमजोरियों को पहचानना आनी चाहिये। उन्होंने एस्पायर के आनलाइन कार्यक्रमों को स्लाइड शो और शार्ट फिल्म के माध्यम से समझाया। फंड जुगाड़ कर सकते हैं और सर्टिफिकेशन पा सकते हैं। साथ ही, कहा कि हार्वर्ड बिजनेस इंस्टीच्यूट के एस्पायर प्रोग्राम के बहुत सारे सक्षम एल्युमनी भी हैं। एस्पायर के इस इंफो सेशन में सैकड़ो छात्रों के अलावा डॉ नीरज, डॉ राजुकमार सिंह, नेहा कौर, हैप्पी भाटिया, अनुभव व विभिन्न विभागों के शिक्षक तथा रांची विश?वविद्यालय के कई वरीय पदाधिकारी भी शामिल हुये।

रांची पुलिस है चैन से, महिलाएं हो रही हैं बैचेन...

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची पुलिस चैन से सो रही है, लेकिन रांची की महिलाएं बेचेन हो गई हैं। जी हां, पुलिस की लापरवाही का खामियाजा सिटी की महिलाओं को अपनी चेन गंवाकर भुगतना पड़ रहा है। महिलाओं की गले में चमक रही सोने की चेन पर स्नेचर्स की नजर है। आलम यह है कि गली-मुहल्लों से महिलाओं का गुजरना मुश्किल हो गया है। सुनसान रास्तों पर घात लगाए चैन स्नेचर बैठे हुए हैं। हर दिन किसी न किसी इलाके में स्नेचिंग की वारदात को अंजाम दिया जा रहा है।

सिर्फ सनहा दर्ज कर रही पुलिस : राजधानी रांची में इन दिनों एक बार फिर छिनतई गैंग सक्रिय हो गया है। अपराधी महिलाओं को अपना शिकार बना रहे हैं। खासकर उन महिलाओं को, जो सोने की चेन पहन कर बाहर निकल रही हैं। महीने भर में एक दर्जन से अधिक चेन छिनतई की वारदात हो गई हैं। लेकिन एक भी मामले में पुलिस आरोपियों को पकड़ने में सफल नहीं हो सकी है। थाने में सनहा तो दर्ज होती है लेकिन इस पर अनुसंधान करने की जगह आवेदन फाइलों में दबा कर रख दिए जाते हैं। सड़क पर पुलिस की तैनाती न के बराबर है। सुनसान स्थानों में भी पुलिस का नामोनिशान नजर नहीं आता। पीसीआर में तैनात पुलिस कर्मी भी किसी पेड़ की छांव के नीचे गाड़ी खड़ी करके चैन से सोते हैं, इधर स्नेचर अपना काम कर निकल जा रहे हैं। अधिकतर मामलों में पुलिस के हाथ खाली हैं।

सीसीटीवी कैमरे बने शोपीस : सिटी में कई इलाकों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों में स्नेचर की तस्वीर भी कैद हो रही है। फिर भी पुलिस अपराधियों तक पहुंचने में सफल नहीं हो पा रही है। ज्यादातर फुटेज में अपराधियों के चेहरे ब्लर ही नजर आते हैं। दिन के उजाले में भी कैमरे क्लियर फोटो नहीं ले पा रहे हैं। जो यह साबित करता है कि खराब क्वालिटी और कम रेजोलेशन वाले कैमरे लगाए गए हैं। जबकि सीसीटीवी कैमरे लगाते वक्त इसकी क्वालिटी का काफी बखान किया गया था। आजतक इन कैमरों की मदद से पुलिस एक चोर को भी गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

हाल में चेन छिनतई की हुई घटनाएं

31 मई, 2024: राजधानी रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र में अपराधियों ने चेन और पर्स छिनतई की वारदात को अंजाम दिया। जगन्नाथपुर इलाके के चांदनी चौक में हटिया टीओपी के सामने अपराधियों ने दिनदहाड़े महिला से चेन और पर्स की छिनतई कर ली। इस मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस स्नैचरों की तलाश में जुट गयी है।

30 मई, 2024: चुटिया इलाके में बाइक पर सवार दो अपराधकर्मियों ने एक बुजुर्ग महिला के गले से चेन छिनतई कर फरार हो गये

17 मार्च, 2024: बरियातू थाना क्षेत्र के हरिहर सिंह रोड में महिला के गले से हुई चेन छिनतई

13 जनवरी, 2024: सदर थाना एरिया के कोकर में पूजा का सामान खरीद कर घर जा रही महिला से चेन छिनतई

सुरक्षा के लिये है 30 पीसीआर : आम लोगों की सुरक्षा के लिए सिटी में 30 पीसीआर लगाई गई हैं, जिनमें से 8 तो बेकार ही पड़े हुए हैं, जिन्हें पुलिस लाइन में रखा गया है। जो पीसीआर मूवेबल कंडिशन में है उनसे भी कोई लाभ नहीं मिल रहा है। सबसे अधिक छिनतई के मामले हटिया,जगन्नाथपुर, बरियातू, मोरहाबादी, डोरंडा, धुर्वा, चुटिया, सुखदेवनगर और सदर इलाके से आ रहे हैं। स्नेचिंग करने वाले बाइक या स्कूटी भी चोरी का ही इस्तेमाल कर रहे हैं।

खबर एक नजर में

रांची जिले के थानों में पदस्थापित सभी बॉडीगार्ड हुए लाइन क्लोज, आदेश जारी

रांची। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने विभिन्न थानों में इंस्पेक्टर और थानेदारों के पास पदस्थापित बॉडीगार्ड को लाइन क्लोज कर दिया है। अब उन बॉडीगार्ड को नये सिरे से पदस्थापित किया जायेगा। जिन बॉडीगार्ड को लाइन क्लोज किया गया है वह एक ही स्थान में वर्षों से पदस्थापित थे। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सभी बॉडीगार्ड 24 घंटे के भीतर पुलिस लाइन में योगदान देना सुनिश्ति करें। आदेश जारी होने के बाद कई थानों में पदस्थापित बॉडीगार्ड ने पुलिस लाइन में अपना योगदान भी दे दिया है।

एक्सट्रीम बार मर्डर केस के बाद आदेश : रांची के एक्सट्रीम बार में हुई गोलीबारी और डीजे संदीप की हत्या के बाद यह जानकारी बाहर आई थी कि चुटिया थाना प्रभारी ने अपने बॉडीगार्ड को ही मामले की जांच के लिए भेजा था। वह खुद मौके पर नहीं पहुंचे जिसकी वजह से इतनी बड़ी वारदात हो गई। पूरे मामले में चुटिया पुलिस की अनुशासनहीनता सामने आई थी। इस कांड के बाद यह निर्णय लिया गया कि सभी थानों में पदस्थापित बॉडीगार्ड को लाइन क्लोज किया जाएगा और फिर उन्हें नए सिरे से अलग-अलग थानों में पदस्थापित किया जाएगा।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जेसीआई यूथ ने चलाया जागरूकता अभियान

रांची। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जेसीआई यूथ रांची ने सर्जना चौक मेन रोड मे तंबाकू के दुष्परिणामो को लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम मे जेसीआई यूथ की अध्यक्ष ने बताया कि तंबाकू की लत से परेशान लोगो की संख्या बढ़ रही है। तंबाकू से कैंसर सहित गंभीर बीमारियॉ होती है। तंबाकू नुकसानदेह है इसके बावजूद धूम्रपान करनेवालों की बढ़ती संख्या चिंताजनक है। कार्यक्रम मे भारी संख्या मे कॉलेज के छात्रों और लोगो ने हिस्सा लेकर तंबाकू सेवन ना करेंगे और ना किसी को करने के लिया प्रोत्साहित करने के लिए शपथ ली। उन्होंने बताया कि तंबाकू सार्वजनिक स्वास्थ्य मे सबसे बड़े खतरे के रूप में सामने आ रहा है। दुनिया भर में बड़ी संख्या मे लोगो की मौत का कारण उत्पादों किसी न किसी रूप में सेवन करना है। इस मौके पर सोनल अग्रवाल,मोनिका गोयनका, गुणीत सिंह व अन्य सदस्य मौजूद थे।

सिंह मोड़ इलाके के जेन नेक्स्ट डेंटल लाउन्ज में लगी आग

रांची। राजधानी रांची के सिंह मोड़ इलाके के जेन नेक्स्ट डेंटल लाउन्ज में आग लग गई। आग लगने से अफरा तफरी का माहौल हो गया। स्थानीय लोगों ने इस मामले की जानकारी पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी। आशंका जतायी जा रही है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी। फायर बिग्रेड की टीम दो घंटे तक कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आगजनी में कितना नुकसान हुआ है, इसका आकलन नहीं किया गया है।

गोल के नये सत्र के छात्रों ने जाना नीट मे सफलता का रहस्य

रांची। गोल इंस्टीट्यूट के संस्थापक बिपिन सिंह ने मेडिकल की तैयारी कर रहे छात्रों को चरणबद्ध तरीके से क्लास टेस्ट एवं डिस्कशन के माध्यम से बेहतर तैयारी एवं भविष्य में रैंकर्स के रूप में सफल होने के लिये गूढ़ रहस्यों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बिहार झारखंड के छात्रों में प्रतिभा की कमी नहीं बल्कि उन्हें सही दिशा निर्देश के साथ मार्गदर्शित करने की जरूरत है । उन्होंने अब तक के बहुत सारे अति साधारण छात्रों के असाधारण सफलता एवं बड़े चिकित्सक बनकर सेवाए दे रहे गोल के सफल छात्रों से भी अवगत कराया। उन्होंने ये भी बताया कि गोल के बहुत सारे छात्रों को सरकारी मेडिकल कॉलेज के संभावनाओं के साथ ही सात सौ अंको को पार करने वाले अनेकों छात्रों की सफलता की उम्मीद जताई । उन्होंने मेडिकल की तैयारी कर रहे छात्रों को गोल के इस परंपरा को कायम रखने के लिये जबाबदेहियो एवं जिम्मेदारियों से भी अवगत कराया। इस मौके पर संस्थान के अभिषेक कुमार, काली प्रसाद सिंह मौजूद थे।

मारवाड़ी महिला सममेलन ने सेवा सदन में रक्तदान शिविर लगाया

रांची। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन ने शुक्रवार को रक्तदान शिविर लगाया गया । मौके पर मारवाड़ी महिला सम्मेलन की शाखा अध्यक्ष मधु सर्राफ ने ब्लड बैंक की हेड डॉक्टर शिखा प्रिया को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे शाखा अध्यक्ष मधु सर्राफ, शाखा सचिव उर्मिला पाड़िया, प्रीति बंका, प्रीति पोद्दार, छाया अग्रवाल, संगीता गोयल, स्वर्णा लता जैन, प्रीति अग्रवाल, सरिता अग्रवाल,उषा सोंथालिया, सीमा पोद्दार, रेनू राजगढ़िया, मुक्ति अग्रवाल, प्रीति फोगला ने सहयोग दिया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी रीना सुरेखा ने दी।

खादी बोर्ड के प्रबंधक विभूति कुमार राय 40 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत

रांची। झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, रांची में प्रबंधक के पद पर पदस्थापित विभूति कुमार राय शुक्रवार को चालीस वर्ष की सेवा देने के बाद सेवानिवृत हो गये। इस मौके पर उनके सम्मान में विदायी समारोह का आयोजन किया गया। उन्हें पौधा भेंट किया गया। इस मौके पर बोर्ड की मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी सुमन पाठक भी मौजूद थीं। विभूति कुमार राय ने 1984 में खादी बोर्ड में योगदान दिया था। वह 33 वर्ष जमशेदपुर और सात वर्ष रांची में पदस्थापित रहे थे। बिक्रीकार के तौर पर उन्होंने खादी बोर्ड में अपना योगदान दिया था। 40 वर्षों के दौरान वह दिल्ली, लखनऊ, देवघर और बोकारो के अतिरिक्त प्रभार में भी रहे।

जिसे परिजन बता रहे थे लापता, वो मिला चुटिया थाना के हाजत में बंद

चार दिनों से पूछताछ को उठाया था चुटिया पुलिस ने

परिजनों को हुई इनकांउटर की आशंका, सिवान का रहनेवाला है अनीश

अभिषेक के साले को पुलिस वाहन चोरी के आरोप में भेजा जेल

दूसरी ओर अभिषेक सिंह उर्फ विक्की के साले राहुल कुमार को तुपुदाना ओपी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। राहुल पर चोरी की कार इस्तेमाल करने का आरोप है। तुपुदाना ओपी पुलिस के मुताबिक, राहुल वाहन चोरी गिरोह का सरगना है। पुलिस ने उसके पास से चोरी की एक कार बरामद की है। बताया जाता है कि राहुल कुमार वाहन चोर गिरोह का सरगना है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में छानबीन कर रही है।

कुबेर सिंह

रांची। जिसे परिजन लापता बता रहे थे। वह चुटिया थाना हाजत में बंद था। लापता व्यक्ति का नाम अनीश है, वह मूल रूप से सिवान का रहनेवाला है। कॉल डिटेल्स में अनीश को अभिषेक सिंह उर्फ विक्की के फोन पर बात करते हुए कि रिकॉर्डिंग हैं, जो मर्डर के बाद का है। पुलिस उसे चार दिनों से लॉकअप में रखे हुए थी। जब परिजनों ने अनीश से संपर्क करने की कोशिश की तो फोन स्वीच ऑफ बता रहा था। इसके बाद परिजन सिवान से रांची आये और अधिवक्ता से संपर्क साधा। जब परिजन चुटिया थाना गये तो पता चला कि अनीश सलाखों के पीछे बंद है। पुलिस ने अनीश समेत दो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

वीडियो फुटेज में दिखे ग्राहक भी, पुलिस ने भेजा जेल : इधर, चुटिया थाना पुलिस ने एक्सट्रीम बार में हुई मारपीट से पूर्व सीसीटीवी फुटेज में ग्राहक भी खाना खाने के लिये गये थे। पुलिस ने उनलोगों को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जेल भेज रही है। जेल भेजे गये लोगों के परिजनों का कहना है कि पुलिस निष्पक्ष जांच करे तो समझा जा सकता है, लेकिन पुलिस वैसे लोगों को भी गिरफ्तार कर जेल भेज रही है, जिनका न तो मारपीट से संबंध है और न ही डीजे संदीप प्रमाणिक उर्फ सैंडी की हत्या से कोई मतलब है।

स्पीड न्यूज

छात्र आजसू ने कुलपति को समस्याओं से करवाया अवगत

रांची। शुक्रवार को अखिल झारखंड छात्र संघ का प्रतिनिधिमंडल ने रांची विश्वविद्यालय के अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला के नेतृत्व में कुलपति अजीत कुमार सिन्हा से मुलाकात कर उन्हें छात्र छात्राओं की परेशानियों से अवगत कराते हुये मांग पत्र सौंपा। अभिषेक शुक्ला ने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं को फॉर्म भरते समय विभिन्न विभिन्न प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। छात्र छात्रायें सर्वर खराब होने की वजह से वह फॉर्म नहीं भर पाते है, पेमेंट होने के 48 घंटे बाद भी पेमेंट प्रोसेस पेंडिंग रहता है। इस वजह से कई छात्र.छात्राएं दोबारा पेमेंट करते हैं। फिर उन्हें पैसे वापस लेने के लिए विश्वविद्यालय के चक्कर काटने पड़ते हैं। वहीं फॉर्म भरने के लिए विश्वविद्यालय के आउटसोर्सिंग कंपनी एनसीसीएफ द्वारा यूपीआई मोड की व्यवस्था नहीं है। वही, विश्वविद्यालय से छात्र-छात्राओं को माइग्रेशन, डिग्री एप्रोविजनल एडीएलसी-सीएलसी निकालने के लिये विश्वविद्यालय का कई दिनों तक चक्कर काटना पड़ता है। डीएलसी-सीएलसी माइग्रेशन प्रोविजनल डिग्री अप्लाई करने के लिये विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन व्यवस्था की जाये। कुलपति ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया की जल्द ही इन सभी समस्याओं का समाधान कर दिया जायेगा। प्रतिनिधि मंडल में अकाश नयन, विशाल कुमार यादव, सुमित कुमार, रोशन नायक, शशि अंकित कुमार, आदित्य कुमार के अलावा कई अन्य सदस्य मौजूद थे।

बोकारो उपायुक्त के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंची भाजपा

रांची। भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल न्यायिक मामले के प्रमुख सुधीर श्रीवास्तव के नेतृत्व मे चुनाव आयोग पहुंच कर बोकारो उपायुक्त को मतगणना से पहले हटाने के लिये ज्ञापन सौंपा। सुधीर श्रीवास्तव ने बताया कि गिरिडीह लोक सभा मे चुनाव 25 मई 24 को शाम 5 बजे समाप्त हो गया। चुनाव समाप्ति के दो दिन बाद यानी 27 मई24 सोमवार को बोकारो उपायुक्त के निर्देश पर बेरमो के वैसे मतदाता जो बोकारो के सुविधा केंद्रो पर प्रपत्र 12 के आलोक मे मतदान नहीं कर पाये उनके लिए बोकारो उपायुक्त द्वारा सोमवार 27 मई 24 को छूटे हुए मतदान कर्मी के अनुरोध पर पोस्टल वैलेट से मतदान की व्यवस्था कराई गयी थी। इसके लिए बोकारो से दो मतदान पदाधिकारी, को ओर्डिनेटर व डीएमटी श्रवण कुमार झा को नियुक्त किया गया था। इस अवसर पर सत्यापन पदाधिकारी सह सुविधा केंद्र के नोडल पदाधिकारी सह कार्यपालक दंडाधिकारी प्रवीण कुमार के अगुवाई मे मतदान कराया गया। प्रतिनिधिमंडल मे न्यायिक मामलों के प्रमुख सुधीर श्रीवास्तव, प्रवक्ता अविनेश कुमार सिंह, सह प्रमुख प्रकाश झा शामिल थे।

पहली बार कोई आम चुनाव इतने लंबे समय तक चला

रांची। जेएमएम के महासचिव सुप्रियो भप्ताचार्य ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की.। उन्होंने चुनाव आयोग और बीजेपी पर निशाना साधा है। साथ ही कहा कि एक जून को देश में आखिरी चरण का मतदान होना है। उन्होंने चुनाव आयोग को घेरते हुए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोला है। सुप्रियो ने कहा कि भारत के इतिहास में यह पहली बार है कि कोई आम चुनाव इतने लंबे समय तक चला। उन्होंने बताया कि 2024 का आम चुनाव पूरे 82 दिनों तक चला। बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव को लंबा खींचने का मकसद सिर्फ लोगों के बीच नफरत फैलाकर लोगों को बांटना है। बीजेपी के स्टार प्रचारकों द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा शर्मनाक है। जनता वोट देकर इसका करारा जवाब देगी।

ज्योति संगम श्री दुर्गा मंदिर का 20वाँ वार्षिकोत्सव मनाया गया

रांची। ज्योति संगम श्री दुर्गा मंदिर अपर बाजार का 20वाँ वार्षिक उत्सव शुक्रवार को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। प्रातः 9 बजे से मंदिर में विशेष पूजा एवं हवन हुआ। दोपहर 1 बजे से मारवाड़ी उच्च विद्यालय में महाभंडारा का आयोजन किया गया। जिसमे लगभग 10,000 हजार भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया । संध्या 7 बजे से ज्योति संगम चौक स्तिथ दुर्गा मंदिर के समक्ष बनारस के गंगा आरती के तर्ज.पर माँ दुर्गा की महाआरती कि गई जिसमे भारी संख्या में भक्त मौजूद थे ।

फेफड़ों के कैंसर का मुख्य कारण हैं तंबाकू : कविता खाती

रांची । झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा माननीय सुजित नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश तथा न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष डालसा दिवाकर पांडे के मार्गदर्शन में शुक्रवार को सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा डालसा की एक टीम गठित कर रिनपास, कांके में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर डालसा के पैनल अधिवक्ता, कविता खाती ने कहा कि इस दिवस का उद्देश्य धूम्रपान के सेवन से होने वाली हानियों और खतरों से विश्व जनमत को अवगत कराके इसके उत्पाद एवं सेवन न करने की दिशा में विश्व को आगे बढ़ाना है। मौके पर पीएन सिंह ने तम्बाकू के दुष्प्रभाव के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला, कहा कि तम्बाकू के सेवन से फेफड़ों के कैंसर का मुख्य कारण तंबाकू को ही माना जाता है, लिवर कैंसर के कारण भारत में हजारों लोग अपनी जान गंवाते हैं।

बैंक ऑफ इंडिया की 666 दिन की आकर्षक रिटर्न वाली सावधि जमा का शुभारंभ

रांची। भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंकों में एक, बैंक ऑफ इंडिया ने 666 दिन चैम्पियन फिक्स्ड डिपॉजिट लॉन्च किया है, जो 2.00 करोड़ रुपये से कम की जमा राशियों पर 666 दिनों के लिए अति वरिष्ठ नागरिकों को 7.95% प्रति वर्ष तक की अत्यंत आकर्षक व्याज दर प्रदान कर रहा है। इस 666 दिन सावधि जमा पर वरिष्ठ नागरिकों को 7.80% प्रति वर्ष मिलेगा एवं अन्य को 7.30% प्रति वर्ष तक का उच्चतम व्याज मिलेगा। सभी नागरिक बैंक ऑफ इंडिया की 666 दिन - चैम्पियन फिक्स्ड डिपॉजिट₹ खाता खोलकर इस आकर्षक निवेश के अवसर का लाभ उठा सकते हैं। 2.00 करोड़ रुपये से कम की जमा राशि के लिए इच्छुक खुदरा ग्राहकों के लिए यह सावधि जमा, आकर्षक ब्याज के साथ बैंक की सर्वश्रेष्ठ वित्तीय उत्पाद प्रदान करने की प्रतिबद्धता को और भी मजबूत करता है। संशोधित व्याज दरें रुपये में घरेलू, एनआरओ और एनआरई सावधि जमा के लिए लागू हैं जो 1 जून 24 से प्रभावी हैं।

नर्सिंग का सत्र विलंब होने के मसले में छात्रों ने कुलपति का किया घेराव

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रांची विवि अंतर्गत नर्सिंग के बेसिक बीएससी सत्र 2022-26 एवं पोस्ट बेसिक सत्र 2022-24 के छात्राओं ने छात्र नेता कुमार रौशन के नेतृत्व में सेशन में हो रहे विलंब के मुद्दे पर जल्द से जल्द परीक्षा कराने की मांग को लेकर रांची विश्वविद्यालय के कुलपति कक्ष के समक्ष प्रदर्शन करते हुए धरना दिया। विदित हो कि नर्सिंग के सत्र 2022-26 एवं 2022-24 के दो साल बीत जाने के बाद भी अब तक किसी भी वर्ष की परीक्षा नहीं ली गई है। जिस कारण सेशन बहुत ही लेट चल रहा है। इतना ही नहीं दो वर्ष बीत जाने के बाद भी अब तक प्रथम वर्ष की भी परीक्षा नहीं ली गई है।

जबरन चैंबर में घुसी छात्राएं

काफी देर बाद भी जब कुलपति से मुलाकात नहीं हो पाने के बाद छात्राएं उग्र हो गई एवं जबरन कुलपति कक्ष में घुस गई एवं हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान कुलपति कक्ष में मौजूद सुरक्षाकर्मी से छात्राओं की बहस हो गई। मामला उग्र होता देख कुलपति बैठक छोड़कर कुलपति कक्ष में आए एवं छात्रों को समझा बूझकर वार्ता के लिए तैयार किया।

परीक्षा नियंत्रक को कुलपति ने किया तलब

मामले की गंभीरता को देखते हुए परीक्षा नियंत्रक को तुरंत कुलपति कक्ष में बुलाया गया। इसके पश्चात वार्ता का दौर शुरू हुआ। वार्ता के दौरान कुलपति एवं परीक्षा नियंत्रक ने कहा की प्राइवेट नर्सिंग कॉलेज ने नियम विरुद्ध जाकर नामांकन किया है।
इस कारण अब तक उनका रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाया है, जिस कारण 2 वर्ष से परीक्षा नहीं हो सकी है ।

कुलपति ने सभी नर्सिंग कॉलेज की आपात बैठक मंगलवार को बुलाई

इस मुद्दे पर समाधान के लिए कुलपति ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी नर्सिंग कॉलेज के प्रतिनिधियों के साथ मंगलवार को बैठक बुलाई है, जिसमें जल्द से जल्द रजिस्ट्रेशन पूर्ण कर जल्द परीक्षा लेने हेतु कार्रवाई की जाएगी।
मौके पर छात्र नेता कुमार रोशन ने रांची विश्वविद्यालय प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि इस मसले को जल्द से जल्द सुलझा कर छात्राओं की परीक्षा संपन्न करें अन्यथा चरणबद्ध आंदोलन को तैयार रहे। इस अवसर पर मुख्य रूप से यूथ कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष कुमार रौशन,नेहा कुमारी, अंजली शर्मा, सहित दर्जनों छात्राएं मौजूद रही ।

उपायुक्त ने गणेश लाल अग्रवाल कॉलेज में मतगणना को लेकर की बैठक

चार जून को 8 बजे से शुरू होगी मतगणना

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन ने पलामू संसदीय क्षेत्र की मतगणना को लेकर शुक्रवार को बैठक की। उपायुक्त कार्यालय कक्ष में आयोजित इस बैठक में निर्दलीय प्रत्याशी गणेश रवि व विभिन्न राजनीतिक दलों के निर्वाचन अभिकर्ता शामिल थे।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी शशि रंजन ने सभी को निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मतगणना की गाइडलाइन के विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मतों की गिनती विधानसभा वार होगी। पलामू संसदीय क्षेत्र अंतर्गत कुल 6 विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना हेतु कुल 124 टेबल बनाये गये हैं। वहीं पोस्टल बैलट के माध्यम से प्राप्त मतों की गणना हेतु 28 टेबल बनाये गये हैं। उन्होंने कहा कि प्रातः 8 बजे से काउंटिंग प्रक्रिया की शुरूआत होगी जिसमें सबसे पहले पोस्टल बैलेट के माध्यम से प्राप्त मतों की गणना की जाएगी इसके पश्चात कंट्रोल यूनिट से प्राप्त मतों की गिनती की जायेगी।

मतगणना स्थल पर गणेश लाल अग्रवाल कॉलेज में कर्मियों व एजेंट के आने-जाने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मतगणना स्थल पर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित रहेंगे। बैठक में अपर समाहर्ता व उप निर्वाचन पदाधिकारी उपस्थित थे।

मतगणना के गाइडलाइन की विस्तार से जानकारी देते डीसी शशि रंजन।

मतगणना स्थल पर अनावश्यक भीड़ से बचें : उपायुक्त

बैठक में उपायुक्त रंजन ने कहा कि जिले में भीषण गर्मी पड़ रही है। ऐसे में आमजन मतगणना स्थल पर आवश्यक भीड़ से बचें। उन्होंने निर्वाचन अभिकर्ता से अपने साथ गर्मी से बचाव हेतु गिला तौलिया रखने पर बल दिया। उन्होंने सभी से प्रयाप्त मात्रा में अपने साथ पेय पदार्थ रखने की भी बात कही।

भगवान महावीर मेडिका सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, रांची ने मनाया श्रेष्ठता और सफलता के 10 वर्ष पूरे करने का उत्सव

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। भगवान महावीर मेडिका सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल ने अपनी उत्कृष्ट सेवा, समर्पण, श्रेष्ठता और सफलता के 10 वर्ष पूरे करने का गौरवपूर्ण उत्सव मनाया। इस विशेष अवसर पर डॉक्टर्स, जैन समाज के समाजसेवी और गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। समारोह का उद्घाटन दीप प्रज्वलन द्वारा हुआ। अतिथियों का स्वागत करते हुए क्रिटिकल केयर हेड डॉ. विजय मिश्र ने कहा कि मेडिका हॉस्पिटल जटिल रोगों और अन्य रोगों के सफल इलाज में झारखंड में अग्रणी है, कुशल चिकित्सकों, उन्नत तकनीक और गुणवत्ता में लगातार बढ़ोतरी ने मेडिका को श्रेष्ठ हॉस्पिटल बनाया है। इस अवसर पर जैन समाज के पद्म छाबड़ा, विनय सरावगी, डॉ. आशुतोष ठाकुर, डॉ. योगेश जैन, डॉ. अनिंद्या अनुराधा, डॉ. दीपक चंद्र प्रकाश, ने अपने उदगार व्यक्त किया। वक्ताओं ने कहा कि अस्पताल ने विगत दस वर्षों में झारखंड और आसपास के क्षेत्रों में उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की हैं और कैसे वे भविष्य में और अधिक सेवाओं और सुविधाओं का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं। समारोह का संचालन ब्रांड, मीडिया और इवेंट्स हेड भारती ओझा ने किया। इस अवसर पर एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें सभी विभागों के सहयोगियों ने शानदार प्रस्तुतियां दी। आयोजन को सफल बनाने में डॉ. गणेश कुमार, डॉ. आशुतोष ठाकुर, डॉ. दीपक चंद्र प्रकाश, डॉ. रोहित सेंगर, डॉ. अनिंद्या अनुराधा, डॉ.अंजना गांधी, डॉ. वीके जैन, वीपी सोमा चक्रवर्ती, जीएम मनीष गुरुदत्त, मार्केटिंग हेड मानस लाभ, एचआर हेड पिउली बनर्जी, आईटी हेड सुहैल कैसर, फाइनेंस हेड नीरज कुमार, ब्रांड और मीडिया हेड भारती ओझा की भूमिका सराहनीय रहीं।

उंटारी में नल जल योजना का कार्य है अधूरा, संवेदक की मनमानी से पानी के लिए तरस रहे है लोग

उंटारी रोड। जिले के उंटारी रोड प्रखंड क्षेत्र के छः पंचायतों में जल नल योजना का क्रियान्वयन बेहतर ढंग से नहीं होने की वजह से ग्रामीणों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। संवेदक की मनमानी कार्य के चलते लोग बूंद बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं स्थिति यह है कि सभी ग्राम पंचायतों में योजना का कार्य आधा अधूरा किया गया है। कही पाइप बिछा कर छोड़ दिया गया है तो कहीं टंकी के निर्माण में भी अनियमितता बरती गई है। जिससे इलाके के लोगो में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। भीषण गर्मी की वजह से कुआं व चापानल का जल स्तर नीचे चल गया है। लोगो का कहना है कि संवेदक द्वारा गुणवतापूर्ण कार्य नही किया जा रहा है केवल घटिया सामग्री लगाकर खानापूर्ति की जा रही है। कई जगहों पर बोर में पानी नही होने के बावजूद भी वहां पर टंकी लगा दिया गया। लोगों का शिकायत है कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे जल नल योजना के नाम पर लूट मचा हुआ है।

नशा सेवन से होता है आर्थिक, शारीरिक और सामाजिक क्षति : डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी

खबर मन्त्र संवाददाता

विश्रामपुर (पलामू)। बिश्रामपुर के नावाडीह कला स्थित, लक्ष्मी चंद्रवंशी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में शुक्रवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर नशा मुक्त भारत अभियान के तहत कई कार्यक्रम आयोजित किया गया। मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल द्वारा कई स्थानों पर एक साथ जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में मेडिकल कॉलेज कर्मी व छात्र छात्रा अपने हाथों में नशा छोड़ो परिवार जोड़ो, टीबी-कैंसर मौत की सीढ़ी,बंद करो ये गुटका-बीड़ी जैसे नारे लिखी तख्तियां में शामिल हुए थे। इसके अलावा नशा मुक्ति पर विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। जिसका उदघाटन आरसीयू के कुलाधिपति डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने किया। मौके पर चंद्रवंशी ने कहा कि नशा सेवन से परिवार और समाज में बिखराव होता है। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को डॉ ईश्वर द्वारा पुरष्कृत किया गया। मौके पर प्रिंसिपल डॉ विवेक कश्यप, डॉ विजय कुमार, डॉ सुभाष तेतरवे, पांडेय रविभूषण, डॉ हरी भूषण प्रसाद, डॉ अरिहंधम गोश, डॉ राजेश जय प्रकाश, डॉ हरिमोहन प्रसाद सिन्हा, डॉ मनीष कुमार मुंडा, डॉ ओपी श्रीवास्तव, डॉ के के सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

पलामू सेंट्रल जेल के कैदी की इलाज के दौरान मौत

मेदिनीनगर। पलामू सेंट्रल जेल में एक विचाराधीन कैदी की मौत ईलाज के दौरान मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज में हो गई। मृतक कैदी संजय शर्मा पलामू जिले के हैदरनगर थाना क्षेत्र के रहनेवाला था। वह विगत वर्ष 2017 से जेल में बंद है। इसकी तबियत सेंट्रल जेल में ही गुरूवार की रात में अचानक बिगड़ गया। उसे बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। इस संबंध में जेल अधीक्षक भागीरथी कारजी ने बताया कि संजय शर्मा मानसिक रूप से कमजोर था। उसका इलाज मानसिक अस्पताल में चल रहा था। पूर्व में भी इसकी तबियत खराब हुई थी इलाज के बाद सेंट्रल जेल लाया गया था। उन्होंने कहा कि मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया जायेगा। इसकी सूचना मृतक के परिजन को दे दी गई है।

उपायुक्त के निर्देश पर अवैध परिवहन के खिलाफ चलाया गया अभियान

मेदिनीनगर। उपायुक्त शशि रंजन के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी जितेंद्र कुमार के द्वारा अवैध परिवहन को लेकर गुरुवार देर रात वाहनों का सघन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान कुल 4 वाहनों को जब्त किया गया जिसे पड़वा थाना एवं टीओपी-2 थाना परिसर में जब्त कर रखा गया। इस संबंध में डीटीओ द्वारा बताया गया कि यह अभियान व्यवसायिक वाहन के खिलाफ निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने सभी वाहन संचालकों से सभी आवश्यक कागजात के साथ ही वाहनों के मूवमेंट पर बल दिया। इस अभियान में कार्यालय कर्मी मौजूद थे।

अमवा खुर्द में मनरेगा योजना में फर्जीवाड़ा, बिना काम कराये भुगतान

- आधा दर्जन सड़क निर्माण में पकड़ी गई धांधली, डीसी से किया जांच की मांग
- सूचना अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई सूचना के बाद मामला हुआ उजागर

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर/नीलांबर पीतांबरपुर। पलामू जिले के नीलांबर-पितांबरपुर (लेस्लीगंज) प्रखंड क्षेत्र के जामुनडीह पंचायत अंतर्गत अमवा खुर्द गांव में बगैर काम कराए मनरेगा योजना में लाखों रुपए की फर्जी निकासी किए जाने का मामला प्रकाश आया है। बगैर सड़क निर्माण कराए ही 4 लाख 35 हजार दो सौ रुपए की फर्जी निकासी किया गया है। इस मामले को लेकर गांव के ग्रामीणों ने पलामू उपायुक्त शशि रंजन, डीडीसी और मनरेगा लोकपाल से शिकायत कर मामले की जांच कर दोषी लोगों पर कार्रवाई करने की मांग किया है। आधा दर्जन से अधिक मनरेगा योजना के तहत सड़क निर्माण में फर्जी भुगतान किया गया है। इस फर्जी भुगतान में तत्कालीन मुखिया नीरा देवी, तत्कालीन रोजगार सेवक रेणु कुमारी, तत्कालीन पंचायत सेवक विनय शर्मा समेत मनरेगा कर्मी शामिल हैं। यह मामला सूचना अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई सूचना के बाद उजागर हुआ है। जानकारी के अनुसार अमवा खुर्द गांव निवासी संतू भुइयां सूचना अधिकार अधिनियम के तहत सूचना मांगा था। प्रखंड कार्यालय द्वारा सूचना मिलने के बाद यह मामला उजागर हुआ। संतु भुइयां ने बताया कि उनके द्वारा मांगे गए सूचना के बाद पता चला कि मनरेगा योजना के तहत सड़क निर्माण में फजीर्वाड़ा किया गया है। संतु भुइयां ने बताया कि प्रखंड कार्यालय द्वारा उन्हें जो सूचना मिला है उसमें अमवा खुर्द गांव में गुलाबी साव के घर से नदी तक मनरेगा योजना के तहत मिट्टी मोरम पथ निर्माण होने की बात कहीं गई है। साथ ही मिट्टी मोरम पथ निर्माण में 1 लाख 4 हजार 737 रुपए का भुगतान भी किया गया है। सड़क निर्माण का मेठ अनिता देवी हैं। उन्होंने बताया कि जिस सड़क निर्माण का भुगतान किया गया है, उसमें कभी काम नहीं हुआ है। गांव के संतू भुईयां के आलवे कालो राम, सुरेंद्र भुईयां, मरछू भुईयां, बाबुलाल भुईयां, खेलावन राम, मिना देवी, श्रीकांत राम, आशीष कुमार, बनवारी भुईयां, हरिहर भुईयां, दिपक भुईयां, समुद्री देवी, मंजू राम, राजेंद्र राम, चितरंजन कुमार राम, मुकेश कुमार, अजय कुमार, राम किशुन भुइयां, मंजू देवी आदि ग्रामीणों ने बताया कि गुलाबी साव के घर से नदी तक मिट्टी मोरम पथ निर्माण में फजीर्वाड़ा किया गया है। यह सड़क पहले से ग्रेड वन बना हुआ है। वर्ष 2020-2021 में इस सड़क में काम नहीं हुआ है।

मुरारी तिवारी पर चली गोली, बाल-बाल बचे

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र के रेड़मा निवासी मुरारी तिवारी 72 वर्ष अपने घर से स्कूटी पर सवार होकर दूध लेने निकले थे। जिनका एक व्यक्ति घर से ही रेकी कर रहा था। वे दूध लेकर जैसे ही घर लौट रहे थे कि बीच रास्ते में घात लगाये दो अपराधी मोटरसाइकिल से उनके करीब पहुंचा और पता पूछने लगा। इसी बीच एक अपराधी बाइक से उतर कर मुरारी तिवारी पर पिस्टल तान दिया। यह देख वे हक्का बक्का रह गये। लेकिन अपने सूझबूझ से काम लेते हुए दिलेरी के साथ उस व्यक्ति को धक्का मारकर गिरा दिये। इसके बाद वे भागने का प्रयास किये लेकिन गिरा हुआ अपराधी उठकर पुनः पिछा करते हुए गोली चलाने का प्रयास किया लेकिन गोली नहीं चल पाया। इसके बाद तिवारी ने हल्ला मचाना शुरू किया तो मुहल्ले व घरवाले निकलकर देखा तो रेकी करनेवाले व्यक्ति को लोगों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। इस संबंध में शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि रेकी कर रहे व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। जबकि इसके दो साथी फरार हैं। फरार अपराधियों की सत्यापन कर गिरफ्तारी की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि गोली चालन की घटना क्यों घटी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है।

लायंस क्लब द्वारा जगह जगह प्याऊ खोलना सराहनीय पहल : एसपी रीष्मा रमेसन

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर। लायंस क्लब ऑफ मेदिनीनगर के द्वारा तपती 48 डिग्री की गर्मी में ट्रैफिक चौक चौराहा एवं पेट्रोलिंग जैसे मुश्किल ड्यूटी को तत्परता से निभा रहे पुलिसकर्मियों के साथ प्यास से भटकने वाले पक्षियों एवं पशुओं को पानी पीने के लिए जगह-जगह पर प्याऊ खोला गया है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता लायनेस लिली मिश्रा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस कप्तान रीष्मा रमेसन ने किया। एसपी रमेशन ने लायंस क्लब के इस पहल की सराहना की। उन्होंने इस नेक कार्य में क्लब को हर संभव सहयोग का भी आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस भीषण गर्मी में लायंस क्लब द्वारा प्याउ खोलकर प्यासे को पानी पिलाना सामाजिक व पुनित कार्य है। इस तरह का कार्य हर समृद्ध लोगों को करने की जरूरत है। लायंस गुरवीर ने कहा कि मानव अपनी प्यास बुझाने की व्यवस्था थोड़ा प्रयास कर अलग-अलग विकल्प से कर भी पाते हैं लेकिन पशु पक्षी ना बोल पाते ना कुछ कर पाते हैं। ऐसे में पूरी टीम के साथ सभी चौक चौराहा, सब थाना, पुलिस लाइन में घूम-घूम कर जलजीरा लस्सी एवं पानी का बोतल के साथ पक्षियों को पानी पीने के लिए मिट्टी का हैंगिंग गमला एवं पशुओं के लिए सीमेंटेड बड़ा गमला वितरित करने का काम किया है। जिसके लिए एसपी रीष्मा रमेसन ने इस पहल को काफी सराहा। उन्होंने इस कार्य में सहयोग करने की बात कही। लायंस प्रियंका आनंद साहू ने बताया कि आजकल घर बड़ी बिल्डिंग तो बन रही है लेकिन पशु पक्षी के लिए कोई आसरा हो ऐसा विकल्प नहीं दिया जा रहा है। लायंस परिमल प्रसून इस सेवा की पूरी तैयारी को संभालते हुए गौरैया के लिए घोसला बनवाने की जिम्मेदारी अपने हाथों लिया। मुकेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि सेवा को और विस्तार करते हुए संध्याकालीन में बेलवाटीका निवासी थैलेसीमिया पेसेंट को क्लब द्वारा दो यूनिट राघव खुराना एवं दिवाकर के द्वारा रक्तदान कर जीवन बचाने में मदद की।

पाटन सेमरी आंगनबाड़ी केंद्र-2 में नेहा कुमारी को पढ़ाते हुये वीडियो वायरल

- ग्रामीणों ने लगाया पैसा लेकर बहाली करने का आरोप
- पाटन सेमरी वन की सेविका एकता कुमारी को मिला है केंद्र का प्रभार

खबर मन्त्र संवाददाता

पाटन पलामू। पाटन प्रखंड के सेमरी आंगनबाड़ी केंद्र 2 में नेहा कुमारी को पढ़ाते वीडियो वायरल हुआ है। समेरी के ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधि के मीलीभगत से पैसे का लेन-देन कर सेमरी आंगनबाड़ी केंद्र 2 में नेहा कुमारी को बहाली करवाने का आश्वासन दिया गया है। साथ ही इन्हें केंद्र में बच्चों को पढ़ाने का भी निर्देश दे दिया गया। जिसके बाद नेहा कुमारी सेमरी आंगनबाड़ी केंद्र 2 में पढा रही थी इसी दौरान जब किसी ने पढ़ाते हुए बीडीओ वायरल कर दिया तो नेहा कुमारी ने पढ़ाना छोड़ दिया। मालूम हो कि सेमरी आंगनबाड़ी केंद्र 2 की सेविका फुलमती देवी का उम्र पुरा हो जाने बाद कुछ दिन पहले विभाग के द्वारा रिटायरमेंट कर दिया गया है। जिसके बाद उस केंद्र का प्रभार पाटन सेमरी वन की सेविका एकता कुमारी को दिया गया है। वहीं जब इस संबंध में नेहा कुमारी से पुछताछ किया गया तो उन्होंने बताया कि ऐसा कोई बात नहीं है। हम अपने बच्चों को केंद्र में छोड़ने के लिए जाते थे। जबकि नेहा कुमारी का कोई बच्चे का नाम उस केंद्र में नामांकित नहीं है। इससे प्रतीत होता है कि पढ़ाने का वायरल वीडियो सही है। पाटन बाल विकास विभाग के सुपरवाइजर सुनीता कुमारी से इस संबंध में पुछा गया तो उन्होंने बताया कि ऐसा कोई बात नहीं है। उन्होंने इन सभी बातों से इन्कार करते हुए मामले को खारिज कर दिया।

ग्राम वासियों ने रांची उपायुक्त से चार मांगो को लेकर मदद की गुहार लगाई

सीसीएल के विस्थापितों को दुल्ली गांव में बसाने की योजना का किया विरोध

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। सीसीएल के अधिकृत जमीन पर अवैध रूप से अथवा रैयतों के सीसीएल पॉलिसी के तहत दूसरे जगह लोगो को जमीन देकर गांव बसाने की योजना को दुल्ली ग्राम वासियों ने पुरजोर से विरोध किया। सीसीएल व खलारी अंचलाधिकारी के गठबंधन से सौंदर्य से हरा भरा जगलो अथवा पर्यटन क्षेत्र से भरा गांव दुल्ली में सीसीएल के द्वारा विस्थापितों को दुल्ली ग्राम में जमीन देकर बसाने की योजना को ग्राम सभा बैठक में विरोध किया। दुल्ली ग्राम वासियों बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान जगनू पहान व मायापुर मुखिया पुष्पा खालझो लपरा मुखिया पुतुल देवी व संचालन मुकेश यादव व प्रकाश यादव ने किया। बैठक सर्वधर्म स्थल दुल्ली प्रांगण में दुल्ली, हरहु, बसरिया, केदल, अम्बाटाँड़, सहेदा, लुकैया, लिंडा, बीर टाँड़ सहित अन्य गांवों से सैकड़ो की तादाद में महिला पुरुष व बच्चे मौजूद थे। सर्व ग्राम वासियों की बैठक में कड़े शब्दों में कहा गया कि सीसीएल का विस्थापित सीसीएल अपने जमीन पर बसाए, गांव की मिट्टी अथवा जंगलों से पटा, पर्यटन क्षेत्र को धूमिल नही करे। गैरमजूरवा जमीन पर दुल्ली ग्राम वासी वर्षो से खेती करते आ रहे है। उक्त जमीन पर सीसीएल व अंचलाधिकारी की गिद्ध निगाहो को बक्सा नहीं जाएगा। उक्त गैरमजरूआ जमीन पर दलमा' की तरह जंगली जानवरों का पार्क बनाकर इस क्षेत्र व पर्यटन का विकास करे।

राँची उपायुक्त से चार महत्वपूर्ण मांग कर मदद की गुहार लगाई

सीसीएल 70वर्षो से दुल्ली सहित अन्य गांवों में कोई विकास कार्य नही किया। जिसके चलते विस्थापितों के बसाने का पुरजोर विरोध होता रहेगा। दुल्ली ग्राम में मंदिर, मस्जिद, गिरजा, गुरुद्वारा अवस्थित है, जो पर्यटन के दृष्टि से मैकलुस्कीगंज में अहम स्थान रखता है। कुछ ही किलोमीटर पर नकटापछाड़ नामक प्रसिद्ध पहाड़ है जहाँ प्रति वर्ष हजारों की संख्या में पर्यटक आते रहते है। विस्थापित लोगो का बसाने की बात चल रही उक्त स्थान पर जंगली जानवरों का पार्क बनाकर क्षेत्र को विकसित किया जा सकता है। ग्राम सभा के ग्रामीणों की मुख्य मांग किया कि मंदिर मस्जिद सहित स्व नरेश चन्द्र बहरी के जमीन को लोग अवैध कागजात बनाकर कब्जा करने की कोशिश किया जा रहा है। साथ ही सरकार से मांग करते है कि इसका जाँच कर दोषियों के उपर कारवाई किया जाय। ग्रामीणों ने कहा मंदिर मस्जिद परिसर के अन्दर ही वह भूमि अवस्थित है जिस पर विस्थापितों को बसाने की योजना है। भविष्य में मंदिर मस्जिद पर लोगों की आस्था बढ़ेगी तो अन्य जरूरी निर्माण कार्यप्रणाली जो भविष्य की कल्पना है।

एक नजर में

प्रधान सहायक के सेवानिवृत्ति पर प्रखंड परिसर में विदाई सह सम्मान समारोह

खलारी। खलारी प्रखंड कार्यालय में प्रधान सहायक बहलु मुंडा को सेवानिवृत्ति के उपरांत विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार, अंचल अधिकारी प्रणव अम्बष्ट, बीपीओ विनय कुमार, मुखिया पुतुल देवी, तेजी किस्पोट्टा, पुष्पा खलखो, दीपमाला कुमारी, पारसनाथ उरांव, शिवरथ मुंडा, मलका मुंडा, सेवा उरांव, पंचायत समिति मुकेश भुइयां, सहित प्रखंड एवं अंचल के समस्त कर्मी उपस्थित थे। बहलु मुंडा ने लगभग 35 वर्षो की अटूट सेवा दी। सभी ने मुंडा जी को उनके कार्यकाल की सराहना की एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

मांडर। कंदरी स्थित भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन द्वारा संचालित भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में सत्र 2023-25 के बी० एड० एवं डी० एल० एड० के छात्र-छात्राओं ने पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन का समापन शुक्रवार को फ्रेवीक्राइल के प्रोजेक्ट मैनेजर डेजी सिन्हा के निर्देशन में किया गया। पाँच दिनों में छात्र-छात्राओं ने आर्ट एण्ड क्राफ्ट से संबंधित कई पेंटिंग कर उसका भरपुर लाभ उठाया। कॉलेज के शैक्षिणिक सचिव दीपाली पराशर ने कहा कि महाविद्यालय बहुउद्देशीय कार्यक्रम का आयोजन कर छात्र-छात्राओं के भविष्य बेहतर बनाने का हरसंभव प्रयास करता हूँ। इस आयोजन में डीन प्रार्चाय, विभागाध्यक्ष तथा व्याख्याता की सक्रिय भूमिका रही।

खलारी कोयलांचल में बढ़ते तापमान, भीषण और उमस भरी गर्मी से लोग परेशान

खलारी। खलारी कोयलांचल सहित आसपास के क्षेत्रों में बढ़ते तापमान और भीषण गर्मी के साथ लगातार चल रही हीट वेव से लोग परेशान है। शुक्रवार को खलारी क्षेत्र का तापमान 43 डिग्री रहा। सुबह सुर्य के निकलते ही तेज गर्मी का असर दिखने लगता है। वहीं दोपहर होते ही सड़कों पर सन्नाटा पसर जा रहा है। तेज धूप के साथ शुक्रवार को उमस भरी गर्मी रही। वहीं लोग तेज गर्मी से राहत पाने के लिए कूलर, एसी, पंखा का सहारा ले रहे हैं। लेकिन बिजली की आंखमिचौनी ने भी लोगों परेशान किया हुआ है। वहीं पड़ रही भीषण गर्मी से लोग बिमार भी हो रहे है। बढ़ते तापमान के कारण लोगों को लु लगने और डिहाईड्रेशन की समस्या हो रही है। साथ ही हीट वेव से बच्चे भी कई प्रकार के रोगों से बीमार पड रहे है। इस पर खलारी पीएचसी के चिकित्सक डॉ. इरशाद ने क्षेत्र के लोगो को हीट वेव एवं भीषण गर्मी से बचने की सलाह देते हुए कई आवश्यक बातों की जानकारी दी है। उन्होने बताया कि लोग गर्मी को देखते हुए अनावश्यक रूप से घर से बाहर नही निकले। सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक घर पर रहना लाभदायक होगा क्योंकि इस समय के दौरान भी तापमान में त्रीव वृद्धि होती है। उन्होने कहा कि जब भी घर से निकले तो हल्के रंग के ढीले-ढाले और सुती कपड़े पहने साथ ही सर को ढकने के लिए तौलिया, गमछे या सूती कपड़े का प्रयोग सहित गर्मी से बचाव में रहने के लिए कई जानकारी साझा किए। यह ध्यान रचाने वाली बात है कि इसके अलावा उन्होने लोगों से गर्मी से बचाव के लिए ओआरएस, सतु का घोल, कच्चे आम का शरबत, लस्सी, नारियल पानी का लगातार सेवन करना चाहिए। उन्होने बताया कि जब भी किसी को लगे की गला सुख रहा है तो ठंडी जगह पर जाए और ओआरएस घोल को दो से चार मिनट के बीच में पीते रहे। साथ ही षरीर को भीगे कपड़े से पोछें। वहीं डॉ. इरशाद ने कहा कि क्षेत्र में लोगों को किसी भी प्रकार की दिक्कत हो तो तत्काल अपने नजदीकी चिकित्सक से मिले। उन्होने भीषण गर्मी और हीट वेव से खास तौर पर बच्चों और बुजूर्गो का ख्याल रखने की भी बात कही। उन्होने बताया कि खलारी पीएचसी में ओआरएस उपलब्ध है अगर जिन्हे भी जरूरत हो वो पीएचसी आकर ले सकते है। वहीं डॉ. इरशाद ने अन्य सलाह देते हुए कहा कि जिस प्रकार तापमान में बढोतरी देखी जा रही है लोग अपनी बाइक, कार और अन्य वाहनों की ईंधन टंकी को फूल न रखे।

महाविद्यालय मांडर सभागार में विदाई समारोह आयोजित

मांडर। महाविद्यालय मांडर सभागार में शुक्रवार को विदाई समारोह आयोजित करके महाविद्यालय के बड़सर प्रोफेसर नाथू गाड़ी को विदाई दी गई। इस अवसर पर नाथू गाड़ी के कार्यकाल में की गई महाविद्यालय विभिन्न सेवाओं एवं कार्यो की सराहना की एवं उसे याद किया गया। प्राचार्य कुनूल कानदीर ने कहा कि नाथू गाड़ी जैसा एक ईमानदार एवं परिश्रमी बर्सर विद्यालय को मिला या सौभाग्य की बात है डॉ बुधु उरांव ने कहा कि नाथु गाड़ी अच्छे मित्र हैं उनसे काफी प्रेरणा मिलती है। मंच का संचालन और अनसेलम मिंज ने किया। नाथू गाड़ी ने कहा कि मांडर महाविद्यालय उनके दिल में है बसता और उनका शरीर यहां ले रहा है परंतु उनका हृदय हमेशा महाविद्यालय के लिए धड़कता रहेगा वहीं परिषद के कार्यकताओं ने भी उन्हें अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया एवं जिंदगी में नहीं पारी के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी नाथू गाड़ी ने कहा कि वह परिषद के साथ अंतिम सांस तक रहेंगे। मौके पर महाविद्यालय के केपी साही, गवा तिगा, निखिल सिंह उत्तम शाही, पवन कुमार, इंदिरा सिंह सहित सभी शिक्षक गण एवं शैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित थे।

विश्व में कोई भूखा न रहे मालाबार समूह की सराहनीय पहल

दुनिया के छठे सबसे बड़े ज्वेलरी ग्रुप मालाबार ने अपने सीएसआर कार्यक्रम 'भूख मुक्त दुनिया' के तहत कोलकाता के विभिन्न हिस्सों (रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अस्पताल) में भोजन के पैकेट वितरित किए। देश भर के जरूरतमंदों के लिए ह्यभूख-मुक्त विश्व' परियोजना के तहत, मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने जरूरतमंदों की सहायता के लिए शहर में 51 हजार पौष्टिक भोजन के पैकेट वितरित किए। आपको बता दें की भूख-मुक्त विश्व कार्यक्रम को गैर सरकारी संगठन 'थानाल-दया पुनर्वास ट्रस्ट' की मदद से क्रियान्वित किया जाता है। मालाबार समूह और थानाल के स्वयंसेवक सड़कों और शहरी उपनगरों में जरूरतमंद लोगों की पहचान करते हैं और उनके दरवाजे तक भोजन के पैकेट पहुँचाते हैं। मालाबार समूह ने अपने 'भूख-मुक्त विश्व' कार्यक्रम के तहत देश में प्रति दिन 51,000 पौष्टिक भोजन प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, और यह अपने लक्ष्य के करीब है। मालाबार ग्रुप झारखंड प्रदेश के राँची के इरबा, कामता, बुढ़िबागी और ऊपर कोणकी में लगभग 1700 पैकेट पौष्टिक भोजन वितरण के साथ-साथ ओडिशा और पश्चिम बंगाल सहित पूर्वी क्षेत्र में भी 5700 पैकेट भोजन वितरित किए। इसके अलावा मालाबार ग्रुप कई और और शहरों में भी इस मिशन का विस्तार करना चाहता है। मालाबार समूह के अध्यक्ष, एमपी अहमद बताते हैं कि ह्ववर्तमान में यह कार्यक्रम खाड़ी देशों के कुछ केंद्रों के अलावा, केंद्र शासित प्रदेशों सहित 16 राज्यों एवं कोलकाता सहित 37 शहरों में चल रहा है। आगे 16 राज्यों के 70 शहरों को कवर करने की योजना है। इसके अलावा, मालाबार ग्रुप अफ्रीकी देश जाम्बिया में स्कूली बच्चों के लिए भी यही कार्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है। वर्तमान में, महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के तहत लगभग 31,000 भोजन पैकेट वितरित किए गए हैं। बढ़ोतरी के तहत अब 51,000 पौष्टिक भोजन के पैकेट वितरित किए जाएंगे।

स्पीड न्यूज

दो दिवसीय मंडा पूजा झूलन के साथ संपन्न

मांडर। प्रखंड के पुनगी गांव में दो दिवसीय मंडा पूजा शुक्रवार को झूलन के साथ संपन्न हो गया। झूलन अनुष्ठान में भोक्ताओं ने मंडा खूंटा में झूलकर आस्था के फूल बरसाये। इस अवसर पर 12 पाड़हा जेठ जतरा का भी आयोजन किया गया था, देर शाम तक लोग मेला का लुत्फ उठाते रहे। इससे पहले गुरुवार की रात को फुलखुंदी का आयोजन किया गया। फुलखुंदी में भोक्ताओं व सोक्ताओं ने दहकते अंगारों पर चलकर भगवान शिव पर अपनी अटूट आस्था व भक्ति का परिचय दिया। मंडा पूजा सह 12 पाड़हा जेठ जतरा को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष ग्राम प्रधान सुका उरांव, कृष्णा गोप, उत्कर्ष तिवारी, आशीष उरांव, नारू उरांव महादेव विनय बनारसी मोहन शिबू सहित अन्य ग्रामीणों ने सहयोग किया।

साइकिल सवार को बचाने के क्रम में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

इटकी। एनएच 23 रांची गुमला मुख्य मार्ग पर पलमा पेट्रोल पंप के समीप साइकिल सवार को बचाने के क्रम में असंतुलित होकर गिरने से बाइक सवार सरीब मुंडा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके सिर में गंभीर चोटें आई है। जबकि साइकिल सवार गढ़गांव टिकरा टोली के एक वृद्ध को मामूली चोटें आई है और साइकिल क्षतिग्रस्त हो गया। घटना शुक्रवार शाम करीब छह बजे की है। बाइक सवार सरीब मुंडा भरनो से जगन्नाथपुर रांची जा रहा था। स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेज गया।

पीरामल फाउंडेशन के सहयोग से गूगल रीड अलॉग एप्लिएकेशन की लॉचिंग हुई

नामकुम। शुक्रवार को पीरामल फाउंडेशन के एस्पिरेशनल भारत कोलाबोरेटिक के सहयोग से महिलोंग पंचायत को जीरो ड्राप आउट पंचायत घोषित किया गया। इस दौरान मुखिया संदीप तिर्की की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे पंचायत के वार्ड सदस्य, हेड मास्टर्स, आंगनवाड़ी सेविका, सहायिका, छात्रांए आदि उपस्थित थी। बैठक के दौरान गूगल रीड अलॉग एप्लिएकेशन का लॉचिंग किया गया। कार्यक्रम में पीरामल फाउंडेशन की गांधी फेलो शिवानी बिश्नोई और दिव्याभारती ने एप्लीकेशन के फीचर्स को विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि यह एप्लीकेशन 3 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों के लिए बनाया गया हैं। इसमें आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस सहायक का समर्थन भी हैं।

प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को दी विदाई

खबर मन्त्र संवाददाता

सोनाहातू। प्रखंड का प्रभारी आपूर्ति पदाधिकारी धनंजय कुमार को शुक्रवार को सादे समारोह में रिटायर्ड होने पर भावहीनी विदाई दी गई। धनंजय कुमार सोनाहातू प्रखंड में पशुपालन पदाधिकारी के रूप में योगदान दिए थे, और फरवरी 2023 से सोनाहातू प्रखंड के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के रूप में अतिरिक्त प्रभार में सेवा का काम किया था। इस दौरान इन्होंने राहे प्रखंड के आपूर्ति पदाधिकारी का भी अतिरिक्त प्रभार में थे। शुक्रवार को सोनाहातू प्रखंड सभागार में आयोजित सादे समारोह में प्रखंड डीलर संघ के द्वारा इन्हें भाविनी विदाई दी गई। प्रखंड आपूर्ति के कार्यकाल में इन्होंने जरूरतमंदों को राशन कार्ड बनाने में काफी सहयोग किया था। मौके पर अशोक महतो, भरत महतो, जयपाल कुमार, जय किशोर महतो, संजय महतो, मलखान महतो, विशेश्वर महतो, आदि मौजूद थे।

सर्पदंश से पीड़ित युवक का सपेरा कर रहा उपचार

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। थाना क्षेत्र के ओरमांझी निवासी सहदेव महतो का 25 वर्षीय बेटा अनुज महतो को सांप ने काट लिया है। युवक का उपचार एक सांप पकड़ने वाले से कराया जा रहा है। बताया गया कि मंगलवार को वह देर शाम यवुक अपनी खेत को पटा रहा था। खेत में पानी का धार कम होने पर अंधेरे में ही वह अपने पैर से पानी बहाव को ठिक कर रहा था। तभी जहरिले सांप रसेल वाइपर ने काट लिया। स्वजनों द्वारा उसे उपचार के लिए रिम्स ले जाया गया। पैर में सुजन आ गया था, और उसे काफी जल हो रही थी। जिसे देखते हुए स्वजनों द्वारा बेहतर उपचार कराने के लिए गोमो ले जाया गया। जहां जहरिले सांप को पकड़ने वाला सुब्रोतो-डे उर्फ बापी दा द्वारा उसका उपचार किया जा रहा है। अनुज का बड़ा भाई दीपक महतो ने इसकी जानाकरी देते हुए बताया रिम्स में उसका उपचार ठिक उपचार नही चल रहा था। पैर का सुजन व काफी जल को दखते हुए गोमो ले जाया गया है। वहां उपचार होने के बाद उसके स्वास्थ्य में काफी सुधार भी हुआ है। वहीं उपचार करने वाले बापी दा के संबंध में बताया गया कि वह पलक झपकते ही जहरिले सांप को पकड़ने में माहिर है। एक बार उसके यहां से वन विभाग की टीम द्वारा रेस्कू कर कई जहरिले सांप बरामद हुआ था। जिसके बाद उसपर कार्रवायी भी की गई थी। वहीं जैविक उद्यान के जीव विज्ञानी विवेकानंद कुमार ने बताया कि रसेल वाइपर काफी जहरिला सांप होता है। उसके काटने से काफी जलन भी होती है। कई बार सांप काटे मरीज स्वस्थ्य होने के बाद भी मृत्यु हो जाती है। उसका उपचार रिम्स या बेहतर चिकित्सक संस्थान से ही कराना चाहिए था।

महिलोंग पंचायत में माहवारी दिवस का आयोजन कर किया जागरूक

खबर मन्त्र संवाददाता

नामकुम। शुक्रवार को महिलोंग पंचायत सचिवालय में माहवारी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बडी संख्या में सहिया बहने, आंगनबाडी सेविका, सहायिका, शिक्षक, शिक्षिकाएं, बच्चियां और अतिथिगण मौजूद थे। कार्यक्रम कोसंबोधित करते हुए उपप्रमुख वीना कुमारी ने कहा कि मासिक धर्म से जुड़ी रूढ़िवादी सोच को खत्म करने मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने और इसे लेकर खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से माहवारी दिवस मनाया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि आज भी हमारे समाज में मासिक धर्म शुरू होने पर बच्चियों को स्कूल छोड़ना पड़ता है,साथ ही इससे जुड़ी चीजों को खरीदने में लोगों को शर्मिंदगी महसूस होती है। इसे छोडना होगा और नई शुरूआत करनी होगी। वहीं वाईबीएन यूनिवर्सिटी के चेयरमेन रामजी यादव नें उपस्थित किशोरी, युवतियों व ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य के साथ शिक्षा में भी ध्यान देना होगा उन्होने ग्रामीण क्षेत्र के गरीब बच्चों के लिए अपने यूनिवर्सिटी द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। वहीं इंडिगो के प्रबंधक संजीव कुमार नें एयरफलाई एविएशन एकेडमी में शिक्षा प्राप्त कर एयरपोर्ट के क्षेत्र में सर्विस प्राप्त करने पर विस्तार से बताया। कार्यक्रम के दौरान पंचायत में अपनी सेवा देने वाली एएचएम, जीएचएम, सहियाओ, आंगनबाडी संविकाओं, सहायिकाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व मुखिया संदीप तिर्की के द्वारा किया गया।

बेड़ो : दो अलग-अलग सड़क हादसो में छह घायल, दो रेफर

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र में शुक्रवार को हुई दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक महिला समेत छह लोग घायल हो गए। पहली घटना बेड़ो साईं मंदिर मार्ग पर जामटोली पहाड़ के समीप सुबह लगभग साढ़े नौ बजे हुई एक सड़क हादसा में एक महिला समेत पांच लोग घायल हो गए। घायलों में 60 वर्षीया महिला मुन्नी महली, 18 वर्षीय युवक शिवशंकर महली, 32वर्षीय रंजीत महली, 28 वर्षीय राजेश महली और 50 वर्षीय भूखा महली का नाम शामिल है। इधर घायलों व स्वजनों ने बताया कि वे भंडरा थाना क्षेत्र के उदरंगी गांव से ऑटो पर सवार होकर सोनमेर मंदिर पूजा अर्चना के लिए जा रहे थे। इसी बीच उनका ऑटो अचानक असंतुलित हो गया और एक पोल से रगड़ खाते हुए रूक गया। इस दौरान मुन्नी महली ऑटो से गिर पड़ीं। जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। इसके बाद स्वजनों ने सभी घायलों को सड़क पर आ रही दूसरे वाहन से उन्हें सीएचसी बेड़ो पहुंचाया। वहीं दूसरी घटना रांची गुमला मुख्य मार्ग पर अपराह्न लगभग तीन बजे पुरना पानी बाजार मोड़ के समीप एक कार की चपेट में आने से घाघरा बेड़ो निवासी 20 वर्षीय बाइक सवार बबलू खान गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा ने सीएचसी भेजवाया। जहां डॉ भावना ने घायलों का प्राथमिक उपचार कर गंभीर रूप से घायल महिला मुन्नी महली व बबलू खान को बेहतर उपचार के लिए रिम्स रेफर कर दिया।

पीड़ित परिवार को दी गयी दस हजार की अंतरिम राहत

डायन विसाही की घटना को झालसा ने लिया संज्ञान

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। डायन बिसाही और जादू टोना करने के संदेह में अनगड़ा थाना क्षेत्र के जरगा गांव के तेतर टोला में हुयी दिल दहला देने वाली घटना के संबंध में अखबारों में छपी खबर पर माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश-सह-कार्यपालक अध्यक्ष झालसा सुजित नारायण प्रसाद ने संज्ञान लिया है। इस घटना में बलेश्वर उरांव नामक एक व्यक्ति की 28 मई के शाम लाठी डन्डा और पत्थर से कूच कर निर्ममता पूर्वक हत्या कर दी गयी थी। माननीय न्याधीश ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची को आदेश दिया कि वह तत्काल मृतक के परिवार से मिलकर उन्हेआवश्यक सहायता प्रदान करें। निर्देश के आलोक में माननीय न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष डालसा रांची दिवाकर पांडे ने डालसा सचिव को अविलम्ब एक टीम गठित कर पीड़िता के परिवार को विधिक सहायता प्रदान करने का आदेश दिया। इस आदेश के आलोक में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची कमलेश बेहरा ने तत्काल एक टीम गठित किया जिसमें दुलारी कुमारी पैनल अधिवक्ता पीएलवी बेबी सिन्हा व तारा मिंज को नियुक्त किया गया है। पीएलवी बेबी सिन्हा व तारा मिंज ने पीड़ित के परिवार से मुलाकात किया और डालसा द्वारा दी जानेवाली निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी दी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची के द्वारा पीड़िता के परिवार को मुकदमा हेतु सहायता दी जायेगी एवं पीड़िता के परिवार को विधिक सहायता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची की ओर से अधिवक्ता दुलारी कुमारी को नियुक्त किया गया है। साथ ही मृतक की पत्नी जख्मी शनिचरिया देवी का समुचित ईलाज रांची सदर अस्पताल से कराया गया। एवं आयुश्मान भारत स्वास्थ्य योजना के तहत उनका आयुश्मान कार्ड भी सदर अस्पताल से बनवाया गया। डालसा रांची की ओर से झारखंड पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत पीड़िता के लिए मुआवजा की प्रक्रिया भी आगे बढ़ा दी गयी है। निदेर्शानुसार डालसा सचिव स्वयं पीड़ित परिवार से मिलकर शुक्रवार को अंतरिम मुआवजा के रूप में 10 हजार रुपए का चेक मृतक के परिवार को प्रदान किया। इसके अलावा सरकार की कल्याणकारी योजना के तहत मृतक की पत्नी को विधवा पेंशन एवं तीनों बेटों का जॉब कार्ड बनाने की प्रक्रिया को भी आगे बढ़ा दिया गया। मौके पर मौजूद अनगड़ा प्रखंड के विकास पदाधिकारी श्री जयपाल सोये ने मनरेगा के तहत मृतक के तीनों बेटों को रोजगार देने का आश्वासन दिया। घटित घटना के संदर्भ में डालसा सचिव के नेतृत्व में अनगड़ा प्रखंड के जरगा गांव तेतरी टोली में ग्रामीणों के बीच विधिक जागरूकता का भी आयोजन किया गया जहां प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल सोय थाना प्रभारी चमरा मिंज पैनल अधिवक्ता दुलारी कुमारी मुखिया-क्रिष्टिना पीएलवी-बेबी सिन्हा उपस्थित थे। श्री बेहरा ने कहा कि डायन बिसाही एक अंधविश्वास है कानून में इसपर सजा का प्रावधान है। डायन बिसाही के नाम पर किसी को प्रताड़ित न करें यह एक घोर अपराध है, जिसे डालसा समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम चलाकर समाप्त करने पर

खबर मन्त्र
रांची. शनिवार .01 जून 2024

कृषि उपज की बरबादी

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने फिर यह बात कही है कि इस साल देश में मॉनसून की बारिश सामान्य से ज्यादा होगी। वर्षा सिंचित क्षेत्रों में भी इस साल अच्छी बारिश होने की उम्मीद है जो कृषि पैदावार बढ़ाने में मददगार साबित होगी। ऊंचे उत्पादन से स्वाभाविक रूप से खाद्य महंगाई पर काबू पाने में मदद मिलेगी। यह गौर करना अहम होगा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुख्य मुद्रास्फीति दर 4 फीसदी से नीचे बनी हुई है, लेकिन खाद्य पदार्थों की ऊंची महंगाई ने समग्र मुद्रास्फीति दर को रिजर्व बैंक के लक्ष्य से ऊपर रखा है। उदाहरण के लिए अप्रैल में खाद्य मुद्रास्फीति दर 8.7 फीसदी थी। महंगाई के प्रबंधन के लिहाज से देखें, जब खाद्य उत्पादन में सुधार से कीमतों और महंगाई पर अंकुश बने रहने की संभावना है, भारत को जल्द खराब होने वाले उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला बेहतर करने पर भी काम करना चाहिए जिनकी महंगाई के उतार-चढ़ाव में ज्यादा भूमिका होती है। उदाहरण के लिए कुछ महीने पहले सब्जियों की कीमतों ने समग्र मुद्रास्फीति दर को बढ़ा दिया था। यह इस तथ्य के बावजूद है कि भारत दुनिया में सब्जियों और फलों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। यहां साल 2022-23 में बागवानी उत्पादों की पैदावार करीब 35.19 करोड़ टन रही और उसी वर्ष में उन्होंने कुल अनाज उत्पादन को पीछे छोड़ दिया। लेकिन सच यह भी है कि इनमें से टनों उत्पाद बरबाद हो गए। करीब 15 फीसदी फल और सब्जियां उपज हासिल करने के बाद ही बरबाद हो जाती हैं। जलवायु परिवर्तन की वजह से पड़ने वाली अतिशय गर्मी से आने वाले वर्षों में हालत और बदतर हो सकती है। बुनियादी ढांचे में सुधार से इस बरबादी को कम करने में मदद मिल सकती है। देश में शीत भंडार गृह और प्रशीतन सुविधाएं अपर्याप्त हैं जो पूरे आपूर्ति श्रृंखला के लिए अड़चन है।

अग्निकुल ने रचा इतिहास

भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में गुरुवार को इतिहास रच दिया! देश के दूसरे निजी तौर पर बनाए गए रॉकेट का पहले निजी लॉन्चपैड से लॉन्च किया गया। यह खास है क्योंकि ये रॉकेट गैस और तरल ईंधन के मिश्रण का उपयोग करने वाला पहला भारतीय रॉकेट है। चेन्नई स्थित स्पेस स्टार्टअप अग्निकुल कॉसमॉस ने श्रीहरिकोटा से एकल-चरण प्रौद्योगिकी प्रदर्शक रॉकेट अग्निबान एसओडीटीईडी को लॉन्च किया। एसओआरटीईडी दुनिया के पहले सिंगल-पीस 3डी प्रिंटेड इंजन का उपयोग करता है, जिसे स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित किया गया है। भारतीय अंतरिक्ष संघ (इसपा) के महानिदेशक एके भट्ट ने कहा, अग्निकुल ने आज जो हासिल किया है, वह 1963 में थुम्बा लॉन्च स्टेशन से भारत द्वारा अपने पहले रॉकेट के लॉन्च के बाद से एक ऐतिहासिक उपलब्धि से कम नहीं है। यह भारत के फलते निजी अंतरिक्ष उद्योग के लिए एक बहुत बड़ा उत्साहवर्धन और गर्व का क्षण है हाल ही में इन-स्पेस द्वारा भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 के कार्यान्वयन के लिए जारी किए गए दिशानिर्देशों और नए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नियमों के साथ मिलकर यह महत्वपूर्ण लॉन्च भारत के निजी अंतरिक्ष उद्योग और उसकी बढ़ती क्षमताओं में वैश्विक विश्वास को मजबूत करेगा।अग्निबान रॉकेट एक ऐसा दो-चरणीय लॉन्च वाहन है जो कस्टमाइजबल है। यह करीब 700 किलोमीटर की ऊंचाई पर कक्षा में 300 किलोग्राम तक का पेलोड ले जा सकता है। इसकी तुलना स्पेसएक्स के फाल्कन हैवी से की जा सकती है जो कम ऊंचाई वाली कक्षा में 63,500 किलोग्राम वजन ले जा सकता है। पिछले साल नवंबर 2022 में ही एक निजी कंपनी, स्काईरूट एयरोस्पेस ने सफलतापूर्वक लॉन्च वाहन विक्रम-एस को डेवलप और संचालित किया था। पूरी टीम को देश बधाई दे रहा है।

शिक्षा को धर्म से अधिक विज्ञान से जोड़ें

जिस प्रकार समाज में कोरोना के वैक्सीन और जांच को लेकर भ्रम और असमंजस फैल रहा है यह कोई नयी बात नहीं है। हमारी शिक्षा की कमजोरी कहें या स्तरहीनता की समस्या आज भी लोग आधुनिक अविष्कारों पर विश्वास नहीं कर रहें हैं। यही कारण है कि सरकार की योजनाओं का भी सही प्रति फल नहीं निकलता है। सवाल यह उठता है कि शिक्षा को धर्म से जोड़ा जाए कि वैज्ञानिक चिंतन और सोच से लबरेज किया जाए।

क्या यह सच नहीं है कि भारत में कुछ खास धर्मों के मानने वाले शिक्षण संस्थानों में अपने-अपने धर्मों के प्रचार के लिए कोशिशें करते रहते हैं। कभी कभी सच में लगता है इस मसले पर देश में एक बार खुली बहस हो जाए कि क्या भारत में धर्म प्रचार की स्वतंत्रता जारी रहे अथवा नहीं ? देखा जाए तो केवल अपने धर्म पालन की सबको स्वतंत्रता होनी चाहिये। लेकिन, शिक्षण संस्थानों में अबोध बच्चों को अपने धर्म की अच्छाई और बाकी सभी धर्मों की बुराई बताना बच्चों को अबोध उम्र में कट्टर बनाना और दूसरे धर्मावलम्बियों के प्रति घृणा फैलाना कहाँ तक उचित है ? यही तो देश में धार्मिक उन्माद फैला रहा है ? यही तो आपसी असहिष्णुता की मूल धर्म के प्रचार-प्रसार की छूट की कोई आवश्यकता नहीं। धर्म कोई दुकान या व्यापार तो है नहीं जिसका प्रचार प्रसार करना जरूरी हो।

भारतीय संविधान धर्म की आजादी का अधिकार प्रदान करता है। अनुच्छेद 25 (1) में कहा गया है कि सभी व्यक्ति समान रूप से धर्म का प्रचार करने के लिए स्वतंत्र है। लेकिन अनुच्छेद 26 कहता है कि धार्मिक आजादी और धार्मिक संप्रदायों के क्रियाकलाप में शांति और नैतिकता की शर्तें भी हैं। अनुच्छेद 28 में कहा गया है कि सरकारी शैक्षिक संस्थानों में कोई धार्मिक निर्देश नहीं दिया जाएगा।

अगर हम इतिहास के पन्नों को खंगाले तो देखते हैं कि भारत के संविधान निमार्ताओं ने सभी धार्मिक समुदायों को अपने धर्म के प्रचार की छूट दी थी। क्या इसकी कोई आवश्यकता थी? यह मानना होगा कि दो धर्म क्रमशः इस्लाम और ईसाई धर्म के मानने वालों की तरफ से लगातार यह प्रयास होते रहते हैं कि अन्य धर्मों के लोग भी येन-केन-प्रकारेण किसी भी लालच में उनके धर्म का हिस्सा बन जाएं। यह कठोर सत्य है। इससे कोई इंकार नहीं कर सकता है। इस मसले पर देश में बार-बार बहस भी होती रही है और आरोप भी लगते रहे हैं कि इन धर्मों के ठेकेदार लालच या प्रलोभन देकर गरीब आदिवासियों, दलितों वगैरह को अपना अंग बनाने की फिराक में लगे ही रहते हैं। बेशक, भारत में ईसाई धर्म की तरफ से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में ठोस और ईमानदारी से काम भी किया गया है।

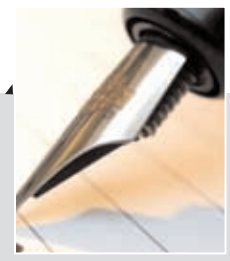

- आरके सिन्हा

> एक छोटा सा उदाहरण और देना चाहूंगा। एमडीएच नाम की मसाले बनाने वाली कंपनी के संस्थापक महाशय धर्मपाल गुलाटी को सारा देश जानता है। वे पक्के आर्य समाजी हैं। महाशय जी पूरी दुनिया में 'किंग ऑफ स्पाइस' माने जाते है। वे देश की राजधानी में एक अस्पताल और अनेक स्कूल चलाते है। कोई बता दें कि उन्होंने कभी किसी गैर-हिन्दू को हिन्दू धर्म से जोड़ने की कोशिश भी की हो।

पर उस सेवा की आड़ में धर्मांतरण ही मुख्य लक्ष्य रहा है। मदर टेरेसा पर भी धर्मांतरण करवाने के अकाट्य आरोप लगे हैं। उधर, इस्लाम का प्रचार करने वाले बिना कुछ कहे ही धर्मांतरण करवाने के मौके लगातार खोजते हैं। हालांकि मुसलमानों के अंजुमन इस्लाम ने भी शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है। यह मुंबई में सक्रिय है। अब आप देखें कि आर्य समाज, सनातन धर्म सभी और सिखों की तरफ से देश में सैकड़ों स्कूल, कॉलेज, अस्पताल वगैरह चल रहे हैं। पर इन्होंने किसी ईसाई या मुसलमान को कभी धर्मातरण करवाने का कभी प्रयास नहीं किया। एक छोटा सा उदाहरण और देना चाहूंगा। एमडीएच नाम की मसाले बनाने वाली कंपनी के संस्थापक महाशय धर्मपाल गुलाटी को सारा देश जानता है। वे पक्के आर्य समाजी हैं। महाशय जी पूरी दुनिया में 'किंग ऑफ स्पाइस' माने जाते है। वे देश की राजधानी में एक अस्पताल और अनेक स्कूल चलाते है। कोई बता दें कि उन्होंने कभी किसी गैर-हिन्दू को हिन्दू धर्म से जोड़ने की कोशिश भी की हो।

खैर,धर्म परिवर्तन केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर में एक जटिल मसला रहा है। इस पर लगातार बहस होती रही है। यह समझने की जरूरत है कि मोटा-मोटी संविधान कहता है कि कोई भी अपनी मर्जी से अपना धर्म बदल सकता है, यह उसका निजी अधिकार है। पर किसी को डरा-धमका या लालच देकर जबरदस्ती या लव जिहाद करके धर्म परिवर्तन नहीं करा सकते।

संविधान संशोधन के द्वारा धर्मप्रचार को रोकना सम्भव तो है। पर यह देखना चाहिए कि धर्म के नाम पर बवाल किस वजह से हुआ ? यदि धर्म प्रचार की वजह से हुआ है तो किन लोगों की वजह से हुआ है? एक राय यह भी है कि भारत में उन धर्मों के प्रचार की स्वतंत्रता होनी ही चाहिए जिनका उदय भारत भूमि पर हुआ है।

जैसे हिन्दू, सिख, जैन और बौद्ध। अगर यह धर्म अपनी जन्म भूमि पर भी अधिकार खो देंगे तो यह तो उनके साथ बड़ा अन्याय होगा। समस्या का मूल कारण इस्लाम और ईसाई हैं। इस्लाम और ईसाइयत को छोड़ दें तो बाकी धर्मो के बीच कोई आपसी विवाद नहीं है । यदि सभी धर्म प्रतिबन्धित हों जिनमे हिन्दू धर्म और उससे निकले दूसरे धर्म भी शामिल होंगे तो यह गेंहू के साथ घुन पिसने जैसी बात हो जायेगी। हाँ केवल इस्लाम और ईसाइयत का धर्म प्रचार प्रतिबन्धित हों तो युक्ति सांगत लगता है। आगे बढ़ने से पहले पारसी धर्म की भी बात करना सही रहेगा। यह भी भारत की भूमि का धर्म नहीं है। यह भारत में इस्लाम और ईसाइयत की तरह से ही आया है। लेकिन, पारसियों ने भारत में अपने धर्म के प्रसार-प्रचार की कभी चेष्टा तक नहीं की। भारत में टाटा,गोदरेज,वाडिया जैसे बड़े उद्योगपति हैं। इन समूहो में लाखों लोग काम करते हैं। ये देश के निर्माण में लगे हुए हैं। सारा देश इनका आदर करता है। इनसे तो किसी को कोई मसला नहीं रहा। इस बीच, धर्म की अवधारणा से भिन्न है मजहब का ख्याल । धर्म का तात्पर्य मुख़्यतः कर्तव्य से है जबकि मजहब की अवधारणा किसी विशिष्ट मत को मानने से है। इसमें किसी किताब में दर्ज शब्दों के अक्षरशः पालन की अपेक्षा की जाती है। किताबिया मजहब जो मानते हैं उन्हें वैसा ही मानते रहने की आजादी बेशक बनी रहे कोई हर्ज नहीं, जैसे कोई सोते रहने की आजादी का तलबगार है, जागना नहीं चाहता, उसे सुख से सोने दीजिए ।

खास बात

स्त्री की छवि

पुष्पा

जब आज के युग में यह स्पष्ट रूप से स्वीकार कर लिया गया है कि घर के कामों को पति और पत्नी समान रूप से मिलकर निपटाते हैं, पत्नी का स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि पति का; एक महिला को छुट्टी पर जाने और मौज-मस्ती करने का उतना ही अधिकार है जितना पुरुष को; फिर ऐसा क्यों है कि विज्ञापनों में वही पुरानी छवि पेश की जाती है? बाथरूम क्लीनर के विज्ञापन में महिलाओं को सफाई एजेंटों के रूप में क्यों दिखाना चाहिए? प्रेशर कुकर का विज्ञापन या मसाला ब्रांड का प्रचार या कुकिंग ऑयल का विज्ञापन केवल महिलाओं के लिए ही क्यों होना चाहिए? एडवेंचर और मस्ती को दशार्ने वाले विज्ञापनों में केवल पुरुषों को ही क्यों दिखाया जाना चाहिए? महिलाओं को ऐसा तेल क्यों चुनना चाहिए जो उनके पतियों को स्वस्थ रहने में मदद करे इसके उलट क्यों नहीं? सौभाग्य से, मैं आजकल, कुछ विज्ञापन देखती हूं जो इन रूढ़ियों से दूर जा रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसे विज्ञापन बहुत कम हैं। उपभोक्ताओं के सोचने और कार्य करने के तरीके को भी प्रभावित करते हैं, खासकर जब उत्पादों या सेवाओं का लाखों अनुयायियों के साथ मशहूर हस्तियों द्वारा समर्थन किया जा रहा हो। विज्ञापनदाता और समर्थनकर्ता दोनों को इसके प्रति संवेदनशील होना होगा और जिम्मेदारी से काम करना होगा। लेकिन हमेशा ऐसा होता नहीं। इसका एक बड़ा उदाहरण फेयरनेस क्रीम और साबुन की मार्केटिंग है। यह सच है कि रंग पूर्वाग्रह हमारे समाज में पहले भी था, लेकिन अपने उत्पादों को बेचने के लिए, दशकों तक इन निर्माताओं ने अपने विषैले संदेशों के जरिये गोरी त्वचा को सुंदरता और सफलता से जोड़ा। जुलाई 2018 में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैकेनिकल एंड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी में प्रकाशित मैसूरू में युवाओं के खरीद-व्यवहार और विश्वास प्रणाली पर फेयरनेस क्रीम के विज्ञापनों के प्रभाव पर एक अध्ययन रिपोर्ट छपी, इसमें सामने आया कि कैसे फेयरनेस क्रीम विज्ञापनों ने सुंदरता की परिभाषा को प्रभावित किया। सुंदर सांवले लोगों के मानस को इन विज्ञापनों ने जो नुकसान पहुंचाया।

जहां तक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कन्याकुमारी मंदिर में दर्शन व ध्यान पर विपक्ष की आपत्ति का सवाल है तो निर्णय चुनाव आयोग को लेना है, पर धार्मिक आस्था में किसी के विरूद्ध प्रचार कहाँ से नजर आता है ये समझ नहीं आ रहा।
– डॉ सुधांशु त्रिवेद्धी, भाजपा

आपके ट्वीट

फिर एक बार, ओल चिकी लिपि के आविष्कारक एवं संथाली भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार पंडित रघुनाथ मुर्मू जी की जन्मभूमि को नमन करने का सौभाग्य मिला।
– चंपई सोरन, सीएम

महात्मा गांधी वो सूर्य हैं जिसने पूरे विश्व को अंधेरों से लड़ने की ताकत दी। सत्य और अहिंसा के रूप में बापू ने दुनिया को ऐसा मार्ग दिखाया, जो कमजोर से कमजोर व्यक्ति को भी अन्याय के खिलाफ खड़े होने का साहस देता है। **–राहुल गांधी**

देवी का रूप

धर्म-प्रवाह

जीवीएस शास्त्री

मां दुर्गा की उत्पत्ति के संदर्भ में शिव पुराण के अनुसार आदि देव शिव ने लीला शक्ति से अपने आकार यानी मूर्ति की कल्पना की, उसके पश्चात उन्होंने अपने ही विग्रह से एक स्वरूप मूर्त शक्ति की रचना की, जो परा शक्ति की प्रधान, प्रकृति, माया, बुद्धि तत्व की जननी तथा विकार रहित थी। शिव की यही शक्ति अंबिका कहलायी जिसे पार्वती, शिवा, उमा, शैल, तनुजा, शक्ति आदि नामों से पुकारा गया।

मार्कण्डेय पुराण के देवी महात्म्य के अध्याय-2 के अनुसार महिषासुर वध के लिए देवी प्रकट हुईं। सबसे पहले भगवान विष्णु के मुखमंडल से एक प्रकाश पुंज प्रकट हुआ। इसी प्रकार ब्रह्मा एवं शिव आदि देवताओं के शरीर से एक तीव्र तेज निकला, जो मिलकर एकाकार हो गया। उसके पश्चात वह एकाकार रूप एक नारी रूप में परिवर्तित हो गया। उस नारी स्वरूप को शिव के तेज से मुख, यमराज के तेज से बाल, विष्णु के तेज से भुजाएं, चंद्रमा के तेज से वक्ष, इंद्र के तेज से कटि प्रदेश, वरुण के तेज से जंघाएं, पृथ्वी के तेज से नितम्ब, ब्रह्मा के तेज से चरण, सूर्य के तेज से उंगलियां, कुबेर के तेज से नासिका, प्रजापति के तेज से दांत, अग्नि के तेज से तीनों नेत्र और वायु के तेज से कान उत्पन्न हुए।

दुर्गा सप्तशती के अनुसार इस नारी स्वरूपा दुर्गा को असुरों के साथ होने वाले महासंग्राम में विजयश्री प्राप्ति हेतु भगवान शिव ने त्रिशूल, विष्णु ने चक्र, वरुण देव ने शंख, पवन देव ने धनुष बाण और तरकश हैं।

कॉर्टून वर्ल्ड

इनकी दुनिया का सच

साभार कॉर्टून मूववेंट

लेटर टू एडीटर

सतर्क रहें हम

देश में कोरोना का कहर अभी कम नहीं हुआ है। सरकार का दावा है कि ठीक होने वालों का आंकड़ा संतोषजनक है। इसी कड़ी में केन्द्र और राज्य सरकारों ने कोरोना की टेस्टिंग आम लोगों के बीच भी बढ़ा दी है, ताकि अगर किसी को कोरोना का थोड़ा-बहुत भी लक्षण है तो उसका उचित समय पर इलाज हो सके। देश के हरेक नागरिक को सतर्कता और सावधानी बरतनी होगी। **–रविभूषण, हजारीबाग**

हकीकत बताएं

पहले महाराष्ट्र व बिहार पुलिस में तकरार, फिर सीबीआई को जांच की जवाबदारी सौंपने से इसकी परतें खुलने लगी है। ड्रग डीलर की गिरफ्तारी नए राज खोलेगी कि फिल्मी दुनिया में क्या-क्या चल रहा है। सीबीआई दाऊद के कनेक्शन की भी जांच करे, जिससे फिल्मी हस्तियों के वास्तविक चरित्र का पता लग सके। यह समस्या पूरे युवा शक्ति को बर्बाद कर रही है। **–अमृतलाल, मेदिनीनगर**

राष्ट्रभाषा को उपेक्षित कर देश का विकास संभव नहीं

अवधेश कुमार अवध

भाषा साहित्य

हर राष्ट्र की अपनी एक राष्ट्रभाषा होती है इसलिए भारत जैसे सम्प्रभुता सम्पन्न, विशाल, सबसे बड़े गणतन्त्र राष्ट्र की भी अपनी राष्ट्रभाषा होनी चाहिए। यह प्रश्न तब तक उठना स्वाभाविक और उचित भी है जब तक भारत की अपनी राष्ट्रभाषा न चुन ली जाए। लेकिन आजादी के सात दशकों के बाद भी दुर्भाग्यवश अब तक ऐसा नहीं हो सका।

ब्रितानी हुकूमत के समय में हिंदी का पूरे भारत में बोलबाला था। लॉर्ड मैकाले ने ब्रिटेन में हिंदी की व्यापकता और लोकप्रियता को लेकर कई बार ऐसी बातें स्वीकार की थी, पार्लियामेंट में रखी थी। मैकाले ने अपने अध्ययन में यह महसूस किया था कि भारत को यदि और अधिक समय तक गुलाम बनाकर रखना है तो यहाँ की प्रतिष्ठित शिक्षा पद्धति को बंद करना होगा और किया भी। मैकाले के अनुसार, संस्कृत को समाज से दूर और हिंदी को असभ्य/अनपढ़ों की भाषा के रूप में व्यवहृत करना होगा जिससे अंग्रेजी जानने वाले क्लर्क पैदा किये जा सकें। भारत की प्रायः समस्त भाषाएँ संस्कृत से पैदा हुई हैं और इसमें सबसे बड़ी और व्यापक भाषा हिंदी है। इसलिए समस्त भारतीय भाषाएँ हिंदी से कमोबेश सम्बंधित हैं। भारत में अंग्रेजी शासन के प्रति विद्रोह और जनक्रान्ति में हिंदी की भूमिका अग्रणी रही है। आजादी के समर में चाहे नारों की बातें करें या साहित्य की, हिंदी का ही सर्वाधिक योगदान रहा है। न केवल मध्य भारत बल्कि आज का बांग्लादेश, पाकिस्तान, दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत भी हिंदी के प्रभाव में था।

देश को बाँटने की कुत्सित योजना ने हिंदी भाषा के समक्ष अन्य भाषाओं को विरोधी बनाकर उतारने की चेष्टा की। दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर भारत के कुछ नेता क्षेत्रीय राजनीति की रोटी भाषाओं के तवे पर सेंकने लगे। आजादी के उपरान्त संविधान में एक राष्ट्रभाषा की आवाज तो उठी किन्तु अंग्रेजी परस्त सत्तालोलुप लोगों ने क्षेत्रीय भाषा- भाषियों को भड़काकर अंग्रेजी की जड़ें मजबूत कीं। हिंदी को राष्ट्रभाषा न बनाकर राजभाषा तक सीमित रखा गया और लॉलीपॉप दिया गया कि अंग्रेजी सहायक भाषा बनकर रहेगी और 1965 तक हिंदी को व्यापक बनाकर राष्ट्रभाषा बनाया जा सकता है। अनुच्छेद 343/1 में देवनागरी लिपि में हिंदी को भारत संघ की राजभाषा घोषित किया गया। उसके बाद हिंदी को इतनी ही इज्जत मिली कि इसकी गिनती भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भारतीय भाषाओं में एक भाषामात्र की है।

एक अन्य संशोधन के अनुसार राज्य सरकारें अपनी पसंद की भाषा में कामकाज संचालित करने के लिए स्वतन्त्र होंगी जबकि राजभाषा अधिधियम 1963 में यह व्यवस्था की गई कि सभी सरकारी प्रयोजनों के लिए अंग्रेजी का प्रयोग किया जाएगा। आज की सच्चाई है कि सहायक भाषा ने राजभाषा को मजदूरों, अशिक्षितों, पिछड़ों और असभ्यों की भाषा बनाकर रख दिया है। अंग्रेजी परस्त लोगों के भीतर अंग्रेजियत मानसिकता और कूटनीति कूट-कूटकर भरी थी। ये काली चमड़ी वाले अंग्रेज आजाद भारत को भी अंग्रेजी और गैर अंग्रेजी के स्तरीकरण के रूप में बनाये रखना चाहा। अंग्रेजी को स्वामित्व के रूप में भारत में कायम रखना चाहा।

हिंदी के सिर पर अंग्रेजी को बैठाने का ही नतीजा है कि बच्चों की प्रथम पाठशाला की संज्ञा प्राप्त पारिवारिक ढाँचा पल- प्रतिपल बिघटित हो रहा है। माँ को मॉम, बापू को डैड, पति को हस्बैंड और चाचा, ताऊ, मामा, फूफा जैसे दर्जनों रिश्तों को एक अंकल में भर दिया। बुआ, चाची, ताई, जैसी नारियाँ ऑटी में खपाई गईं। बचे खुचे रिश्ते इन लॉज हो गए। हिंदी की शुचिता पर अंग्रेजी ने छककर विष वमन किया।

चुनावी मौसम... तपती धरती- झुलसता जीवन

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मंथन

आम चुनाव के अंतिम चरण में चढ़े सियासी पारा के साथ देश चढ़ते पारे से परेशान है। 29 मई को देश की राजधानी दिल्ली का पारा 52 के आंकड़े को छू गया, हो सकता है इसको लेकर कोई मत भिन्नता हो पर इसमें कोई दोराय नहीं कि दिल्ली का पारा 50 डिग्री सेल्सियस से तो ज्यादा ही रहा है। देश के 17 से अधिक शहरों में तापमान उच्चतम स्तर पर चल रहा है। यह एक तरह का प्राकृतिक आपाकाल है। हीटवेव या यूं कहें कि लू के थपेड़ों ने जनजीवन को प्रभावित करके रख दिया है। एक जून को अंतिम चरण का मतदान है। तापघात के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में मौत के समाचार भी आ रहे हैं। तस्वीर का एक पहलू यह है कि अभी तक सही मायने में हमारे देश में हीटवेव को डिजास्टर मैंनेजमेंट में पूरी तरह से शामिल नहीं किया गया है। कहीं-कहीं सड़कों पर पानी छिड़कने या लोगों को घर या कार्यस्थल से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी जाती रही है। लू से बचाव के उपायों खासतौर से खाली पेट नहीं रहने और तरल पदार्थ का अधिक से अधिक सेवन करने की सलाह दी जाती है। 1850 के बाद 2023 का साल सबसे गर्म साल रहा है पर जिस तरह से तापमान दिन प्रतिदिन बढ़ते हुए जन जीवन को प्रभावित कर रहा है। उससे साफ हो जाता है कि 1850 के बाद 2023 नहीं बल्कि अब तो 2024 सबसे गर्म साल रहने वाला है। समूचा उत्तरी, पश्चिमी, मध्य और पूर्वी भारत हीटवेव के चपेट में आ गया है। देश की राजधानी दिल्ली के साथ ही राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश, विदर्भ आदि गंभीर हीटवेव से प्रभावित इलाके हैं। राजस्थान के चुरु और फलोदी आदि का पारा तो 50 के आसपास ही चल रहा है। पानी, बिजली और हीटवेव के कारण बीमारी के हालात गंभीर होते जा रहे है। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल हो रहा है। इस समय हीटवेव के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त होने के साथ ही सड़कों पर कर्फ्यू जैसे हालात हो रहे हैं। असली समस्या तो सरकार के सामने पानी, बिजली और हीटवेव से प्रभावित लोगों को तत्काल इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद सभी प्रदेशों की सरकारें बेहतर प्रबंधन कर रही है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा 29 मई को जहां स्वयं भरी दोपहरी सिर पर गमछा लपेट राजस्थान की राजधानी जयपुर में पेयजल व्यवस्था को देखने निकल पड़े तो निश्चित रूप से प्रशासन और आमजन में एक संदेश गया है। कमोबेश इस तरह के प्रयास हीटवेव से प्रभावित अन्य राज्यों में भी किए जा रहे होंगे, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। सामान्यतः एक मार्च से लेकर 21 जून तक सूर्य देव धरती के नजदीक होते हैं। देशी पंचाग के अनुसार नौतपा चल रहे हैं और माना जाता है कि इन नौ दिनों तक गर्मी का प्रकोप कुछ अधिक ही रहता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के प्रमुख मृत्युजंय महापात्र के अनुसार आने वाले दिनों में पश्चिमी विक्षोभ और अरब सागर में नमी के कारण गर्मी से राहत मिलने के आसार अवश्य हैं। पर सवाल यह है कि इस भीषण लू या यूं कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम भी जिम्मेदार है। आज शहरी करण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी तो दूसरी और चाहे गांव हो या शहर आंख मींचकर कंक्रीट का जंगल खड़ा करते रहे और उसका दुष्परिणाम सामने हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्त्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। हमारे यहां मौसम के अनुसार खान-पान की समृद्ध परंपरा रही है पर उसे आज भुला दिया गया है। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि पहले समुद्र में तापमान बढ़ने के साथ ही आंधी तूफान का माहौल बन जाता था और बरसात होने से लोगों को तात्कालिक राहत मिल जाती थी। पर आज तो समुद्र का तापमान बढ़ने के बावजूद हीटवेव का असर ही अधिक हो रहा है।

ऐसे में अब तात्कालिक व दीर्घकालीक योजनाएं बनाकर भविष्य की रूपरेखा तय करनी होगी, क्योंकि यह तो साफ हो चुका है कि प्रकृति का हमने इतना दोहन कर लिया है कि हालात निकट भविष्य में सुधरते नहीं दिख रहे।

स्पीड न्यूज

सेवानिवृति नौकरी का हिस्सा : मुंडा

भुरकुंडा (रामगढ़)। सोंदा डी परियोजना में कार्यालय अधीक्षक के पद पर सीएमपीएफ में कार्यरत मिस मेरी को सेवानिवृत्त होने पर विदाई दी गई। परियोजना पदाधिकारी रामेश्वर मुंडा ने बुके देकर मिस मेरी के सुखद जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि सेवानिवृति नौकरी का हिस्सा होता है, इस रास्ते से एक न एक दिन हर कर्मी को गुजरना ही पड़ता है। मिस मेरी ने कहा कि मैं 1982 में केजुवल में बहाल हुई थी और 1983 में नियमित किया गया। मेरी एक राष्ट्रीय एथलीट के रूप में बेहतर जानी जाती है। उन्होंने हमेशा सीसीएल व कोल इंडिया को अपने प्रदर्शन से सम्मान दिलाया है। मौके पर नीना होरो, अंकुर कुमार, अभिनव आनंद, एके चौबे, रामविनय त्रिपाठी, ललन सिंह सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

तंबाकू धीमी जहर : अभिषेक कुमार

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा ओपी में शुक्रवार को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया गया। ओपी प्रभारी अभिषेक कुमार ने तंबाकू तथा इसके विभिन्न उत्पादों जैसे खैनी, बीड़ी, सिगरेट, गुटका आदि के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों से ओपी परिवार के लोगों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इन सभी उत्पादों के सेवन से प्रतिवर्ष लाखों लोगों की मौत होती है, इसलिए इससे सबों को सचेत रहना जरूरी है। उन्होंने तम्बाकू के सेवन को धीमा जहर बताते हुए कहा कि यह धीरे धीरे इंसान को मौत के मुंह में धकेलता है। स्वयं सुधरेंगे तभी हम दूसरों को सुधारने की बात कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में ओपी प्रभारी ने तम्बाकू के सेवन से बचने का संकल्प भी दिलाया।

रिटायर्ड कर्मी को दी गयी विदाई

भुरकुंडा (रामगढ़)। वार्ड आया बलविन्दर कौर के सेवानिवृत्ति पर आदर्श क्षेत्रीय सीसीएल अस्पताल भुरकुंडा में शुक्रवार को विदाई सह सम्मान समारोह हुआ। एरिया मेडिकल ऑफिसर डॉ. अनूप कुमार टोप्पो ने वार्ड आया बलविन्दर कौर को उपहार देकर भावभीनी विदाई दी। टोप्पो ने कहा कि सेवानिवृति नौकरी का हिस्सा होता है, इस रास्ते से हर कर्मी को एक न एक दिन गुजरना ही पड़ता है। मौके पर डॉ राजेश कुमार, ललन प्रसाद, केडी शरण, राहुल, गणेश, सत्यनारायण ठाकुर, अमलेश भौमिक, चैतन्य, राजन, राजेंद्र मुंडा, सिकंदर, सिस्टर स्नेहलता, शिशिर डांग, नेहा टोप्पो, रेखा कुमारी,जयमंती, नीलम, वीणा कुमारी, रूपा, रीता देवी, आदि मौजूद थे।

नन्द जी का मना समाधी वर्षगांठ

भुरकुंडा (रामगढ़)। पटेलनगर भुरकुंडा स्थित जयगुरु धाम स्थल में शुक्रवार को बाबा मातुदा नन्द जी का 55वां समाधी वर्षगांठ समारोह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर जय गुरुदेव धाम के ट्रस्टी रांची के विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा बाबा का पूजा-अर्चना के बाद 30 मई शाम से भजन कीर्तन किया गया। 31 मई को भजन-कीर्तन के समापन के बाद प्रसाद वितरण व भव्य भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ो श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुशील शर्मा, सुनील शर्मा, अनिल शर्मा, बालचंद जैन, राकेश शर्मा, शंकर गुप्ता, सुनील साहु, विष्णु मेहवल व श्याम सुन्दर शर्मा का विशेष योगदान रहा।

तंबाकू दिवस पर जागरूकता शिविर

रामगढ़। जिला विधिक सेवा प्राधिकार रामगढ़ के तत्वावधान में सदर अस्पताल रामगढ़ के सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जन जागरूकता शिविर तथा शपथ कार्यक्रम के साथ हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया । इस अवसर पर अस्पताल के डॉक्टर्स,चिकित्सा अधिकारी, कर्मचारी, डालसा रामगढ़ के पीएलवी सुमित कुमार, राजन कुमार मुंडा एवं आम जनता शामिल हुए। इस कार्यक्रम में तंबाकू से छुटकारा,इसके चपेट से बचाव , इसके प्रति लोगों को जागरुक करने , इसके कारण होने वाले बीमारियों खास कर कैंसर और इसके लक्षणों पर चर्चा की गई। सभी लोगों ने बीड़ी ,सिगरेट , सिगार, खैनी ,गुटखा , पान मसाला एवं अन्य किसी भी प्रकार का नशा नहीं करने का संकल्प लिया।

भुरकुंडा, भदानीनगर और बासल थाना में मना तम्बाकू निषेध दिवस

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा ओपी, भदानीनगर ओपी एवं बासल थाना में थाना में शुक्रवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। इस दौरान तीनों जगहों पर थाना प्रभारियों द्वारा थाना परिसर में जवानों के बीच तंबाकू निषेध की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर थाना प्रभारियों ने कहा की स्वास्थ्य के लिए तंबाकू का सेवन हानिकारक है। इसके सेवन से कैंसर, हार्ट अटैक सहित कई गंभीर बीमारी होने का खतरा बना रहता है ।जवानों को किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पादो का सेवन नहीं करने की बात कही गई। थाना प्रभारियों ने कहा कि थाना परिसर में तंबाकू, गुटका और पान मसाला खाना निषेध है। शपथ ग्रहण में भुरकुंडा ओपी प्रभारी अभिषेक कुमार, भदानीनगर ओपी प्रभारी संजय कुमार रजक, बासल थाना प्रभारी कैलाश कुमार सहित सशस्त्र बल मौजूद थे।

ग्रामीणों ने जायसवाल को बीजीआर के कारगुजारियों की दी जानकारी, कहा

प्रशासन की मिलीभगत से किया जा रहा है भयादोहन

सरकार बालू, कोयला तस्करी में मस्त और जनता बेहाल: जायसवाल

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। 22 मई को यहां एनटीपीसी के केरेडारी कोल माइंस में पांडू, आगर टोला में मुआवजा, विस्थापन एवं पुनर्वास की मांग कर रहें स्थानीय भू-रैयत मीणा देवी के साथ यहां कार्यरत एनटीपीसी की अधिनस्थ कंपनी बीजीआर के अधिकारियों द्वारा बिना मुआवजा दिए उनके घर को जबरन तोड़े जाने के मामले का वीडियो वायरल होने के बाद हजारीबाग सदर विधायक मनीष जायसवाल ने गंभीरता से लिया शुक्रवार को प्रचंड गर्मी के बाबजूद ग्राउंड जीरो पर पहुंचे और संबंधित मामले की गहनता से जांच-पड़ताल की। भुक्तभोगी रैयत महिला से मिलकर पूरी घटना की जानकारी ली तो कई चौंकाने वाली बातें सामने आई। मीणा देवी ने मनीष जायसवाल से कहा कि बिना विस्थापन के बीजीआर कंपनी ने हम लोगों का घर तोड़ दिया है। छोटे से घर में हमारा पूरा परिवार पांडू गांव में निवास करता था और बच्चे पढ़ाई करते थे लेकिन माइनिंग के कारण हमारे घर को ध्वस्त कर दिया गया। जिसके कारण हम पूरे परिवार कुछ दिनों तक तंबू में रहने के लिए मजबूर हुए। फिर बीजीआर कंपनी के लोगों के द्वारा और कंपनी के दलालों ने हमारे साथ मारपीट की, परिवार को घर से जबरन निकाल दिया और जेसीबी से 23 मई को पूरा घर को ध्वस्त कर दिया गया। जिसके विरोध में गांव के ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया फिर मुआवजा दिया गया, लेकिन विस्थापन अब तक नहीं मिला है। मेरे साथ घटे घटना को लेकर मैंने स्थानीय केरेडारी थाना, एसडीओ, एसपी और डीसी को आवेदन दिया बावजूद इसके कोई कारवाई नहीं हुई। वहीं अन्य रैयत ग्रामीणों ने कहा कि अपनी जमीन और कृषि योग्य भूमि नहीं खोना होना चाहते हैं। लेकिन कंपनी जबरन हम लोगों की जमीन छीन रही है जिसके कारण हमलोग बेघर हो रहे हैं और आगामी दिनों में मुआवजा के पैसे खत्म होने के बाद सारे लोग सड़क पर आ जाएंगे। ग्रामीणों की व्यथा सुनते हुए मनीष जायसवाल ने कहा कि एक वीडियो सोशल साइट पर वायरल हुआ। जब मैं पूरे वीडियो को देखा तो मामला अति संवेदनशील था महिला के साथ मारपीट की गई उसे घर से बेघर कर दिया गया। श्री जायसवाल ने कहा की मामले को देखते हुए महिला आयोग और मानवाधिकार आयोग में लिखित शिकायत करेंगे और हर संभव ग्रामीणों के पक्ष में खड़े होकर न्याय के लिए लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जन कल्याण के कार्यों को छोड़कर केवल बालू, कोयला तस्करी, ट्रांसफर- पोस्टिंग के उद्योग- धंधे में लगी हुई है। हेमंत सोरेन की पार्ट 2 की सरकार भी निकम्मी है। जिसके कारण आज राज्य की जनता बदहाली की जिंदगी जीने के लिए विवश हो रही हैं। किसी भी तरह से उन्हें सिर्फ अपना कमीशन लेना है। कोयला, बालू के उद्योग धंधे चलाने हैं, ग्रामीणों की जमीन हड़पने हैं, उन्हें विस्थापन नहीं करना है बल्कि उनके जायदाद को लूटना है और जान जोखिम में डालकर उन्हें उनके हाल में ही छोड़ देना है। कोयला के निराले खेल में राज्य सरकार बीजीआर कंपनी और स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत से ग्रामीणों का भयादोहन हो रहा है। इस भयादोहन का जिम्मेवार केवल राज्य सरकार है। कोयला, बालू, ट्रांसफर- पोस्टिंग का उद्योग धंधे करने वाले सरकार के खिलाफ हमारी उलगुलान होगी। पांडू ग्राम से लौटने के क्रम में जायसवाल ने बसरिया बाजार टांड़ में केरेडारी कोल खनन परियोजना के विस्थापित और प्रभावित करीब आधा दर्जन से अधिक गांवों के हजारों लोगों से संवाद किया। जायसवाल ने गंभीरता से विस्थापितों के बातों को सुना और कहा कि फिलहाल मैं पांडू में एक भू- रैयत महिला के साथ हुए अत्याचार और अमानवीय कृत्य की सच्चाई की जांच के लिए पंहुचा था और प्रथम दृष्टया घटना सत्य पाया है। अब जल्द ही स्थानीय पुलिस और जिला प्रशासन से बात करेंगे ।

मौके पर पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल मिश्रा, विधायक प्रतिनिधि दिनेश सिंह राठौड़ , विजय कुमार, अजय साहू, किशोरी राणा, विधायक प्रतिनिधि शिवपाल यादव, जयनारायण प्रसाद ,बालेश्वर कुमार ,प्रीतम सिंह, कर्मचारी साहू, आदित्य सोनी ,खेमलाल महतो, अमित गुप्ता, उपेंद्र सिंह ,बालेश्वर महतो, बाल गोविंद सोनी, नरेश महतो, सत्येंद्र सिंह, महेंद्र सिंह, शेर सिंह, पारसनाथ प्रसाद व अन्य मौजूद थे।

कटकमसांडी : पंचायत में विकास के नाम पर सरकारी राशि की बंदरबांट

- सीसीटीवी कैमरा, बिजली वायरिंग, इन्वायटर, चापानल मरम्मति, पुस्तकालय व ओपन जिम की खरीदगी में अनियमितता
- मुखिया व सचिव के मिलीभगत से हो रहा है राशि का दुरुपयोग

खबर मन्त्र संवाददाता

कटकमसांडी (हजारीबाग)। प्रखंड के सभी पंचायतों में पंचायत भवन के विकास के नाम पर सामग्री आपूर्तिकर्ताओं के मिलीभगत से मुखिया व सचिव द्वारा लाखों की सरकारी राशि के बंदरबांट का मामला प्रकाश मेंआया है। बता दें, प्रखंड के कई ऐसे पंचायत भवन हैं, जहां पर सीसीटीवी कैमरे, ओपन जिम, पुस्तकालय, चापानल मरम्मति के नाम फर्जी तरीके से भेंडर (आपूर्तिकर्ताओं) के सांठगांठ से सामग्री खरीदगी के नाम पर लाखों सरकारी राशि का बंदरबांट किया गया है।

किसी पंचायत भवन में लगे सीसीटीवी कैमरे का मूल्य एक लाख 49 हजार है, तो कहीं एक लाख रुपए का सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है। वहीं आपूर्तिकर्ताओं के मिलीभगत से पुस्तकालय के नाम पर मुखिया व पंचायत सचिव द्वारा लाखो रूपए का दुरुपयोग किया गया है और राशि की बंदरबांट की गई है। देखा जाय तो पुस्तकालय के नाम पर पंचायत भवनों में चार कुर्सियां, एक टेबल, चार पांच किताबों की सरकारी मूल्य एक लाख 49 हजार दिखाई गई है, जो जांच का विषय है। जबकि एक लाख 25 हजार रूपए से विद्यालयों में ओपन जिम लगाया गया है। ओपन जिम के नाम पर आपूर्तिकताओं, सम्बन्धित पंचायतों के मुखिया व पंचायत सचिव द्वारा ओपन लूट की गई है। 25 हजार के ओपन जिम की सामग्रियों का मूल्य एक लाख 25 हजार दिखाया गया है। बता दें कि प्रखंड क्षेत्र के कई पंचायत ऐसे भी हैं, जहां पर पंचायत की सरकार बदलते ही पंचायत भवन मे लगे बिजली वायरिंग, इन्वायटर सेट, चापानल मरम्मति के नाम पर सरकारी राशि की बंदरबांट की गई है। वहीं पंचायत भवनो में बिजली व्यवस्था दुरुस्त व नियमित रखने के लिए जेनररेटर की खरीदगी की गई है। मगर जेनरेटर को उपयोग मे आज तक नही लाया जा सका है। वर्षो से वह पंचायत भवन की शोभा मात्र बनकर रह गई है। राशि के बंदरबांट की वजह से पंचायत भवनों में लगे तमाम उपस्कर व सामग्री की गुणवत्ता की लगातार जांच की मांग पंचायत समितियों द्वारा की जा रही है।

पांच जून तक रोड सेल चालू करें प्रबंधन : समिति

भुरकुंडा (रामगढ़)। रोड सेल समिति के प्रतिनिधियों की बैठक शुक्रवार को लोवर सिमाना खान परिसर में हुई। इसकी अध्यक्षता गिरधारी गोप व संचालन सरोज कांत झा ने किया।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सीसीएल प्रबंधन 5 जून तक रोड सेल चालू करें अन्यथा 7 जून 2024 से बलकुदरा ट्रांसपोर्टिंग कार्य अनिश्चितकालीन समय के लिए बंद कर दिया गया जाएगा। साथ ही रोड सेल समिति वंचित विस्थापित-प्रभावितों से वार्ता भी जारी रखेगी और अपील करेगी कि वंचित विस्थापित-प्रभावित जो सकारात्मक रूप से रोड सेल से जुड़ना चाहते हैं उनका स्वागत है। मौके पर मनोज मांझी, विकास सोरने, रामदेव मुंडा, गोविंद करमाली, गणेश बेदिया, राजन तूरी, संतोष उरांव, संतोष पासवान, रॉवेल एक्का, अशोक तिवारी, उत्तम कुमार सहित सैकड़ो प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जुबिली कॉलेज के प्राचार्य को दी गयी विदाई

प्राचार्य एनके तिवारी को को विदाई देते शिक्षक।

भुरकुंडा (रामगढ़)। जुबली कॉलेज में शुक्रवार को निवर्तमान प्राचार्य प्रो. एनके तिवारी एवं गणित विभागाध्यक्ष डॉ महेंद्र पांडेय के विदाई सम्मान समारोह हुआ। महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने प्राचार्य को फूल माला पहनाकर सम्मानित करते हुए व्यथित मनएवं अश्रु भरे नेत्रों से विदाई दी। डॉ. एसपी पांडे ने निवर्तमान प्राचार्य एवं डॉ महेंद्र पांडेय के लंबे सेवा काल में ही महाविद्यालय ने नैक में बी ग्रेड विनोबा भावे विवि में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। निश्चित रूप से इनकी यह उपलब्धि जुबली कॉलेज भुरकुंडा के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। समारोह में निवर्तमान प्राचार्य एनके तिवारी ने वर्तमान नवनियुक्त प्राचार्य वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार सिंह झा को पदभार सौंपते हुए उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। नवनियुक्त प्राचार्य डॉ. ए.के.एस. झा ने निवर्तमान प्राचार्य प्रो. एनके तिवारी तथा डॉ. महेंद्र पांडेय को पुष्प गुच्छ देकर एवं अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए भावभीनी विदाई दी। मौके पर प्रो. अर्जुन कुमार मिश्रा, प्रो. राजेश कुमार, डॉ. विभा राय, डॉ. विशेश्वर रविदास प्रो. आलोक कुमार, प्रो. बालकृष्णा, प्रो. देव प्रकाश प्रसाद, डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ, देव प्रकाश प्रसाद, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. मिथिलेश, प्रो. एन पांडेय, सुरेश सिंह, डॉ. बालमुकुंद, प्रो. मनोज कुमार, प्रो. मनोज कुमार दास, प्रो गोपाल विश्वकर्मा, रामेश्वर उरांव, कृष्णा, सुखदेव आदि ने निवर्तमान प्राचार्य प्रो. एनके तिवारीएवं डॉ महेंद्र पांडेय के उज्जवल भविष्य एवं सुखद जीवन की कामना की।

आर्मी पब्लिक स्कूल रामगढ़ में समर कैंप संपन्न

- छात्रों को आर्चरी, बॉलीबॉल, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, ड्राइंग, आर्ट एंड क्राफ्ट, नृत्य व संगीत की दी गयी ट्रेनिंग

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। गर्मी की छुट्टी में आर्मी पब्लिक स्कूल रामगढ़ कैंट में 16 से 31 मई तक निःशुल्क समर कैंप लगा । कैंप का उद्देश्य छात्रों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ जीवन उपयोगी व्यावहारिक ज्ञान और विभिन्न कौशलों से अवगत कराना था। समर कैंप में छात्रों को आर्चरी, बॉलीबॉल, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, ड्राइंग, आर्ट एंड क्राफ्ट, नृत्य और संगीत की दी गयी ट्रेनिंग। कैंप ने केवल बच्चों को नई चीजें सीखने का मौका दिया । कैंप ने बच्चों को विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा को पहचानने और निखारने का अवसर प्रदान किया जो उनके भविष्य के विकास में सहायक सिद्ध होगा। यह सत्र सुबह 7:00 से 10:30 और शाम में 4:30 से 6:00 तक चला।

इन सत्रों के दौरान बच्चों में काफी उत्साह देखा गया और बच्चों ने गतिविधियों में बढ़- चढ़कर भाग लिया। शिक्षक और शिक्षिकाओं ने बच्चों का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई व बच्चों को हर गतिविधि में बेहतर बनाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया। कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों के लिए विशेष कक्षाएं भी आयोजित की गई। जिनमें उनकी परीक्षा की तैयारी और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान दिया गया था। समर कैंप में वरीय शारीरिक शिक्षक पीपीएस राठौर, अर्पणा पांडे, के डी पाठक, निशा जैन, धीरेंद्र कुमार, शिव जनम सिंह, संदीप राणा, मोहन विश्वकर्मा, संजीव कुमार, तान्या हलदार और ए पी शॉ आदि ने सक्रियता से भाग लिया और बच्चों को प्रोत्साहित किया। समर कैंप के समापन समारोह में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए नृत्य, संगीत, बॉलीबॉल, और अन्य गतिविधियों में अपने कौशल का प्रदर्शन किया जिसे देखकर शिक्षकगण भी प्रभावित हुए।विद्यालय के प्राचार्य पंकज कुमार जैन ने कहा कि यह कैंप बच्चों के लिए काफी लाभप्रद सिद्ध हुआ । साथ ही कहा कि टीम भावना पर जोर देना चाहिए और उन्होंने विशेष रूप से समर्पण, अनुशासन, समन्वय, आनंद और जैसे बिंदुओं को प्रमुखता से रेखांकित किया तथा सभी शिक्षकों ने भी सभी बच्चों को शुभकामनाएं दी।

एक नजर में

आंधी से केदारुत व कजरा में भारी नुकसान

बरही। शुक्रवार दोपहर में हुई तेज आंधी के साथ बारिश ने आमजनों को भारी नुकसान पहुंचाया है। वही केदारुत मुखिया प्रतिनिधि विशेश्वर यादव, पंसस विकास सिंह, जीतू ठाकुर व प्रदुम्न सिंह ने स्थल निरीक्षण किया। विशेश्वर यादव ने बताया कि चक्रवाती तूफान से केदारुत में कई व्यक्ति को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा कुछ लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। घायलों में ललन यादव के पुत्र व पुत्री शामिल है। साथ ही तेज हवा के कारण कजरा निवासी सुधीर राम, अनिल राम, बबुनी राम, जागेश्वर राम, बैजनाथ राम, महेंद्र कुमार दास आदि सभी केदारुत निवासी के घर का कोरकेट उड़ गया। खबर पाकर मुखिया प्रतिनिधि विशेश्वर यादव, पंचायत समिति सदस्य विकास सिंह, जीतू ठाकुर आदि उपस्थित होकर घटना की जानकारी प्राप्त किया और सक्षम प्रशासनिक पदाधिकारियों से राहत कोष से मुआवजा दिलाने की बात कही।

चौपारण में जगन्नाथ रथयात्रा की तैयारी शरू

चौपारण। श्री जगन्नाथ मंदिर बैधनाथ नगर सियरकोनी में शुक्रवार को सुबह रथ की पूजा की गई। पूजा के साथ ही रथयात्रा की तैयारी आरंभ कर दी गई। भक्ति वेदांता शिक्षालय के संस्थापक डॉ केशवानंद प्रभु ने बताया कि सात जुलाई को बेहद वृहद रथयात्रा का आयोजन किया जाएगा। पहले रथयात्रा में जो कमी रहेगी उसे दूर किया जायेगा। प्रमुख ट्रस्टी संजय सिंह ने बताया कि हजारीबाग,कोडरमा,चतरा जिले से हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। रथयात्रा के सुत्रधार तथा प्रमुख कार्यकारी अभिषेक सिंह ने बताया कि आयोजन में देश विदेश के इस्कान के भक्त जुटेंगे। पूरे पांच दिन महामहोत्सव का आयोजन बिगहा के हनुमत मंदिर मौसीबाड़ी गढकाली मंदिर प्रांगण में होगा। इस आयोजन में शामिल हो कर सेवा देने वाले भक्तों को सियरकोनी मंदिर आकर सुचीबद्ध करना होगा। आयोजन में इस्कान के सैकड़ों धर्म गुरु शामिल होंगे। मौके पर बिनोद सिंह, कैलाश सिंह , राजु सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

बरही : नाबालिग का अपहरण, मामला दर्ज

बरही। थाना क्षेत्र अंतर्गत बाराटांड से एक नाबालिग को अगवा करने का मामला प्रकाश में आया है। जिसमें पीड़िता की मां ने बरही थाना में लिखित आवेदन देकर पुलिस को बताया है कि उनकी पुत्री ट्यूशन पढ़ने जा रही थी और उसको अगवा कर लिया गया है। उक्त मामले को लेकर बरही थाना में कांड संख्या 219/24 के तहत अरुण कुमार उर्फ अरुण रविदास सहित अन्य दो को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। अभियुक्तों पर धारा 364, 34 भादवि एंड 8/12 पोक्सो एक्ट लगाया गया है। वहीं पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

तंबाकू निषेध दिवस पर दिलायी गयी शपथ

बरही। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी के नेतृत्व में बरही अनुमंडलीय अस्पताल ने जागरूकता रैली निकाली। रैली अस्पताल से निकलकर मुख्य सड़क से गुजरते हुए बरही चौक से होते हुए वापस अस्पताल पहुंचकर समाप्त हुई। स्वास्थ्य कर्मियों ने बैनर, तख्ती के साथ नारा लगाते हुए तंबाकू का प्रयोग नहीं करने को लेकर लोगों को जागरूक किया। साथ ही लोगों ने तंबाकू नहीं खाने की शपथ ली। डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी ने डॉक्टर एवं कर्मियों शपथ दिलाई गई। उन्होंने कहा कि किशोरों में तंबाकू की लत को छुड़ाने के लिए सामाजिक स्तर पर पहल करने की जरूरत है। तंबाकू से लाखों लोग कई गंभीर बीमारियों के शिकार होकर समय से पहले ही मौत के मुंह में चले जाते हैं। उन्होंने बताया गया कि तंबाकू का प्रयोग केवल स्वास्थ्य के लिए ही हानिकारक नहीं है बल्कि तंबाकू का प्रयोग पर्यावरण के लिए भी काफी घातक है। पूरे विश्व में प्रति वर्ष 70-80 लाख लोगों की मृत्यु तंबाकू जनित रोगों से होती है। । मौके पर डॉ प्रवीण कुमार, डॉ अंकुर बिहार, बीपीएम नारायण राम, सुधांशु शेखर, सहिया नुरेसा खातून, शाहजहँ बेगम, रीना वर्मा, महेश पासवान, मुजाहिद हुसैन, सरिता देवी सहित अन्य अस्पतालकर्मी मौजूद थे।

एनटीपीसी में स्वच्छता पखवाड़ा का समापन

बड़कागांव स्वच्छता पखवाड़ा 2024 के अंतिम दिन सीकरी स्थित कॉन्फ्रेन्स हॉल में पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना के द्वारा पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया । स्वच्छता पखवाड़ा के तहत परियोजना के द्वारा पिछले 15 दिनों से कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किये गए जिनमें स्वच्छता प्रतिज्ञा से लेकर परियोजना के विभिन्न परिसर एवं ऑफि स की सफाई, पर्सनल हाइजीन और सैनिटेशन पर व्याख्यान, आस पास के सार्वजनिक स्थानों जैसे मंदिर, प्राथमिक उपचार केन्द्र, स्कूल इत्यादि पर बेहतर कूड़ा प्रबंधन के लिए डस्टबीन वितरण,विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस पखवाड़े के अंतिम दिन शुक्रवार को प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया ताकि उनका हौसला अफजाई हो सके और वे आगे भी इस तरह के कार्यक्रम के सहभागी बनें। कर्मचारियों के अलावा मैती के विद्यार्थियों को भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए पुरस्कार दिया गया । पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में मुख्य अतिथि संजय कुमार दूबे महाप्रबंधक (इंफ्रा), केतन मेवाड़ एजीएम के अलावा मानव संसाधन विभाग के अपर महाप्रबंधक अमित कुमार अस्थाना एवं अन्य कर्मचारी गण मौजूद रहे।

कबिलासी पंचायत में वज्रपात से 9 पशुओं की मौत

दारू(हजारीबाग)। कबिलासी में शुक्रवार को वज्रपात से 9 पशुओं की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शुक्रवार को लगभग 3:00 बजे दोपहर को हमलोग अपने पशुओं को लेकर गांव के बाहर खेतों में चरने के लिए ले गए थे, इसी बीच हल्की बारिश के साथ मेघ गर्जन होने लगीं और वज्रपात हुआ, नौ पशुओं की मौत हो गई। कबीलासी निवासी हकीम मिया का दो बकरी, मुस्तकिन मिया का एक बकरी और राजेंद्र यादव का छहबकरा बकरी की घटनास्थल पर मौत हो गई।

मुक बधीर ने एसडीपीओ को दिया पेंटिंग

बरही। बरही कोनरा निवासी सुनील मिश्रा अपने कलाकारी के लिए क्षेत्र में बेहद प्रसिद्ध है। सुनील मिश्रा एवं इनके सहयोगी संदीप विश्वकर्मा एक से बढ़कर एक कलाकृतियां तैयार की जाती है। वहीं शुक्रवार को सुनील मिश्रा के नेतृत्व में संदीप विश्वकर्मा द्वारा पेंटिंग तैयार कर अपर पुलिस अधीक्षक सह बरही एसडीपीओ सुरजीत कुमार को उपहार स्वरूप भेंट किया गया। ज्ञात हो कि संदीप विश्वकर्मा ने सुनील मिश्रा के साथ मिलकर इन्होंने एक से बढ़कर एक चित्रकारी किया है। मिश्रा ने बताया कि कला एक ऐसा साधन है जिससे कलाकार अपनी भावनाओं, विचारों और दृष्टिकोणों को साझा करता है और इसमें ईमानदारी का महत्वपूर्ण स्थान होता है। उन्होंने कहा कि एक सच्चे कलाकार की पहचान उसकी रचनाएं होती हैं, जो समय के साथ बढ़ती हैं और लोगों के दिलों में स्थिरता बनी रहती हैं। वहीं कला की एसडीपीओ सुरजीत कुमार ने कला की प्रशंसा करते हुए मुक बधिर कलाकार संदीप विश्वकर्मा का हौसला बढ़ाया।

पीएम मोदी की ध्यान साधना

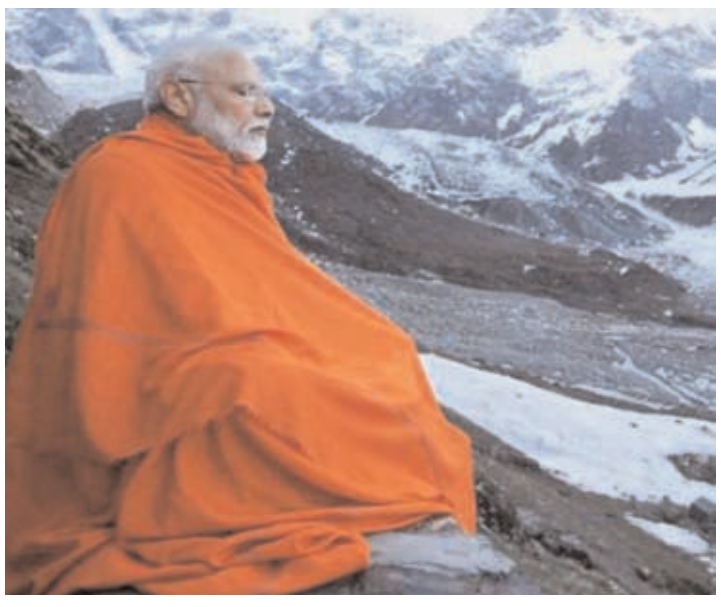

बीके पाण्डेय

पीएम मोदी की साधाना : उद्येश्य प्राप्ति का अचूक फॉर्मूला है ध्यान, इसमें कितनी होती है ताकत,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ध्यान आज चर्चा के केंद्र में है. उन्होंने शुक्रवार को सुबह मां अम्मन मंदिर में पूजा अर्चना की और इसके बाद विवेकानंद रॉक मेमोरियल के ध्यान केंद्र में ध्यान साधाना में तल्लीन हो गए. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 48 घंटे तक ध्यान शाधना में तल्लीन रहेंगे। ध्यान भारत की बहुत प्राचीन परंपरा है और योग का अगला पड़ाव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले योग को देश-विदेश में प्रचारित कर चुके हैं और अब ध्यान की ताकत को भी दुनिया से परिचित कराना चाहते हैं। पर क्या आपको पता है कि ध्यान होता क्या है? ध्यान कैसे किया जाता है और ध्यान का क्या उद्येश्य होता है। यहां हम विस्तार से श्रीमद् राजचंद्र मिशन की संस्थापक श्री गुरु रत्ना प्रभु से बातचीत के आधार पर इसकी बारीकियों को बताएंगे।

क्या होता है ध्यान

ध्यान मन को साधने की प्रक्रिया है जिसका उद्येश्य सत्य के लिए कुछ मांगना हो सकता है। इसमें मन की चेतना को एक खास अवस्था में स्थिर करना होता है। वैसे तो ध्यान का उद्येश्य अपने आप में एक लक्ष्य है लेकिन इससे कुछ प्राप्त करने के निमित्त से भी ध्यान किया जाता है। इसमें कई विधियां हैं। आमतौर पर साधक एक खास मुद्रा में एकांत में स्थिर होकर बैठ जाता है और मन से सभी विचारों को निकालकर सिर्फ उद्येश्य वाले विचारों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह कुछ मिनटों से लेकर कई घंटों तक का हो सकता है। श्री गुरु रत्ना प्रभु कहती हैं कि ध्यान की कई विधियां होती हैं और हरेक को ध्यान ही कहा जाता है।

ध्यान कैसे किया जाता है

श्री गुरु रत्ना प्रभु कहती हैं कि ध्यान में सबसे पहले हमें अपने सांस पर नियंत्रण रखना होता है। इसके बाद अपने मन को विश्राम की अवस्था में ले जाना होता है। जब हम इस विश्राम में ऊंचे मन वाले विचार या प्रार्थना को आरोपित करते हैं तो ब्रहांडीय शक्ति अपने फल की तरफ अपनी यात्रा शुरू कर देती है। मोदी जी आंख बंद कर क्या विचार कर रहे हैं ये तो शायद ही कोई बता पाएगा लेकिन जिस जगह पर मोदी जी प्रार्थना कर रहे हैं उस जगह पर ध्यान का परिणाम बहुत अलग होता है। अगर वे मन को शांत कर कोई प्रार्थना या उचित विचार डाल रहे हैं तो यह सभी के हित में है।

पीएम मोदी का क्या है उद्येश्य

श्री गुरु रत्ना प्रभु कहती हैं कि ध्यान का निहित उद्येश्य होता है। उन्होंने बताया कि जिस तरह गांधी जी अपनी मांगों को लेकर अनशन करते थे, ध्यान कुछ-कुछ इसी तरह से होता है। इसमें ब्रह्मांडीय शक्ति से उद्येश्य प्राप्ति के लिए एकाग्रचित होकर मांगें की जाती है। जब हम ब्रह्माडीय शक्ति से कुछ मांगों को पूरा करावाना चाहते हैं तब ध्यान के आधार का सहारा लिया जाता है। अगर यह उद्येश्य ब्रह्मांड के औचित्य के लिए हो, सृष्टि के लाभ के लिए हो, तो ब्रह्माडीय सत्ता इस उद्येश्य को पूरा करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का क्या उद्येश्य है यह तो उनके मन में ही होगा लेकिन निश्चित रूप से प्रधानमंत्री उच्च उद्येश्यों को प्राप्त करने के लिए यह ध्यान कर रहे हैं।

विवेकानंद रॉक मेमोरियल पर ही ध्यान क्यों

विवेकानंद रॉक मेमोरियल का विशेष महत्व हैं। श्री गुरु रत्ना प्रभु के मुताबिक हमारे शास्त्रों में यह वर्णित है कि माता पार्वती अपनी कामना की पूर्ति के लिए इसी पत्थर पर साधना की थी जिसके बाद भगवान शिव प्रसन्न होकर उनकी कामना की पूर्ति की थी। कन्याकुमारी में आज भी देवी मां का मंदिर स्थित है। रत्ना प्रभु ने कहा कि स्वामी विवेकानंद भी इसी पत्थर पर समंदर में तेज लहरों के बीच तैरकर साधाना करने गए थे। उन्होंने देवी मां से अपने आध्यात्मिक विकास के लिए मांगा था। इसी उद्येश्य की पूर्ति के लिए उन्होंने तीन दिनों तक कठोर साधना की थी। इसकी बदौलत उन्होंने अपने भीतर आध्यात्मिक विकास को साधा। इसी को उन्होंने देश-विदेश तक फैलाया। विवेकानंद के लिए यह स्थान निवृति स्थल था। दरअसल, प्रवृति के समय विवेकानंद अपने विचारों को फैलाते थे और निवृति के समय अपने विचारों को ध्यान में जाकर और तटस्थ करते थे। ऐसा माना जाता है कि विवेकानंद को इसी जगह ध्यान के दिव्य अनुभवों में बोध की प्राप्ति हुई।

48 घंटे ही क्यों

श्रीगुरु रत्ना प्रभु ने कहा कि ऐसा नियम नहीं होता कि किसी ध्यान को 48 घंटे या 43 घंटे में पूरा करना ही चाहिए लेकिन जब हम किसी विचारधारा को 48 घंटे तक सतत प्रवाहित करते हैं तो वह विचारधारा सत्य की तरफ अपना रुख ले लेती है। आजकल हम किसी विचार को 48 मिनट तक नहीं रोक पाते हैं लेकिन मोदी जी किसी निश्चय से ही एक विचार को 48 घंटे तक प्रवाहित करना चाहते हैं। यह बहुत बड़ी बात है। हालांकि लंबे ध्यान में बीच में शरीर के आवश्यक कार्य को भी किया जा सकता है। इसमें पानी भी भी सकते हैं। हल्का आहार भी ले सकते हैं लेकिन आवश्यक यह है कि हम जिस विचार को लेकर चल रहे है वह दिशा पकड़ कर रखें। इसमें दिशा न भटके। जब कोई विचार 48 घंटे तक सतत प्रवाहित होता है तो वो विचार अपने अस्तित्व को धारण करने लगता है वह सत्य होने लगता है। यह कार्य सिद्धि की ओर जाता है।

ध्यान में असीम शक्ति

श्री गुरु रत्ना प्रभु कहती हैं कि ध्यान में असीमित शक्ति होती है। ध्यान से न केवल आध्यात्मिक बल्कि मानसिक और शारीरिक फायदे भी होते हैं। इसलिए हर किसी को ध्यान करना चाहिए। श्री गुरु रत्ना प्रभु ने बताया कि आज के जीवन में तनाव सबसे बड़ी बीमारी है। अधिकांश बीमारियों के लिए तनाव जिम्मेदार है। ध्यान तनाव को दूर कर देता है। अगर मन तनाव से आजाद हो जाए तो शरीर स्वतः ही स्फूर्त महसूस करेगा। कुछ नया करने का रोमांच पैदा होगा। ध्यान तनाव को भगाता है और नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है। ध्यान हमारे मनोभावों को क्रेंद्रित कर देता है।

मोदी ने योग साधना के लिए क्यों चुना विवेकानंद रॉक?

एनके मुरलीधर

स्वामी विवेकानंद से क्या है नरेंद्र कनेक्शन

लोकसभा चुनाव प्रचार खत्म करने का बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को कन्याकुमारी स्थित विवेकानंद रॉक मेमोरियल पहुंचे। यहां सबसे पहले उन्होंने भगवती अम्मन मंदिर में प्रार्थना की। उसके बाद पीएम मोदी ने शाम करीब 6.75 बजे ध्यान साधना शुरू की। लोकसभा चुनाव प्रचार खत्म करने का बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को कन्याकुमारी स्थित विवेकानंद रॉक मेमोरियल पहुंचे। यहां सबसे पहले उन्होंने भगवती अम्मन मंदिर में प्रार्थना की। उसके बाद पीएम मोदी ने शाम करीब 6.75 बजे ध्यान साधना शुरू की। पीएम मोदी की ये ध्यान साधना 45 घंटे तक चलेगी औ? शनिवार 1 जून शाम को पूरी होगी। लोकसभा चुनाव के आखिरी और सातवें चरण के लिए 1 एक जून को मतदान होना है। इसी बीच पीएम नरेंद्र मोदी अंतिम चरण के मतदान से पहले गुरुवार, 30 मई की शाम को तमिलनाडु के कन्याकुमारी के दौरे पर पहुंचे।

2014, 2019 और 2024... शिवाजी के प्रतापगढ़, केदारनाथ और अब

प्रचार खत्म होते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर आध्यात्मिक यात्रा पर जा रहे हैं। वे तमिलनाडु के कन्याकुमारी में ध्यान लगाएंगे। पीएम 30 मई को कन्याकुमारी पहुंचेंगे और 1 जून तक वहीं रहेंगे। कन्याकुमारी में महासागर के बीच उभरी इस विशाल चट्टान पर आसीन होकर ध्यान लगाएंगे। वो भी उसी शिला पर जहां स्वामी विवेकानंद ने ध्यान लगाया था। ऐसा नहीं है कि पीएम मोदी चुनाव अभियान के बाद पहली बार ध्यान लगाने के लिए जा रहे हैं। 2014 में वो शिवाजी के प्रतापगढ़ और 2019 में उत्तराखंड में स्थित केदारनाथ गुफा पहुंचे थे। पीएम मोदी देश में अब तक जहां-जहां दौरे पर पहुंचे, वहां पर्यटन को जबरदस्त रफ्तार मिली है। पर्यटकों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हुआ है।

लोकसभा चुनाव में सातवें फेज में 1 जून को वोटिंग होनी है। चुनाव प्रचार 30 मई की शाम 5 बजे खत्म हो चुका है। पीएम मोदी पंजाब के होशियारपुर में अपनी आखिरी रैली करेंगे और उसके बाद वो वहीं से तमिलनाडु के कन्याकुमारी के लिए रवाना हो जाएंगे। पीएम वहां समुद्र तट से 500 मीटर भीतर स्थित विवेकानंद रॉक मेमोरियल पहुंचेंगे और 31 मई से एक जून की शाम तक (24 घंटे) ध्यान मंडपम में ध्यान पर चले गये हैं। स्थानीय प्रशासन ने इसके लिये पूरी व्यवस्था कर ली है।

कन्याकुमारी,

लोकसभा चुनाव के आखिरी फेज में प्रचार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आध्यात्मिक यात्रा पर जा रहे हैं. इस बार वे कन्याकुमारी में आध्यात्मिक प्रवास पर हैं। पीएम मोदी 30 मई से 1 जून तक कन्याकुमारी में ध्यान लगाएंगे। स्वामी विवेकानंद ने भी यहीं तप किया था। पीएम ने 2019 में केदारनाथ, 2014 में शिवाजी के प्रतापगढ़ में ध्यान लगाया था।

2024 के लोकसभा चुनाव में आखिरी फेज का

132 साल पहले स्वामीजी ने भी यहीं किया था तप

विवेकांनद रॉक मेमोरियल वही जगह है, जहां 132 साल पहले स्वामी विवेकानंद तैरकर पहुंचे थे और उन्होंने तीन दिन तक ध्यान लगाया था। स्वामी जी 25, 26, 27 दिसंबर 1892 को यहां तप किया था। कहा जाता है कि यहीं उन्हें भारत माता की दिव्य अवधारणा की अनुभूति हुई थी। इतना ही नहीं, पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने भी यहां दो घंटे तक ध्यान लगाया था।

क्यों महत्वपूर्ण है यह शिला?

इस यात्रा का स्वामी विवेकानंद के जीवन पर खासा प्रभाव पड़ा। लोगों का मानना है कि जिस प्रकार सारनाथ गौतम बुद्ध के जीवन में विशेष स्थान रखता है, उसी तरह यह जगह भी स्वामी विवेकानंद के जीवन में भी वैसा ही स्थान रखती है। देशभर में घूमने के बाद उन्होंने यहां पहुंचकर तीन दिनों तक तपस्या की और विकसित भारत का सपना देखा। उसी स्थान पर ध्यान करना स्वामीजी के विकसित भारत के दृष्टिकोण को जीवन में लाने की पीएम मोदी की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

कन्याकुमारी में समंदर की अतल गहराइयों से उभरी इस शिला का महत्व ऐतिहासिक ही नहीं, पौराणिक भी है। मान्यताओं के मुताबिक, देवी पार्वती ने भी इसी स्थान पर एक पैर पर खड़े रहकर भगवान शिव के लिए उपासना की थी। देवी पार्वती शिव के लिए यहीं पर प्रतीक्षारत रहीं। भारत के इस दक्षिणी छोर का एक और महत्व ये है कि यहीं पर भारत की पूर्वी और पश्चिमी तट रेखाएं भी मिलती हैं। ये हिंद महासागर, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर का मिलन बिंदु भी है। ये स्थान अब पर्यटन का भी केंद्र है। बड़ी तादात में सैलानी विवेकानंद मेमोरियल आते हैं। पीएम मोदी कन्याकुमारी जाकर राष्ट्रीय एकता का संकेत दे रहे हैं।

2014 में कहां गए थे पीएम मोदी

2014 में चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद पीएम मोदी ने छत्रपति शिवाजी महाराज के उस प्रतापगढ़ का दौरा किया था, जहां शिवाजी ने अपने बाघनख से आततायी अफजल खान खान का पेट फाड़ दिया था। कभी ऊंचे पहाड़ों की खामोशी, कभी समंदर की लहरों का शोर तो कभी ऐतिहासिक महत्व के किले। पीएम मोदी के लिए सामाजिक संदेश के लिए तरह तरह से प्रतीक बनते हैं। प्रतापगढ़ का दौरा काफी चर्चा में रहा था।

2019 में केदारनाथ गुफा गए थे पीएम मोदी

पीएम मोदी का केदारनाथ से करीब 5 दशक से भी ज्यादा पुराना जुड़ाव है। साल 1968 में पीएम मोदी वडनगर से आध्यात्म की तलाश में कोलकाता के लिए निकले थे। बाद में वे विभिन्न जगहों की यात्राएं करते हुए केदारनाथ से तीन किमी दूर गरुड़ चट्टी पहुंचे थे। वहां पर पीएम मोदी ने करीब डेढ़ महीने तक साधना की थी। लोकसभा चुनाव 2019 का प्रचार समाप्त होते ही प्रधानमंत्री मोदी एक बार फिर केदारनाथ पहुंचे और वहां एक गुफा में ध्यान लगाया था। उसके बाद इस गुफा ने दुनियाभर में सुर्खियां बटोरी थीं। पीएम मोदी यहां 18 मई 2019 को गए थे। उन्होंने सबसे केदारनाथ मंदिर में दर्शन किए थे। उसके बाद गुफा में ध्यान लगाया और पूरी रात वहां गुजारी थी। गढ़वाल मंडल विकास निगम के अनुसार, यहां अब रात्रि प्रवास के लिए 3700 रुपये है। जब पीएम मोदी यहां गए थे तब यहां रात्रि प्रवास का शुल्क 1500 रुपये और दिनभर के लिए 990 रुपये का शुल्क था। समुद्री तल से 12 हजार फीट की ऊंचाई पर मौजूद इस गुफा में वाई-फाई, फोन और बेड का भी इंतजाम है। यही कारण रहा था कि प्रधानमंत्री के जाने के बाद ये काफी चर्चा में आ गई थी। गुफा में ध्यान लगाती प्रधानमंत्री की तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल भी हुई थी।

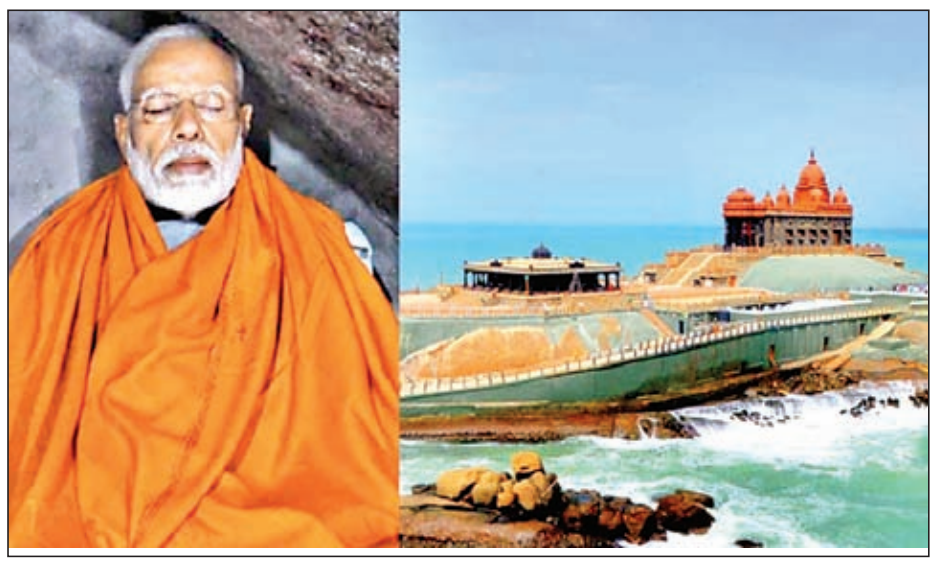

जहां स्वामी विवेकानंद ने तप किया, वहां पीएम मोदी ने लगाया ध्यान

पीएम मोदी ने 2015 में कोलकाता पहुंचे थे और वहां पर उन्होंने बेलूर मठ में ध?यान लगाया था। पीएम मोदी 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद 11 मई 2015 को बेलूर मठ पहुंचे थे। उन्होंने अपनी इस यात्रा के दौरान उस कमरे में जाकर ध्यान लगाया था, जहां खुद स्वामी विवेकानंद साधना किया करते थे।

इस साल द्वारका गए थे पीएम मोदी

पीएम ने इसी साल फरवरी में गुजरात में समुद्र के भीतर जाकर जलमग?न द्वारका नगरी के दर्शन किए थे। पीएम मोदी की तस्वीरें सामने आई थीं, जिनमें वो डाइविंग हेलमेट और गेरुआ वस्त्र पहने थे और समुद्र तल पर पालथी मारकर बैठे दिखे थे। पीएम ने वहां पर ध्यान लगाया था। पीएम मोदी ने कहा था, समुद्र में द्वारका के दर्शन ने विकसित भारत के मेरे संकल्प को और मजबूत किया है।

पीएम मोदी ने इस चुनाव प्रचार अभियान के दौरान यह जनता को बता भी दिया था कि वह 2014 में जनता के लिए आशा, 2019 में जनता के लिए विश्वास और इस बार 2024 में जनता के लिए मोदी की गारंटी लेकर आए हैं। ऐसा नहीं है कि 2024 में चुनाव अभियान के खत्म होने के बाद पीएम मोदी आध्यात्मिक यात्रा पर गए हों। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2019 में लोकसभा चुनाव का प्रचार समाप्त होने के बाद केदारनाथ गए थे, जहां उन्होंने रुद्र गुफा में बैठकर ध्यान किया था। 2014 में पीएम मोदी शिवाजी के प्रतापगढ़ किले में गए थे। हालांकि, पीएम मोदी ने जहां-जहां का भी दौरा किया, वहां पर्यटकों की संख्या में जबरदस्त उछाल देखने को मिला।

चार को मतगणना के दिन जिले में धारा 144 लागू, रहेगा ड्राई डे

डीसी ने मतगणना को लेकर प्रत्याशियों व चुनाव अभिकर्ताओं के साथ की बैठक

>> 08 बजे से पोस्टल बैलेट और 8:30 बजे से ईवीएम से कॉउंटिंग होगी शुरू
>> 4 बजे भोर में खोला जायेगा पोस्टल बैलेट का स्ट्रांग रुम,7 बजे सुबह खुलेगा ईवीएम स्ट्रांग रुम
>> मोबाइल फोन, माचीस, लाइटर, वॉटर बॉटल, तंबाकू, सिगरेट, इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट, च्युइंगम गम के साथ प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा।

चुनाव अभिकर्ताओं के साथ बैठक करते डीसी अनन्य मित्तल व अन्य।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को लेकर 04 जून को को-ऑपरेटिव कॉलेज में मतगणना प्रस्तावित है।

मतगणना कार्य पूरी निष्पक्ष एवं पारदर्शी रहे, इसे लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल ने लोकसभा चुनाव के प्रत्याशियों व चुनाव अभिकताओं के साथ समाहरणालय सभागार में बैठक कर मतगणना से संबंधित तैयारियों एवं व्यवस्थाओं से अवगत कराया। उप विकास आयुक्त मनीष कुमार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अनंत कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रियंका सिंह, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी पंचानन उरांव बैठक में मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मतगणना संबंधित गाइडलाइन का अक्षरशः अनुपालन किया जाएगा। मतगणना प्रक्रिया के निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के लिये सभी आवश्यक कदम जिला प्रशासन द्वारा उठाये जा रहे हैं।

राजनीतिक दल व निर्दलीय प्रत्याशी द्वारा मतगणना हॉल के प्रत्येक टेबल के लिये काउंटिंग एजेंट रखे जा सकते हैं।

07:59 तक प्राप्त किये जायेंगे सर्विस वोटर के पोस्टल बैलेट

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी प्रत्याशियों को काउंटिंग एजेंट रखने के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग के गाइडलाइन से अवगत कराया। उन्होने कहा कि प्रत्याशियों एवं सभी काउंटिंग एजेंट को मतगणना के दिन कॉलेज परिसर में प्रवेश हेतु पहचान पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अपने स्तर से सभी काउंटिंग एजेंट को सूचित कर दें ताकि निर्धारित समय में सभी मतगणना परिसर में प्रवेश कर जायें। ईवीएम स्ट्रांग रूम से काउंटिंग हॉल के बीच ईवीएम लाने के लिये अलग से बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है।

इसके अलावा 360 डिग्री मूवमेंट वाला पर्याप्त सीसीटीवी भी लगवाया जा रहा है। पर्याप्त वीडियोग्राफर की भी प्रतिनियुक्ति रहेगी ताकि हर स्पॉट पर पूरी निगरानी हो सके। कोई भी एरिया शैडो एरिया नही रहेगा, चप्पे चप्पे पर पूरी निगरानी रहेगी। मतगणना के लिए विधानसभावार देखें तो 44-बहरागोड़ा के लिए 14 टेबल, 45-घाटशिला हेतु 15, 46-पोटका के लिए 16, 47- जुगसलाई के लिए 20, 48-जमशेदपुर पूर्वी के लिए 19 तथा 49-जमशेदपुर पश्चिमी के लिए 16 टेबल लगाये जाएंगे। इसके अलावा 04 जून को पूर्वाह्न 7:59 बजे तक सर्विस वोटर के पोस्टल बैलेट प्राप्त किये जायेंगे। सुबह 04 बजे ईटीपीबीएस और पोस्टल बैलेट स्ट्रांग रूम खुलेगा, वहीं पूर्वाह्न 7 बजे ईवीएम स्ट्रांग रूम खोले जाएंगे। 08 बजे से ईटीपीबीएस और पोस्टल बैलेट की गणना शुरू होगी, वहीं 8:30 बजे से ईवीएम से कॉउंटिंग शुरू किया जाएगा। मतगणना केंद्र में प्रवेश के दौरान काउंटिंग एजेंट को कॉपी, पेन एवं कागज लाने की ही अनुमति होगी, किसी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, खाने-पीने की वस्तु या अन्य कोई भी सामान ले जाने की अनुमति नही हैं। उन्होंने सभी प्रत्याशियों से कहा कि अपने स्तर से सभी बातों को अच्छे से काउंटिंग एजेंट को ब्रीफ कर दें, दिए गए दिशा-निदेशों एवं अनुशासन का पालन करेंगे। उन्होने कहा कि काउंटिंग एजेंट को मतगणना के दौरान कुछ पूछना/ जानकारी/ समस्या/ शिकायत रहने पर सीधे तौर पर एआरओ, आरओ, या ऑब्जर्वर को संज्ञान में दे सकते हैं।

सभी पदाधिकारी मतगणना के दौरान कॉलेज परिसर में मौजूद रहेंगे। इसके अलावा बताया गया कि पूरे जिले में धारा 144 लागू है। 04 जून को ड्राई डे रहेगा, सभी अनुज्ञप्तिधारी सरकारी शराब दुकान बंद रहेंगे, साथ ही किसी भी प्रकार से अवैध शराब बिक्री पर निगरानी रखते हुए विधि सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मतगणना के लिए अधिकारियों और कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

जमशेदपुर। एक्सएलआरआई सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल के निर्देशानुसार मतगणना हेतु प्रतिनियुक्त पदाधिकारी एवं कर्मियों का प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में शामिल उप विकास आयुक्त मनीष कुमार ने 4 जून को जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र के मतगणना को लेकर अधिकारी व कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उप विकास आयुक्त ने कहा कि मतगणना कायार्देश निकाला गया है, जिसमें सभी संबंधित पदाधिकारी, कर्मियों के कार्य-दायित्व का स्पष्ट उल्लेख है। जिन्हें जो दायित्व दिया गया है, उसका शतप्रतिशत अनुपालन करेंगे। इसमें किसी भी तरह की कोई चूक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने क्रमवार जारी कायार्देश में संबंधित पदाधिकारियों एवं उनके साथ टैग किए गए कर्मियों की पहचान कराते हुए मतगणना दिवस के काम की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मतगणना केंद्र में बिना परिचय पत्र के कोई प्रवेश नहीं करेंगे। मतगणना कार्य में जो काउंटिंग असिस्टेंट (सीए), काउंटिंग सुपरवाइजर (सीएस) एवं माइक्रो ऑब्जर्वर (एमओ) रहेंगे उन्हें नियुक्ति पत्र व परिचय पत्र उपलब्ध कराने हेतु सम्बन्धित पदाधिकारी को निर्देशित किया। सभी विधानसभा क्षेत्र से संबंधित प्राप्त मतों के आंकड़ा को निवार्ची पदाधिकारी के टेबल को समर्पित करने से पूर्व आंकड़ों की दोबारा जांच के लिए सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए अलग-अलग पदाधिकारी नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने मतगणना से पूर्व के कार्यों का निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को जरूरी निर्देश दिया। पोस्टल बैलेट को वज्र गृह से ले जाने और मतगणना हॉल में रखने, बैलेट मत पत्रों, ईटीपीबीएस की गणना, पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी करने, मतगणना तिथि को सभी वज्र गृह में बिजली आपूर्ति सुचारू रखने आदि को लेकर जरूरी निर्देश दिया। कहा कि मतगणना केंद्र परिसर पूरी तरह सीसीटीवी एवं वीडियोग्राफी की निगरानी में रहेगा। मतगणना केंद्र में मोबाइल फोन, माचीस, लाइटर, वॉटर बॉटल, तंबाकू, सिगरेट, इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट, च्युइंगम गम आदि के साथ प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। मौके पर पीडी आईटीडीए दीपांकर चौधरी, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अनन्त कुमार, एडीसी रोहित सिन्हा, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रियंका सिंह, एसडीओ धालभूम पारुल सिंह व घाटशिला समेत अन्य एआरओ, सभी ईईआरओ उपस्थित थे।

स्पीड न्यूज

वरिष्ठ पत्रकार शक्तिब्रत चौधरी का निधन

जमशेदपुर। शहर में लंबे समय तक पत्रकारिता करने वाले हिन्दी के वरिष्ठ पत्रकार शक्तिब्रत चौधरी का निधन हो गया है। उन्होंने कोलकाता में अंतिम सांस लिया। वे बीमार चल रहे थे और इलाज के क्रम में उनका निधन गुरुवार की रात्रि 8 बजे हो गया। शुक्रवार को कोलकाता में ही उनकी अंत्येष्टि कर दी गई। शक्तिब्रत चौधरी अपने पीछे पत्नी और इकलौती बेटी अंतरा चौधरी को छोड़ गए हैं। वे कुछ साल से कोलकाता में ही अपने परिजनों के साथ रहते थे। शक्तिब्रत चौधरी ने अपने पत्रकारिता का सबसे लंबी अवधि हिन्दुस्तान में सेवा देते हुए बितायी, और वहां से ईएसएस लेकर सक्रिय पत्रकारिता को अलबिदा कह दिया। उन्होंने पत्रकारिता पर कई पुस्तकें भी लिखीं। उनकी गिनती गंभीर और बेहद पेशेवर पत्रकार के रुप में होती थी। उनके आकस्मिक निधन पर शहर के पत्रकारों ने शोक प्रकट किया है और कहा है कि चौधरी जी का निधन पत्रकारिता के लिए अपूरणीय क्षति है।

वयोवृद्ध साहित्यकार श्रीराम पाण्डेय भार्गव पंचतत्व में विलीन

जमशेदपुर। नगर के वयोवृद्ध साहित्यकार सिंहभूम जिला हिन्दी साहित्य सम्मेलन/तुलसी भवन, साहित्य समिति के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष एवं जमशेदपुर भोजपुरी साहित्य पतिषद के उपाध्यक्ष श्रीराम पाण्डेय भार्गव (85 वर्ष) का निधन कल रात्रि प्रहर में हो गया। वे कई दिनों से बीमार चल रहे थे। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए। उनका अंतिम संस्कार भूइंयाडीह स्वर्णरेखा शमशान घाट पर किया गया। अंतिम संस्कार में 'जमशेदपुर भोजपुरी साहित्य परिषद' एवं 'तुलसी भवन' से जुडे.नगर के साहित्यकारों में सर्वश्री प्रसेनजित तिवारी, यमुना तिवारी व्यथित, अजय कुमार ओझा, उदय प्रताप हयात, कैलाश नाथ शर्मा 'गाजीपुरी', अनिरुद्ध त्रिपाठी 'अशेष', हरिहर राय चौहान, ब्रजेन्द्रनाथ मिश्र, सुरेशचंद्र झा, मामचंद्र अग्रवाल 'बसंत', शिव प्रसन्न पाण्डेय, मदन पाण्डेय, राजेश भोजपुरिया, संजय पाठक स्नेही टाटा मोटर्स यूनियन के वरिष्ठ पदाधिकारी मनोज कुमार सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता लालचंद सिंह के अलावा अन्य अनेक साहित्यकार, समाजसेवी शमशान घाट पहुंच कर उनको श्रद्धांजलि दी।

समाजसेवी अमरप्रीत सिंह काले को मातृ शोक, अंत्येष्टि आज

खबर मन्त्र ब्यूरो

दिवंगत सरदारनी बलवंत कौर खनूजा

जमशेदपुर। भाजपा के पूर्व प्रवक्ता एवं सुविख्यात समाजसेवी अमर प्रीत सिंह काले की माता एवं स्व सरदार हरजीत सिंह खनुजा की धर्मपत्नी सरदारनी बलवंत कौर खनुजा का आज अपराह्न 3 बजे स्वर्गवास हो गया।

वे एक अत्यंत धर्म परायण महिला थीं। वे अपने पीछे चार पुत्रों सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गयी हैं। उनकी उम्र 90 वर्ष से अधिक थी। उनके आशीर्वाद से सम्पूर्ण परिवार ही नहीं, समाज से जुड़े अनगिनत लोग लाभान्वित रहे। उनकी अंतिम यात्रा रविवार (2 जून) को उनके साकची कालीमाटी रोड स्थित आवास से सुबह 10 बजे स्वर्णरेखा बर्निंग घाट के लिए प्रस्थान करेगी। इसके पहले पार्थिव शरीर के साथ साकची गुरूद्वारे में संगत दर्शन किया जाएगा। काले के अलावे उनके तीन पुत्र त्रिलोचन सिंह (पम्मी), दलजीत सिंह (राजे) और रणवीर सिंह (बब्बू) हैं। इस निधन की खबर फैलते ही शुभचिंतकों का काले के निवास पर आकर संवेदना प्रकट करने का तांता लगा रहा। विधायक सरयू राय ने आवास पहुँच कर काले एवं अन्य परिजनों को ढाढस बंधाया। केंद्रीय जन जातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा ने दूरभाष पर काले से बात कर शोक प्रकट किया। शहर के कई व्यवसायी व उद्योगपति, विभिन्न समाज के प्रतिनिधिगण, मिथिला संस्कृति परिषद, पुरोहित महासंघ, बीजेपी व अन्य राजनीतिक दलों के पदाधिकारी, यूनियन के नेता , सेंट्रल गुरुद्वारा के प्रधान भगवान सिंह, साकची प्रधान निशान सिंह, सरदार शैलेन्द्र सिंह समेत अनेक प्रधान और सिख संगत के प्रतिनिधि उनके आवास पहुंचे। झारखण्ड स्टेट बार कॉउन्सिल के वाइस प्रेसिडेंट एवं वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार शुक्ल, गुरदीप सिंह पप्पू, कुल्विंदर सिंह, तख़्त हरमंदिर साहिब के महासचिव इंदरजीत सिंह, कुलबिंदर पन्नू, सुरेश सोंथालिया, प्रभात शर्मा आदि ने काले से मिल कर अपनी संवेदना प्रकट की।

लायंस क्लब और लेडीज क्लब कमेटी ने कुलियों में बांटे अंगोछा

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। लायंस क्लब ऑफ जमशेदपुर और लेडिज कमिटी ऑफ एमटीएमएच कैंसर सोसाइटी संयुक्त रूप में शुक्रवार को नो टोबैको डे टाटानगर रेलवे स्टेशन पर मनाया। स्टेशन में जितने कुली है। उन सभी को जागरूक किया गया। इस अवसर पर कुली भाई-बहनों को गर्मी से बचने के लिए अंगोछा भेंट किया गया। सबसे पहले लायंस क्लब के अध्यक्ष पी एम जे एफ लायंस अशोक खंडेलवाल ने स्वागत भाषण दिए और मंचासिन अतिथियों को फूल और माला से सम्मानित किए। एमटीएमएम के डॉक्टर नसीफ और डॉ अमिता देबांशी दंत चिकित्सक अपना विचार रखे। डॉक्टर नसीफ ने गुटका, तमाकू, खैनी के सेवन से दूर हटने के लिए प्रेरित किए। कुछ पल के लिए मजा ज़िंदगी के लिए सजा बन जाती है।डॉक्टर अमिता बताई ये सब का सेवन से पहले मुंह में छाला पड़ती है और बाद में कैंसर का रूप लेता है। इसलिए मुंह का अंदर साफ रखना जरूरी है। ब्रश करना, खाने के बाद ठीक से कुल्ला करना चाहिए।

रास्का फिल्म फेस्टिवल में मोने साकोम व फूरगाल की स्क्रीनिंग

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। शुक्रवार को टीसीसी, सोनारी, जमशेदपुर में रास्का फिल्म आवार्ड का स्क्रीनिंग का अंतिम दिन दो फिल्मों क्रमशः मोने साकोम (जमशेदपुर) और फूरगाल (आसनसोल प. बंगाल) का स्क्रीनिंग किया गया । फिल्म : मोने सकोम प्रोडक्शन : जी डी फिल्म्स प्रोडक्शन, डायरेक्टर : शिशिर मार्डी प्रोड्यूसर : सुनाराम टुडू हैं जबकि इसकी अवधि : 4 घंटा है।

यह फिल्म सच्चे प्यार पर आधारित है। हीरो हीरोइन के बीच सच्चे मन से प्यार रहता है और एक लड़का को हीरोइन से प्यार रहता है। वो लड़का जबरन हीरोइन से शोषण करता है, और बदनामी के डर से उसी लड़के से शादी करना पड़ता है। लेकिन हीरो अपने पूरे मन से प्यार किया जिसमे शरीरक स्पर्श का कोई जगह नही था। फिल्म : फुरगल आर एस टी फिल्म्स प्रोडक्शन की फिल्म है जिसके डायरेक्टर रघुनाथ टुडू और प्रोड्यूसर : विजय कुमार टुडू हैं। इस फिल्म की अवधि : २ घंटा 25 मिनट है। यह कहानी आदिवासियों को अपने जमीन जायदाद एवं कृषि, शिक्षा से कोसो दूर रखने की कोशिश करने वाले के खिलाफ एक प्रेमी युगल विद्रोह कर उस क्षेत्र के लोगों को उनके चंगुल से आजादी दिलाई। इस अवसर पर उपस्थित सदस्य : मानसिंह माझी, सगेन हांसदा, रवि राज मुर्मू, शंकर हेंब्रम, आशीष एस मार्डी, लेडम मार्डी, फुलमूनी माझी, साहिल हांसदा, सावना मार्डी, दशरथ हांसदा, रघुनाथ टुडू (फुरगाल, डायरेक्टर)।

इग्नू बीएड प्रोग्राम सेमिनार में गणित शिक्षण में साहित्य समेत कई विषयों पर चर्चा

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। जमशेदपुर महिला विवि की इग्नू बी.एड प्रोग्राम की कार्यशाला के नवें दिन इग्नू की समन्वयक डॉ. त्रिपुरा झा ने प्रार्थना सभा के साथ प्रथम सत्र में चारों सत्र का विषय प्रवेश कराते हुए पाठ्यचर्या पर्यंत भाषा', 'गणित शिक्षण में साहित्य' और 'विषय विशिष्ट के आंकलन उपकरण' जैसे विषयों पर संक्षेप में प्रकाश डाला। प्रथम सत्र में कोल्हान क्षेत्र की क्षेत्रीय उपनिदेशक निर्मला कुमारी बरेलिया और प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल, पटमदा की प्रधानाध्यापिका डॉ प्रियंका झा भी शिक्षार्थियों के बीच उपस्थित रही। निर्मला कुमारी बरेलिया जी ने शिक्षार्थियों संग अपने शैक्षिक जीवन के कई अनुभव साझा करते हुए शिक्षार्थियों को बेहतर शिक्षक बनने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सारण शिक्षण विधि, मूल्यांकन के विधियों पर भी चर्चा की। निर्मला जी ने कार्यशाला में बेहतर प्रदर्शन करने वाले शिक्षार्थियों को भी पुरस्कृत भी किया। डॉ. प्रियंका झा ने शिक्षार्थियों को बेहतर शिक्षक के गुणों की जानकारी दी।

आईआईएमएम ने सीपीओ मीट का किया आयोजन

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। भारतीय सामग्री प्रबंधन संस्थान (आईआईएमएम), जमशेदपुर शाखा ने आज उत्कृष्टता केंद्र में सफलतापूर्वक सीपीओ मीट का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में टाटा स्टील के मुख्य खरीद अधिकारी रंजन सिन्हा की गरिमामयी उपस्थिति रही। आईआईएमएम जमशेदपुर शाखा के अध्यक्ष श्री सिद्धार्थ दाश ने स्वागत प्रस्तुति दी, जिसमें शाखा द्वारा इस वर्ष शुरू की जा रही कई नई पहलों पर प्रकाश डाला गया। इन पहलों का उद्देश्य औद्योगिक कर्मचारियों और ठेकेदारों के कौशल को बढ़ाना है, जिससे आईआईएमएम जमशेदपुर को जमशेदपुर और उसके आसपास स्थित उद्योग के भीतर व्यावसायिक विकास में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया जा सके। दाश ने उद्योग 4.0 और भारत की 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की चुनौतियों का सामना करने के लिए उद्योगों में आईआईएमएम की पहुंच और प्रभाव को आगे बढ़ाने के लिए सदस्यता सेवन बढ़ाने के लक्ष्य पर जोर दिया। आईआईएमएम के उपाध्यक्ष (पूर्व) राणा दास ने शाखा के संचालन को आधुनिक बनाने और बेहतर बनाने के लिए योजनाबद्ध आगामी डिजिटल हस्तक्षेपों पर चर्चा की।

चर्चित गोताखोर मजहरुल बारी ने जम्मू से उमलिंगला पास तक की बाइकिंग

पेड़ बचाओ, पेड़ लगाओ अभियान को समर्पित था सालो बाइक राइडिंग अभियान

टाटा स्टील के सिक्योरिटी डिपार्टमेंट में सब-इंस्पेक्टर पद पर कार्यरत हैं मजहरुल

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। टाटा स्टील के सिक्योरिटी डिपार्टमेंट में सब इंस्पेक्टर पद पर कार्यरत एवं शहर के नामी गोताखोर मजहरुल बारी जम्मू से उमलिंगला दर्रा तक बाइकिंग अभियान पूरा कर शहर लौट आए हैं। मजहरूल बारी ने 16 मई को जम्मू से बाइकिंग शुरू की थी और 21 मई को वे दुनिया के सबसे उंचे रास्ते उमलिंगला दर्रा पहुंचे। यह दर्रा 19024 फीट समुद्र तल से ऊपर है। इस रास्ते को दुनिया का सबसे दुर्गम और ऊंचा रास्ता माना जाता है। यहां से चीन का बोर्डर साफ दिखता है। जम्मू से उमलिंगला दर्रा की दूरी 1100 किलोमीटर है। अभियान से लौटने के बाद मजहरुल बारी ने खबर मन्त्र को बताया कि उन्होंने पेड़ बचाओ, पेड़ लगाओ जागरुकता अभियान को लेकर यह बाइकिंग अभियान पूरा किया है। रास्ते में पड़ने वाले विभिन्न गांवों के बच्चों से मिलकर उन्होंने पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया। बारी ने बच्चों को बताया कि लेह में पेड़- पौधे कम हैं। यहां हरियाली लाकर पर्यावरण के साथ-साथ जल जीवन को भी खुशहाल बनाए जा सकता है। मजहरुल बारी अपने अभियान के क्रम में जम्मू से होते हुए श्रीनगर पहुंचे और श्रीनगर से सोनमर्ग ,लेह, चुमथांग, कारगिल, हानले होते हुए उमलिंगला दर्रा पहुंचे। उन्होंने बताया कि अभियान के क्रम में उन्हें जगह-जगह ग्रामीणों से मदद मिली और काफी गर्मजोशी से स्वागत किया गया। जम्मू में जम्मू तवी ट्रैक्टर्स एडवेंचर क्लब के सुमित खजुरिया के नेतृत्व में उनका अभिनंदन किया गया और वहां से काफी प्रोत्साहन मिला। बारी ने बताया कि जम्मू से लेकर श्रीनगर और वहां से गंतव्य तक रास्ते भर ग्रामीण काफी मेहमान बाज और सहयोगी स्वभाव के हैं। उन्होंने बताया कि रास्ते में सिंधु नदी मिली। सिंधु नदी और यहां के झरनों का पानी बहुत ही स्वच्छ और निर्मल था जिससे एक बार आंखों पर पानी करने से आपकी थकान दूर हो जाती थी। लेह में काफी सुखा इलाका है और वहां के पहाड़ भी पथरीले हैं किंतु ले शहर में भारतीय सेना ने काफी वृक्षारोपण किया है जिससे वहां अब हरियाली दिखने लगी है।

एक नजर में

कचहरी बाबा मंदिर में अमृतधारा का हुआ लोकार्पण

जमशेदपुर। मारवाड़ी युवा मंच स्टील सिटी शाखा द्वारा शुक्रवार शाम 4 बजे कचहरी बाबा मंदिर, पुराना कोर्ट, एसडीओ ऑफिस के सामने 42वां और सत्र 24-25 का पांचवा अमृतधारा का लोकार्पण किया गया। मंदिर के सदस्यों ने जानकारी दी कि यह मंदिर कई साल पुराना है और उस एरिया का एक मात्र मंदिर है जहां काफी संख्या में लोगों की भीड़ होती है।इस भीषण गर्मी में यह शीतल पेय जल अमृतधारा भक्तजनों के लिये काफी लाभदायक साबित होगा। यह कार्यक्रम स्व: मुन्ना बाबु गुप्ता ट्रस्ट प्रदत हरेराम सिंह जी के सौजन्य से किया गया। यह कार्यक्रम शाखा अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल जी के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सचिव आलोक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, संयोजक नवनीत बंसल,मनीष चौधरी, रमेश अग्रवाल, दीपक पटवारी, सौजन्यकर्ता हरेराम सिंह, राम गोपाल चौधरी एवं मंदिर के सदस्य उपस्थित थे।

इनर व्हील क्लब जमशेदपुर इस्ट ने बांटी डायरियां

जमशेदपुर। इनर व्हील क्लब ऑफ जमशेदपुर ईस्ट ने उत्क्रमित स्कूल, कदमा के छात्रों को इनर व्हील लोगो वाली डायरियां दान कीं। इन डायरियों का उपयोग उनके रचनात्मक आउटलेट, किसी भी प्रकार के रफ वर्क या गर्मी की छुट्टियों के दौरान यादों को संजोने के लिए स्क्रैप बुक के रूप में किया जा सकता है। स्कूल के प्रिंसिपल गोपेश्वर ने हमारी पहल की बहुत सराहना की और आभार व्यक्त किया। सुंदर इनर व्हील लोगो वाली डायरियां पाकर छात्र अभिभूत हो गए। इनर व्हील लोगो वाली डायरियां छात्रों को क्लब की सदस्य रीता कुमार ने दी हैं।

करीम सिटी कॉलेज के एन एस एस द्वारा नेत्र जांच शिविर आयोजित

जमशेदपुर। करीम सिटी कॉलेज साकची, जमशेदपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस इकाई) ने एएसजी आई हॉस्पिटल, आमबगान, साकची के सहयोग से नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर का आरंभ कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ मोहम्मद रेयाज के भाषण से हुआ। जिसमें उन्होंने एएसजी आई हॉस्पिटल के सभी डॉक्टरों का स्वागत किया। इस शिविर में एएसजी नेत्र चिकित्सालय की ओर से डॉ फहीम अख्तर काजमी (क्षेत्रीय चिकित्सा सेवाएं) श्याम बिहारी शर्मा (डीजीएम चिकित्सा सेवाएं) नजमुल हसन, आनंद कुमार (परामर्शदाता शिविर) उपस्थित थे। साथ ही डॉ फहीम अख्तर काजमी ने सामान्य नेत्र देखभाल और सुरक्षा पर अपने विचार प्रस्तुत किए। साथ ही श्याम बिहारी शर्मा ने लेसिक सर्जरी के बारे में छात्रों के बीच जागरूकता फैलाई। इस शिविर में संकायों सहित 150 से अधिक लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई। नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर को सफल बनाने में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ आले अली, एनएसएस समन्वयक सैयद साजिद परवेज, एनएसएस स्वयंसेवकों, डॉक्टरों का योगदान रहा।

भाजपा से निष्कासित सतीश सिंह बनारस में पीएम मोदी के लिए करते रहे चुनाव प्रचार

जमशेदपुर। आखिरी चरण में होने वाले चुनाव व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 1 जून को होने वाली चुनाव में नरेंद्र मोदी यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय संयोजक सतीश सिंह बिहार प्रदेश इकाई के अध्यक्ष संजय तिवारी व कई कार्यकर्ता के साथ बनारस में मोदी जी के चुनाव प्रचार में लग गए। बता दें कि सतीश सिंह को झारखंड भाजपा ने पार्टी से निष्कासित कर रखा है किन्तु जहां भी पार्टी हित अथवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हित की बात आती है तो निष्कासन के दंश का दर्द भूल वो एक इमानदार कार्यकर्ता की तरह सक्रिय हो जाते हैं। बनारस में बुधवार को चुनाव प्रचार के अंतिम दिन भी वह दिन भर सक्रिय रहे। बनारस के घाट-घाट घुम कर पीएम मोदी को जीताने का पंपलेट बांटते रहे। नरेंद्र मोदी युथ विग्रेड की पूरी टीम ने चुनाव के आखिरी दिन धुआंधार प्रचार किया। गदोलिया, लंका, बीएचयु व अस्सी चौराहे पर भाजपा का प्रचार करते हुए सभी को नरेंद्र मोदी को वोट देने के लिए आग्रह किया। राष्ट्रीय संयोजक सतीश सिंह द्वारा कई क्षेत्रों में पदयात्रा कर भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए आग्रह किया। इस कार्यक्रम में सतीश सिंह के साथ संजय तिवारी, साहिल दत्ता, रोहित कुमार मौजूद रहे।

सौमेंद्र और अनुराग ने किया एसडीपी दान

जमशेदपुर। शुक्रवार को रेड क्रॉस के एसडीपी (सिंगल डोनर प्लेटलेट्स) डोनेशन प्रभारी प्रभुनाथ सिंह ने दो यूनिट एसडीपी की आवश्यकता होने पर दो रक्तदाता सौमेन्द्र बस्तिया तथा अनुराग मिश्रा को प्रेरित किया, दोनों ही रक्तदाताओं ने अपना सैम्पल टेस्ट के पश्चात एसडीपी डोनेशन किया।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

खबर मन्त्र
स्पोर्ट्स

epaper.khabarmantra.net
रांची, शनिवार
01.06.2024

अभ्यास मैच से पहले रोहित ने दिया बड़ा बयान

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत को टी20 विश्व कप में अपना अभियान शुरू करने से पहले एक जून को बांग्लादेश के खिलाफ एकमात्र अभ्यास मैच खेलना है। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर खेला जाएगा। इस मैच से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि टीम का ध्यान अभ्यास मैच के दौरान न्यूयॉर्क की परिस्थिति को समझने पर रहेगा क्योंकि टीम ने यहां इससे पहले कभी कोई मुकाबला नहीं खेला है। आयरलैंड के खिलाफ शुरूआती मैच से पहले भारत के लिए बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच काफी महत्वपूर्ण रहेगा। रोहित ने इस बात पर भी जोर दिया कि टीम के लिए टी20 विश्व कप से पहले लय में लौटना कितना जरूरी है और खिलाड़ी अभ्यास मैच के दौरान परिस्थिति में ढलना चाहेंगे। भारतीय कप्तान ने आईसीसी द्वारा जारी वीडियो में कहा, टूर्नामेंट पूरी तरह शुरू होने से पहले हमारे लिए परिस्थिति को समझना ज्यादा जरूरी होगा क्योंकि हमने यहां इससे पहले कोई मुकाबला नहीं खेला है। हमारी कोशिश रहेगी कि पांच जून को अपने शुरूआती मुकाबले से पहले यहां की परिस्थिति में ढल सकें। यह बस लय में आना और मैदान को समझने को लेकर है।

रोहित को अमेरिका में अधिक संख्या में दर्शकों के आने की उम्मीद

भारतीय कप्तान पहली बार अमेरिका में हो रहे टी20 विश्व कप को लेकर उत्सुक हैं और उन्होंने उम्मीद जताई कि टूर्नामेंट के दौरान स्टेडियम पर दर्शकों की भारी भीड़ रहेगी। रोहित ने बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच से पहले कहा, न्यूयॉर्क का ग्राउंड काफी सुंदर है और काफी खुला हुआ मैदान है। हम अब अपना पहला मैच खेलने के लिए बेताब हैं और स्टेडियम में माहौल को देखने का इंतजार नहीं कर पा रहा हूं। स्टेडियम में दर्शकों की क्षमता भी अच्छी है और उम्मीद है कि यह अच्छा रहेगा। न्यूयॉर्क के लोग विश्व कप देखने के लिए दिलचस्पी दिखा रहे हैं क्योंकि यह वैश्विक टूर्नामेंट यहां पहली बार हो रहा है। मुझे यकीन है कि सभी टीमों के फैंस इस टूर्नामेंट के लिए काफी उत्साहित होंगे और खिलाड़ी भी अपना अभियान शुरू करने के लिए बेताब होंगे।

भारत का पाकिस्तान से होगा सामना

भारतीय टीम टी20 विश्व कप में ग्रुप-ए में शामिल हैं जिसमें आयरलैंड, पाकिस्तान, अमेरिका और कनाडा भी मौजूद है। भारतीय टीम पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ खेलने के बाद नौ जून को पाकिस्तान और 12 जून को अमेरिका से खेलेगी। इसके बाद भारतीय टीम ग्रुप चरण का अंतिम मुकाबला कनाडा के खिलाफ 15 जून को खेलेगी।

वॉर्म-अप मैच: भारत-बांग्लादेश के बीच होगी धमाकेदार टक्कर

एजेंसी

न्यूयॉर्क। भारतीय टीम रोहित शर्मा की अगुआई में पांच जून को टी20 विश्व कप का अभियान शुरू करेगी, लेकिन उससे पहले टीम शनिवार को बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगी। भारत मुख्य टूर्नामेंट में उतरने से पहले सिर्फ एक ही अभ्यास मैच खेलेगा और उसकी कोशिश होगी कि जल्द से जल्द न्यूयॉर्क की परिस्थिति में ढल सके। टी20 विश्व कप का आयोजन इस बार अमेरिका और वेस्टइंडीज में हो रहा है।

भारत और बांग्लादेश के बीच अभ्यास मुकाबला भारतीय समयानुसार रात आठ बजे से खेला जाएगा। टॉस शाम साढ़े सात बजे होगा।

कोहली के खेलने पर संशय बरकरार

भारतीय टीम 26 मई को अमेरिका पहुंच गई थी और टीम ने बुधवार से अभ्यास सत्र शुरू कर दिया था। विराट कोहली को छोड़कर टीम के सभी सदस्य न्यूयॉर्क पहुंच चुके हैं। कोहली भी गुरुवार रात न्यूयॉर्क के लिए रवाना हो गए थे और जल्द टीम से जुड़ेंगे, लेकिन उनके अभ्यास मैच में हिस्सा लेने पर संशय बरकरार है। बांग्लादेश का पहला अभ्यास मैच अमेरिका से था जो बारिश की भेंट चढ़ गया था। इस टूर्नामेंट से पहले बांग्लादेश को अमेरिका ने तीन मैचों की टी20 सीरीज में 2-1 से हराया था।

दोनों टीमों के बीच देखने मिलेगा रोमांचक मुकाबला

भारत और बांग्लादेश की टीमें भले ही अभ्यास मुकाबले में एक दूसरे के सामने होंगी, लेकिन दोनों टीमों के बीच इतिहास को देखते हुए फैंस को रोमांचक मुकाबला देखने मिल सकता है। भारतीय टीम का पलड़ा बांग्लादेश पर भारी है और दोनों टीमों के बीच अबतक 13 मैच में से 12 मुकाबले भारत ने जीते हैं। टी20 विश्व कप के पिछले संस्करणों में दोनों टीमों के बीच कड़े मुकाबले देखने मिले हैं।

शाकिब ने की रोहित की तारीफ

मैच से पहले बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के बारे में बात करते हुए कहा, 'रोहित शर्मा ऐसे खिलाड़ी हैं जो अकेले दम पर विरोधियों से खेल छीन सकते हैं। रोहित शर्मा ने पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से भारत का नेतृत्व किया वह शानदार था। कप्तान के रूप में उनके पास जबरदस्त रिकॉर्ड हैं। सभी खिलाड़ी टीम के नेता के रूप में उनका सम्मान करते हैं। उन्होंने ये सारी बातें स्टार स्पोर्ट के साथ बोली हैं।

विराट समेत इन 6 खतरनाक खिलाड़ियों पर वर्ल्ड कप में रहेंगी निगाह

नयी दिल्ली। टी20 विश्व कप 2024 रविवार से शुरू होने वाला है, जिसमें सह-मेजबान यूएसए का मुकाबला टेक्सास में टूर्नामेंट के पहले मैच में कनाडा से होगा। वेस्टइंडीज और यूएसए में होने वाले टी20 टूर्नामेंट के लिए टीमें तैयार हैं, यहां कुछ ऐसे खिलाड़ियों पर एक नजर डालते हैं जो टूर्नामेंट में धमाल मचा सकते हैं।

विराट कोहली (भारत) : विराट कोहली पिछले एक दशक से भारत की बल्लेबाजी लाइन-अप की रीढ़ रहे हैं। आइसीसी इवेंट्स में उनके रिकॉर्ड शानदार हैं। 2023 में आखिरी वनडे विश्व कप में, उन्होंने टूर्नामेंट के एक संस्करण में 765 रन बनाकर महान सचिन तेंदुलकर के प्रसिद्ध रिकॉर्ड को तोड़ दिया और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीता था। दाएं हाथ के बल्लेबाज, जो टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं, टी20 महाकुंभ में आइपीएल 2024 के अपने फॉर्म को दोहराने की कोशिश करेंगे, क्योंकि वो इस लीग के शीर्ष स्कोरर थे। 35 वर्षीय खिलाड़ी टूर्नामेंट में भारत के अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

जोस बटलर (इंग्लैंड) : इंग्लैंड के कप्तान मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में फाइनल में पाकिस्तान को हराकर 2022 में खिताब जीतने के बाद गत विजेता के रूप में टूर्नामेंट में उतरेंगे। विकेटकीपर-बल्लेबाज 115 मैचों में 3011 रन के साथ टी20 में देश के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने हाल ही में समाप्त हुए आइपीएल सीजन में राजस्थान रॉयल्स के लिए दो शतकों सहित 359 रन बनाए। पाकिस्तान के खिलाफ चल रही घरेलू सीरीज में, बटलर ने अपने शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए दूसरे टी20 में 84 रन बनाए। शीर्ष पर उनकी शानदार बल्लेबाजी टूर्नामेंट में इंग्लैंड के अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मिशेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया): मिशेल स्टार्क ऑस्ट्रेलिया के लिए अपनी गेंदबाजी का हुनर दिखाने के लिए अपने अनुभव का इस्तेमाल करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम के पेस अटैक में सबसे आगे होंगे। इस घातक तेज गेंदबाज ने तेज गेंदबाज टी20 विश्व कप में भी इसी आत्मविश्वास के साथ उतरेंगे और टूर्नामेंट का अंत एक और आइसीसी खिताब के साथ करना चाहेंगे।

बाबर आजम (पाकिस्तान): पाकिस्तान के दोबारा कप्तान नियुक्त किए गए बाबर आजम टी20 में ढेरों रन और लगातार अच्छे प्रदर्शन के साथ इस मेगा इवेंट में उतरेंगे। दाएं हाथ के बल्लेबाज पिछले संस्करण में उपविजेता के रूप में समाप्त करने के बाद नेतृत्व की भूमिका में अपने पहले आइसीसी खिताब की उम्मीद में मेन इन ग्रीन का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। बाबर टी20 में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जो 118 मैचों में 3987 रन के साथ कोहली से पीछे हैं. दाएं हाथ के बल्लेबाज कप्तान के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में खिताब की जीत की ओर बढ़ना चाहेंगे।

जसप्रीत बुमराह (भारत): भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट के पिछले संस्करण से बाहर रहने के बाद टी20 के शीर्ष पर खेलने के लिए बेताब हैं। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने मुंबई इंडियंस के लिए 13 मैचों में 20 विकेट लेकर आइपीएल सीजन का समापन किया। वह युजवेंद्र चहल (94 विकेट) और भुवनेश्वर कुमार (90 विकेट) के बाद सबसे छोटे प्रारूप में देश के लिए तीसरे सबसे ज्यादा (74 विकेट) विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। बुमराह टी20 विश्व कप में अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज के साथ भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे।

शाहीन अफरीदी (पाकिस्तान) : पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी तेज गेंदबाजी विभाग की अगुआई करेंगे। लंबा कद वाला यह गेंदबाज 20 ओवर के मैच में अपनी विविधताओं के साथ गेंदबाजी लाइन-अप में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने पिछले संस्करण में 11 विकेट लिए थे, जो शादाब खान के साथ पाकिस्तान के लिए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट थे। 91 विकेट के साथ बाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज टी20 में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज भी हैं। शाहीन नसीम शाह, मोहम्मद आमिर और हारिस रऊफ के साथ प्रतिद्वंद्वी टीम की बल्लेबाजी लाइन-अप को ध्वस्त करने की कोशिश करेंगे।

बेजुइडनहाउट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड की महिला टीम की विकेटकीपर बल्लेबाज बनार्डाइन बेजुइडनहाउट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। बेजुइडनहाउट ने न्यूजीलैंड क्रिकेट के बयान में कहा, ह्यायह बहुत शानदार सफर रहा है। उन्होंने कहा, व्हाइट फर्न्स के लिए खेलना मेरे लिए बहुत बड़े सौभाग्य और सम्मान की बात रही है और इसने मुझे बहुत अच्छी यादें दी हैं। इस यात्रा ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है और मैं उन सभी का हमेशा आभारी रहूंगा जो मेरे साथ इस राह पर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं इस फैसले से संतुष्ट हूं, लेकिन यह निर्णय लेना आसान नहीं था। उन्होंने कहा, मैं पिछले कुछ समय से अपने काम और खेल करियर के बीच संतुलन बनाने के लिए संघर्ष कर रही हूं और बहुत सोच-विचार तथा चिंतन के बाद मुझे लगता है कि यह सही समय है कि मैं अपना पूरा ध्यान द एपिक स्पोर्ट्स प्रोजेक्ट पर लगाऊं। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा, मैं बर्नी को मैदान पर व्हाइट फर्न्स के लिए उनके योगदान और मैदान के बाहर टीम में उनके द्वारा लाए गए देखभाल करने वाले गुणों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

रैना ने कोहली-जायसवाल के ओपनिंग करने पर रखी अपनी राय

नयी दिल्ली। विराट कोहली ने इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन किया है और टी20 विश्व कप में भी अपनी फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगे। नयी दिल्ली में एक कार्यक्रम में भारत के पूर्व बिग हिटर सुरेश रैना ने इस बात पर अपनी राय रखी कि आगामी विश्व कप में भारत के लिए ओपनिंग कौन करेगा। कोहली 2024 इंडियन प्रीमियर लीग सीजन के दौरान बतौर ओपनर खेले थे, जिस पोजीशन पर भारतीय प्रशंसक उन्हें बल्लेबाजी करते हुए देखने के आदी नहीं हैं, लेकिन उन्होंने टूर्नामेंट का अंत सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में अंत किया यही वजह है कि सवाल उठता है कि रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरूआत कौन करेगा। रैना ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि विराट विश्व कप में तीसरे नंबर पर खेलें। वह रन बनाने की मशीन है। यशस्वी अच्छी फॉर्म में है और मुझे यकीन है कि वह सलामी बल्लेबाज के तौर पर अच्छा प्रदर्शन करेगा। संयुक्त राज्य अमेरिका में पिच और परिस्थितियां धीमी होने की उम्मीद है, मेरी राय में विराट को तीसरे नंबर पर खेलना चाहिए।

जब एक हलवाई ने नसीम को बताया गेंदबाजी में कहां करते हो गलती

एजेंसी

नयी दिल्ली। टी20 क्रिकेट विश्व कप 2022 में पाकिस्तान टीम फाइनल मुकाबले में इंगलैंड से हार गई थी। एकतरफा मुकाबले में इंगलैंड ने तीनों विभागों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। खास तौर पर इंगलैंड के बल्लेबाज तो पाकिस्तान की तेज गेंदबाजों की तिकड़ी पर भारी रही। इस दौरान नसीम शाह की गेंदों पर तो जमकर रन बने। पाकिस्तान 138 रन का लक्ष्य बचा रही थी तभी नसीम ने 4 ओवर में 30 रन लुटा दिए। वह कोई विकेट भी नहीं निकाल पाए थे।नसीम ने बताया कि हमारे घर के सामने एक शख्स है जोकि जलेबी बनाता है। एक दिन उनसे मुझे बताया कि मैंने फाइनल मुकाबले में क्या गलती कर दी थी। मैं पहले तो उसपर कहा फिर उनसे कहा अंकल जी? मैं आपके पास से दो साल से जलेबी खरीद रहा हूं मैंने आपसे कभी नहीं कहा कि आपकी जलेबी की बनावट गलत है या आप इसे अच्छी नहीं बना पाते। हम इंसान हैं और हम गलतियां करते हैं। आप भी तो गलतियां करते होंगे। तो हमें भी माफ कर दो न। इंगलैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान पहले बल्लेबाजी करने उतरा था।

ट्रीसा-गायत्री की जोड़ी सेमीफाइनल में

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सिंगापुर ओपन सुपर 750 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इन दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट में भारत उम्मीदों को जिंदा रहा रखा है। ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने 31 मई (शुक्रवार) को खेले गए क्वार्टर फाइनल में कोरियाई जोड़ी की जोड़ी को धूल चटा दी। इस मैच में पहले सेट में हारने के बाद भारतीय जोड़ी पर मैच में हार का खतरा मंडराने लगा था, इसके बाद उन्होंने वापसी की और लगातार 2 सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही दोनों ने सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया।

जॉली और गोपीचंद ने फाइनल में बनाई जगह

भारतीय जोड़ी ने दुनिया की 6वें नंबर की जोड़ी किम सो यियोंग और कोंग ही योंग को रोमांचक मुकाबले में हराया। इस मैच में ट्रीसा और गायत्री ने कोरियाई जोड़ी पर जीत हासिल की। इस क्वार्टर फाइनल में भारतीय जोड़ी ने 18-21, 21-19, 24-22 से कोरियाई जोड़ी को हरा दिया. इसके धमाकेदार जीत के साथ ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने सिंगापुर ओपन 2024 में BWF वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट में अपने पहले सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

सेमीफाइनल में इस टीम से होगा मुकाबला

अब भारत की इस महिला डबल्स का सामना सेमीफाइनल मैच में शनिवार को जापान की नामी मात्सुयामा/चिहारू शिफा और इंडोनेशिया की अप्रियानी राहायु/सीती फादिया सिल्वा रामधंती के बीच की विजेता से होगा। अब भारतीय टीम जापान से भिड़ेगी या फिर इंडोनेशिया से उसका सामना होगा। ये अभी तय होगा।

अभ्यास मैच वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को 35 रनों से हराया

पोर्ट ऑफ स्पेन। निकोलस पूरन (75), कप्तान रोवमन पॉवेल (52) और शरफेन रदरफोर्ड (47) रनों की तूफानी पारियों तथा उसके बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत वेस्टइंडीज ने अभ्यास मैच में ऑस्ट्रेलिया को 35 रनों से हरा दिया है। गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम शुरूआत अच्छी नहीं रही। तीसरे ओवर में ऐश्टन एगार ने शे होप को 14 रन पर आउट कर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। उसके बाद बल्लेबाजी करने आये निकोलस पूरन ने जॉनसन चार्ल्स के साथ पारी को संभाला।

निशांत ने ओलंपिक कोटा हासिल किया

एजेंसी

बैंकॉक (थाईलैंड)। भारत के शीर्ष मुक्केबाज निशांत देव शुक्रवार को थाईलैंड के बैंकॉक में 71 किलोग्राम वर्ग के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में रोमानिया के सेबोटारी पर सर्वसम्मत निर्णय (5-0) से जीत हासिल करके आगामी पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए अपनी योग्यता सुनिश्चित करने वाले पहले मुक्केबाज बन गए। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता, जो पिछले क्वालीफायर में ओलंपिक बर्थ से चूक गए थे, उन्होंने ने क्वार्टर फाइनल में मोल्दोवा के वासिल सेबोटारी को 5-0 से हराकर कोटा हासिल किया। यह भारत का चौथा कोटा स्थान है, जबकि महिला मुक्केबाज निखत जरीन (50 किग्रा), प्रीत पवार (54 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) पहले ही पेरिस के लिए अपना रास्ता सुरक्षित कर चुकी हैं। 71 किग्रा भार वर्ग में पांच कोटा थे। पूरे टूर्नामेंट में दबदबा बनाए रखने वाले देव ने शानदार शुरूआत की और तीखे, सटीक मुक्के लगाए। भारतीय मुक्केबाज अधिक संयमित थे और उन्होंने अपने मुक्कों का विवेकपूर्ण तरीके से इस्तेमाल किया। दूसरे राउंड में, सेबोटारी ने कुछ मुक्के मारे और देव की सांस फूलती दिखी, लेकिन भारतीय मुक्केबाज ने सटीक शॉट मारना जारी रखा। आखिरी तीन मिनट में, दोनों मुक्केबाज थके हुए दिखे, लेकिन देव ने अपनी इच्छानुसार मुक्के मारना जारी रखा। सेबोटारी ने भारतीय मुक्केबाज को पटकने के कारण एक अंक काटा।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ विश्व मुक्केबाजी में शामिल होने को राजी

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआइ) ने विश्व मुक्केबाजी का सदस्य बनने पर सहमति व्यक्त की है। अंतरराष्ट्रीय महासंघ यह सुनिश्चित करने के लिए स्थापित किया गया है कि मुक्केबाजी ओलंपिक आंदोलन के केंद्र में बनी रहे। सदस्यता आवेदन को बीएफआइ की आम सभा द्वारा स्टेबलिस किया गया है। विश्व मुक्केबाजी के कार्यकारी बोर्ड द्वारा इसकी पुष्टि की जाएगी। बीएफआइ के अध्यक्ष, अजय सिंह ने हाल ही में विश्व मुक्केबाजी के अध्यक्ष और महासचिव से मुलाकात की, ताकि उन तरीकों पर चर्चा की जा सके जिनसे भारत एशिया में अपने सदस्यता आधार को बढ़ाने में अंतर्राष्ट्रीय महासंघ का समर्थन कर सकता है, जहां बीएफआइ सबसे बड़े राष्ट्रीय महासंघों में से एक है। विश्व मुक्केबाजी के भविष्य के विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, बीएफआइ का लक्ष्य एक एशियाई परिसंघ की स्थापना में सफल भूमिका निभाना और क्षेत्र में अन्य राष्ट्रीय महासंघों की भर्ती को आगे बढ़ाना है। यह विश्व मुक्केबाजी समितियों और सभी आयोगों के काम में सक्रिय रूप से भाग लेने के साथ-साथ विश्व मुक्केबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और साझेदारी हासिल करने और नई आय धाराएं उत्पन्न करने के लिए विश्व मुक्केबाजी के प्रयासों का समर्थन करने का भी इरादा रखता है। विश्व मुक्केबाजी के अध्यक्ष बोरिस वैन डेर वोर्स्ट ने कहा, भारत अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी में एक बहुत ही महत्वपूर्ण देश है और हम बढ़ते विश्व मुक्केबाजी परिवार में बीएफआइ का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। यह एक बहुत ही रोमांचक विकास है जो एशिया में हमारी उपस्थिति को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा और मैं अपने साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने में बीएफआइ के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। अपनी सार्वजनिक टिप्पणियों और हमारी हालिया बैठक के दौरान आईओसी ने सभी राष्ट्रीय महासंघों को एक स्पष्ट संदेश दिया है कि यदि वे चाहते हैं कि उनके देश के मुक्केबाजों को भविष्य के ओलंपिक खेलों में प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिले तो उन्हें अब विश्व मुक्केबाजी में शामिल होना चाहिए। यह एकमात्र रास्ता है जो हमारे खेल को पेरिस 2024 के बाद ओलंपिक खेलों में बनाए रखेगा और राष्ट्रीय महासंघों को अभी कार्य करना चाहिए और बीएफआइ के उदाहरण का अनुसरण करना चाहिए यदि वे चाहते हैं कि मुक्केबाजी को लॉस एंजिल्स 2028 में कार्यक्रम का हिस्सा बनने का कोई मौका मिले। बीएफआइ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, मुक्केबाजी की स्थिरता के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि यह अपना ओलंपिक दर्जा बरकरार रखे, इसलिए हम विश्व मुक्केबाजी में शामिल होकर प्रसन्न हैं और खेल के भविष्य के विकास को आकार देने और दुनिया भर के मुक्केबाजों के लिए एक उज्जवल भविष्य प्रदान करने के लिए कार्यकारी बोर्ड और हमारे साथी सदस्यों के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं। बीएफआई विश्व मुक्केबाजी के समान मूल्यों और लक्ष्यों को साझा करता है और इसके विकास में भूमिका निभाने के लिए उत्सुक है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए एक नए एशियाई परिसंघ के गठन और मेजबानी में भी सबसे आगे रहना चाहते हैं कि मुक्केबाजी महाद्वीप पर अपने सदस्यों का विस्तार और विकास जारी रखे। विश्व मुक्केबाजी को अप्रैल 2023 में लॉन्च किया गया था और इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मुक्केबाजी ओलंपिक आंदोलन के केंद्र में बनी रहे। 7 मई 2024 को इसने आईओसी के साथ अपनी पहली औपचारिक बैठक की, जिसने दोनों संगठनों के बीच औपचारिक सहयोग की शुरूआत का संकेत दिया, जिसका उद्देश्य मुक्केबाजी को ओलंपिक खेलों में बने रहने के लिए एक मार्ग स्थापित करना था। विश्व मुक्केबाजी में वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी में प्रतिस्पर्धा करने वाले सभी पांच महाद्वीपों के सदस्य हैं।

टी-20 विश्वकप में हिस्सा नहीं ले पाएंगे लामिछाने

काठमांडु। नेपाल के लेग स्पिनर संदीप लामिछाने अमेरिका का वीजा नहीं मिलने के कारण टी-20 विश्व कप 2024 में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल (सीएएन) और नेपाल की सरकार ने इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए संदीप को वीजा दिलाने का प्रयास किया लेकिन यह प्रयास भी सफल नहीं हुआ।

दक्षिण अफ्रीका के साथ घरेलू श्रृंखला के लिए रॉड्रिग्स और वस्त्रकर भारतीय टीम में

नयी दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के साथ आगामी घरेलू श्रृंखला के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में जेमिमाह रॉड्रिग्स और ऑलराउंडर पूजा वस्त्रकर को तीनों प्रारुपो की टीम में नामित किया गया है, लेकिन उनका चयन फिटनेस पर निर्भर होगा। दक्षिण अफ्रीका के साथ अभ्यास मैच सहित तीनों प्रारुपों में 13 जून से नौ जुलाई तक मैच खेले जायेंगे। अनकैप्ड विकेटकीपर-बल्लेबाज उमा छेत्री को यास्तिका भाटिया की जगह तीनों प्रारुपों की टीमों में शामिल किया गया है। भाटिया बंगलादेश में केवल एक टी-20 मैच खेलने के बाद चोटिल हो गई थीं। छेत्री 2023 में एशियन गेम्स के दौरान स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं।

पूर्व दिग्गज खिलाड़ी दिखायेंगे अपना जलवा

नयी दिल्ली। तीन जुलाई से शुरू होने जा रही वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्युसीएल) लीग में इंडिया चैंपियनयंस अपने समय के सिक्सर किंग युवराज सिंह की कप्तानी में सुरेश रैना जैसे पूर्व दिग्गज क्रिकेट खिलाड़ी एक बार फिर दिखायेंगे अपना जलवा। यहां आयोजित समारोह में 2007 टी-20 विश्वकप और 2011 एकदिवसीय विश्वकप विजेता टीम के खिलाड़ी सुरेश रैना, आरपी सिंह और राहुल शर्मा ने इंडिया चैंपियनयंस टीम की जर्सी का अनावरण किया। इस अवसर पर इंडिया चैंपियनयंस के टीम मालिक सलमान अहमद, सुमंत बहल और जसपाल बहरा भी उपस्थित थे।

आकांक्षी जिला एवं प्रखंड को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

बैठक करते डीसी

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। डीसी शेखर जमुआर ने शुक्रवार को समाहरणालय स्थित सभागार में आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी प्रखंड को लेकर नीति आयोग के विभिन्न इंडिकेटरों पर समीक्षा बैठक की। बैठक में डीसी ने नीति आयोग के 49 प्रमुख इंडिकेटर पर समीक्षा किया। इनमें स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कृषि के क्षेत्र में विशेष कार्य करने को लेकर बिंदुवार समीक्षा करते हुए उक्त क्षेत्र में विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए डीसी ने गर्भवती महिलाओं का एएनसी रजिस्ट्रेशन, इंस्टीट्यूशनल डिलीवरी, सेक्स रेश्यो, मालन्यूट्रिशन, एमटीसी सेंटर का संचालन समेत अन्य क्षेत्र में प्राथमिकता के आधार पर विशेष फोकस कर कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में शत प्रतिशत विद्यालयों में पेयजल, विद्युतीकरण, शौचालय, सुचारू रूप से पठन-पाठन, बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने समेत अन्य जरूरी इंडिकेटर पर जोर देने का निर्देश दिया। कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए माइक्रो इरिगेशन, डीप इरीगेशन, फसल बीमा समेत अन्य क्षेत्रों में विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। साथ ही हाई वैल्यू क्रप्स यथा शिमला मिर्च समेत अन्य वैसे खेती जिससे षकों को अधिक से अधिक मुनाफा हो वैसे हाई वैल्यू क्रप्स का उत्पादन पर जोर देने का निर्देश दिया। इस दौरान आकांक्षी प्रखंड मंझिआंव में भी नीति आयोग के तहत संचालित विभिन्न इंडिकेटर अंतर्गत कार्यों की विशेष रूप से समीक्षा की गई। उक्त प्रखंड में भी एएनसी रजिस्ट्रेशन, इंस्टीट्यूशनल डिलीवरी, लो बर्थ वेट बेबी, डायबिटीज़ एवं हाइपरटेंशन समेत अन्य विषयों पर जोर देने का निर्देश दिया। डीसी ने कहा कि लो परफर्मिंग इंडिकेटर पर फोकस कर कार्य करें। जिससे नीति आयोग के डेल्टा रैंकिंग में सुाार किया जा सके। बैठक में मुख्य रूप से सीएस डॉ. अशोक कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी प्रमेश कुशवाहा, जिला शिक्षा अधीक्षक आकाश कुमार, जिला योजना पदाधिकारी संजीव कुमार सिंह, जिला कृषि पदाधिकारी शिवशंकर प्रसाद, आकांक्षी जिला एवं प्रखंड के पदाधिकारी, कर्मचारी व अन्य संबंधित उपस्थित थे।

आखिरी चरण में बिहार की आठ सीटों पर मतदान आज

एजेंसी

पटना। लोकसभा चुनाव के सातवें और आखिरी चरण का मतदान एक जून यानि शनिवार को होना है। सातवें चरण में बिहार की आठ सीटों पर मतदान है। इन सीटों पर एनडीए, आईएनडीआई गठबंधन और कई निर्दलीय उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। आठ सीटों नालंदा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, सासाराम, काराकाट और जहानाबाद में कई दिग्गजों की साख दांव पर है। सातवें चरण में नालंदा से एनडीए में शामिल जदयू के मौजूदा सांसद कौशलेंद्र कुमार, पटना साहिब सीट से भाजपा के मौजूदा सांसद रविशंकर प्रसाद, पाटलिपुत्र से भाजपा के रामकृपाल यादव, आरा संसदीय सीट से भाजपा सांसद आरके सिंह, काराकाट सीट पर एनडीए के साझा उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा की प्रतिष्ठा दांव पर है।

इन प्रत्याशियों के बीच है सीधा मुकाबला : नालंदा संसदीय सीट पर जदयू के कौशलेंद्र कुमार का महागठबंधन के संदीप सौरभ से मुकाबला है। पटना साहिब सीट पर भाजपा उम्मीदवार रविशंकर प्रसाद और पूर्व लोकसभा स्पीकर मीरा कुमार के बेटे कांग्रेस प्रत्याशी अंशुल अभिजीत के बीच सीधी टक्कर है। पाटलिपुत्र सीट पर भाजपा उम्मीदवार रामकृपाल यादव और लालू प्रसाद की बेटी मीसा भारती आमने सामने है। आरा में भाजपा प्रत्याशी आरके सिंह और महागठबंधन के सुदामा प्रसाद के बीच सीधी टक्कर है।

बक्सर संसदीय सीट पर एनडीए के मिथिलेश तिवारी और राजद के सुधाकर सिंह, सासाराम सीट पर एनडीए के शिवेश राम और महागठबंधन के मनोज कुमार भारती के बीच सीधा मुकाबला है।

काराकाट सीट पर मुकाबला त्रिकोणीय है। काराकाट सीट से एनडीए के उपेंद्र कुशवाहा, निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे भोजपुरी सुपर स्टार पवन सिंह और महागठबंधन के राजा राम सिंह के बीच कड़ी टक्कर है। जहानाबाद सीट से जदयू के मौजूदा सांसद चंदेश्वर चंद्रवंशी और राजद के सुरेंद्र यादव के अलावा पूर्व सांसद अरुण कुमार निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव मैदान में हैं।

खबर | एक नजर में

माता के पुण्यतिथि पर दिहाड़ी मजदूरों के बीच साड़ी का वितरण

वितरण करते ग्रुप के सदस्य

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। जायन्ट्स ग्रुप ऑफ गढ़वा के तत्वावधान में शुक्रवार को ग्रुप के उपाध्यक्ष राकेश बाबू सर्राफ ने अपनी माता स्व. रामपति देवी की पुण्यतिथि पर दिहाड़ी महिला मजदूरों के बीच साड़ी का वितरण किया। इस अवसर पर राकेश ने कहा कि मैं प्रत्येक वर्ष अपनी माता के पुण्यतिथि पर इसी प्रकार जरुरतमंदो के बीच वस्त्र का वितरण करता रहूंगा। जायन्ट्स पदाधिकारियों ने कहा कि पुण्यतिथि के अवसर पर जरूरतमंदों के बीच साड़ी का वितरण करना पुण्य का काम है। जायन्ट्स परिवार हर मौके पर जरूरतमंदों की सेवा में आगे रहता है।

मौके पर जायन्ट्स ग्रुप अफ गढ़वा के अध्यक्ष कमलेश कुमार गुप्ता, जायन्ट्स वेलफेयर फाउंडेशन फेडरेशन 8 के फ़ेडरेशन पादाधिकारी नन्द कुमार गुप्ता, स्पेशल कमिटी के पूर्व सदस्य विजय केशरी, ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष ध्रुव केशरी, प्रशासनिक निदेशक मोजीबुद्दीन खान, वित्त निदेशक अशोक केशरी, विजय केशरी, दिलीप केशरी आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रचंड गर्मी और लू के प्रकोप से राज्य में उत्पन्न आपदा की स्थिति के मद्देनजर सभी जिलाधिकारियों को समुचित कार्रवाई करने का दिशा-निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि सभी जिलों के संवेदनशील स्थानों पर पीने के पानी के टैंकर पर्याप्त संख्या में रखे जाएं। साथ ही लोगों को उचित सावधानी बरतने की सलाह देते हुए माइकिंग की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों सहित अनुमंडल एवं सदर अस्पतालों में जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं पूरी तरह से तैयार रखें। गांव हो या शहर सभी जगहों पर निर्बाध रूप से बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। दूसरी ओर, आपदा प्रबंधन विभाग ने बिहार में बीते दिन यानी 30 मई को भीषण गर्मी और लू से मारे गए लोगों की अधिकारिक सूची जारी की है। इसके मुताबिक गर्मी-लू से कुल 14 व्यक्तियों की मृत्यु हुई है। इसमें 10 चुनाव कर्मी एवं चार अन्य व्यक्ति हैं। मृतकों में भोजपुर जिले में पांच चुनाव कर्मी, रोहतास जिले में तीन चुनाव कर्मी, कैमूर जिले में एक चुनाव कर्मी तथा औरंगाबाद जिले में एक चुनाव कर्मी के अलावा चार अन्य व्यक्ति है। मृतकों के परिजनों को नियमानुसार अनुग्रह अनुदान की राशि का भुगतान की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

डीडीसी ने की तीन प्रखंडों में समीक्षा बैठक, दिए कई निर्देश

बैठक करते डीडीसी

खबर मन्त्र संवाददाता

मझिआंव। मझिआंव, बरडीहा एवं कांडी प्रखंड कार्यालय के सभागार कक्ष में डीडीसी पशुपतिनाथ मिश्रा ने प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, पंचायत मुखिया सहित तमाम कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। बैठक के दौरान उन्होंने सर्वप्रथम सरकार की सबसे महत्वपूर्ण एवं जनोंपयोगी योजनाओं में पीएम आवास,अबुआ आवास योजना एवं मनरेगा योजना से संबंधित कार्यों की समीक्षा की। उसके पश्चात उन्होंने मुख्य रूप से अबूआ आवास योजना में मजदूरी का ससमय भुगतान करने का निर्देश दिया। साथ ही निर्माण कार्य में तेजी लाने, दूसरे किस्त के भुगतान से पूर्व लाभुको के जाति प्रमाण पत्र (सामान्य वर्गों को छोड़कर) आगामी 4 जून तक सृजित कर अपलोड करते हुए भुगतान के लिए अग्रसारित करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि जिन लाभुकों को पैसा मिला है और निर्माण कार्य चालू नहीं किया है उससे रिकवरी करें। मनरेगा द्वारा संचालित बिरसा सिंचाई संर्वान कूप निर्माण योजना को वर्षा ऋतु से पूर्व 30 जून तक हर हाल में पूर्ण करने का सख्त निर्देश सभी पंचायत सचिव, मुखिया एवं ग्राम रोजगार सेवकों को दिया। साथ ही मरेगा से संबंाित कार्य योजनाओं की भी समीक्षा की गई। डीडीसी ने कहा कि किसी भी मनरेगा योजना में मशीन का प्रयोग नहीं होना चाहिए। मौके पर परियोजना पदाधिकारी ज्ञानेश्वर शुक्ल, प्रखण्ड विकाश पदाधिकारी सतीश भगत, अंचल अधिकारी शम्भू राम, बरडीहा बीडीओ सह सीओ विजय राम, कांडी बीडीओ सह सीओ मो. अफताब आलम, कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा), प्रखण्ड समन्वयक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, सभी मुखिया, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सेवक व सभी प्रखण्ड कर्मी उपस्थिति थे।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में दो लोग घायल

मझिआंव। हरिहरपुर ओपी क्षेत्र अंतर्गत मोटरसाइकिल दुर्घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि तीसरे व्यक्ति को मामूली चोट आई है। सभी तीनों घायलों को 108 एंबुलेंस के मायम से मझिआंव रेफरल अस्पताल लाया गया। जहां पर उपस्थित ड कविता कुमार सहयोगी राकेश ठाकुर ने सुदेश्वर विश्वकर्मा के 23 वर्षीय पुत्र अमित कुमार विश्वकर्मा, अखिलेश राम के 22 पुत्र योगेंद्र राम एवं उमेश्वर कुमार के 25 वर्षीय पुत्र विद्या कुमार को प्राथमिक उपचार किया गया। तीनों युवक मझिगवां असनाखांड़ के बताए गए। वहीं गंभीर रूप से घायल अमित कुमार विश्वकर्मा एवं योगेंद्र राम को बेहतर इलाज हेतु गढ़वा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

स्कूल जाने के दौरान अपराधियों ने शिक्षक की गोली मार हत्या की

सहरसा। सदर थाना क्षेत्र के कहरा नहर के समीप अहले सुबह स्कूल जा रहे बाइक सवार एक शिक्षक को अज्ञात अपराधियों ने बीच सड़क पर गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक शिक्षक बालमुकुन्द गुप्ता के पुत्र सरोज गुप्ता है जो बनगाँव थाना क्षेत्र के बरियाही के रहने वाले थे। शिक्षक कहरा प्रखंड के सफाबाद में अनुसूचित जाति विद्यालय में कार्यरत थे और सुबह सुबह अपने बाइक से स्कूल जा रहे थे।

लू लगने से दो की मौत

मृतक

खबर मन्त्र संवाददाता

मझिआंव। झारखंड राज्य के गढ़वा जिले में इन दिनों तापमान सबसे अधिक मापी गई है। मंगलवार और गुरुवार का तापमान 46 वर्ष का रिकर्ड तोड़ रहा। अब तक का सर्वाधिक तापमान 48 डिग्री था। मझिआंव प्रखंड क्षेत्र के रामपुर पंचायत के बिडंडा निवासी 56 वर्षीय विजय मिश्रा की मृत्यु लू लगने से गुरुवार की शाम हो गई। जानकारी देते हुए बीडीसी प्रतिनिधि शिव कुमार सिंह बताया कि विजय की पत्नी बच्चों के साथ मायके गई थी। विजय बाहर से आए और शाम को अपनी भतीजी को कहा कि आज ठीक नहीं लग रहा है खाना बनाओ। कुछ देर बाद भतीजी खाना बना कर देने गई तो देखी की वे मृत अवस्था में पड़े हुए हैं। इसके बाद उनकी पत्नी को बताया गया। विजय बहुत गरीब परिवार से थे, वो किसी तरह परिवार को चलाते थे। इसकी सूचना बीडीओ एवं सीओ को दे दी गई है। वहीं नगर पंचायत क्षेत्र के अखौरीतहले निवासी स्व. परशुराम प्रसाद सिन्हा के लगभग 28 वर्षीय पुत्र नन्दन सिन्हा की मौत गुरुवार को लू लगने से छत्तीसगढ़ के सिंगरौली में हो गई। जिसका शव शुक्रवार को अखोरीतहले लाया गया और स्थानीय कोयल नदी घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। जानकारी के अनुसार नन्दन सिंगरौली में लोडर चलाने का करते थे। गुरुवार को लू लगने के बाद अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

विक्षिप्त युवक ने तोड़ी सूर्य मंदिर की मूर्ति

विक्षिप्त युवक व टूटी मूर्ति

खबर मन्त्र संवाददाता

केतार। प्रखंड अंतर्गत बतोकला गांव में एक विक्षिप्त युवक ने सूर्य मंदिर में घुस कर मूर्ति को खंडित कर दिया। यह मंदिर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सह विधायक भानु प्रताप शाही के पिता पूर्व स्वास्थ्य मंत्री स्व.लाल हेमेंद्र प्रताप देहाती ने बनवाया था। जहां हजारों की संख्या में लोग छठ करते हैं। जानकारी मिलने बाद पूजा कमेटी को लोगों ने युवक को पकड़कर केतार थाना को सौंप दिया। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद युवक की पहचान की गई। लोगों ने बताया कि युवक जोगियावीर निवासी भुनेश्वर साह का पुत्र सिकंदर कुमार गुप्ता है। लोगों ने बताया की इसकी मानसिक स्थिति पिछले कई साल से खराब है एवं इसका इलाज रांची के कांके से किया जा रहा है। घटना स्थल पर थाना प्रभारी ने पहुंच कर स्थिति की जायजा लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि स्थानीय लोगों ने सूर्य मंदिर की मूर्ति खंडित करने के आरोप में एक युवक को पकड रखा था, जो मानसिक रोगी था। जिसके परिजनों को बुलाकर उचित इलाज करने की हिदायत दी गई है, ताकि यह भविष्य में किसी प्रकार का क्षति ना करें। ग्रामीणों के आग्रह पर युवक को परिजनों को सौप दिया गया।

पेज एक का शेष

दुमका, राजमहल और ...

गोड्डा सबसे बड़ा, दुमका सबसे छोटा क्षेत्र : झारखंड की इन तीन सीटों में सबसे बड़ा गोड्डा और सबसे छोटा दुमका लोकसभा सीट है। इस चरण में 6 जिलों के 18 विधानसभा क्षेत्र में मतदान होंगे जिसमें कुल 53,23,886 मतदाता शामिल होंगे।

अंतिम चरण में मोदी, कंगना, पवन, रविकिशन प्रमुख प्रत्याशी : अंतिम चरण के चुनाव में पीएम मोदी, बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत, रवि किशन, पवन सिंह, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, रवि शंकर प्रसाद, अभिषेक बनर्जी, चरणजीत सिंह चन्नी, राजद प्रमुख लालू की पुत्री मीसा भारती समेत कई राजनीतिक हस्तियों की किस्मत का फैसला इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में बंद हो जायेगा।

देश में कहां की कितनी सीटें : बिहार की आठ सीट : नालंदा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, सासाराम, काराकाट, जहानाबाद। ओडिशा की छह संसदीय सीट : -मयूरभंज, बालासोर जाजपुर, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, भद्रक। पश्चिम बंगाल की नौ सीट : दमदम, बारासात, बशीरहाट, जयनगर, मथुरापुर, डायमंड हार्बर, जादवपुर, कोलकाता दक्षिण, कोलकाता उत्तर क्षेत्र। झारखंड की 3 सीट : राजमहल, दुमका और गोड्डा। यूपी 13 सीट : महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव, घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिजार्पुर, रॉबर्ट्सगंज। हिमाचल प्रदेश की सभी चार सीटों- कांगड़ा, मंडी, हमीरपुर और शिमला। पंजाब की 13 सीट : गुरदासपुर, अमृतसर, खडूर साहिब, जालंधर, होशियारपुर, आनंदपुर साहिब, लुधियाना, फतेहगढ़ साहिब, फरीदकोट, फिरोजपुर, बठिंडा, संगरूर, पटियाला।

57 सीटों पर 904 प्रत्याशी------ आठ राज्यों एवं केंद्र-शासित प्रदेशों की कुल 57 संसदीय सीटों के लिए अंतिम चरण में 10.06 करोड़ से अधिक मतदाता। 1.09 लाख मतदान केंद्र। कुल 904 उम्मीदवार।

झारखंड में मौसम..

इस घटना से पशु पालकों को काफी नुकसान हुआ है। इस संबंध में कोलारकोंडा पंचायत के मुखिया उकील मुर्मू ने बताया कि कोलाबागान गांव के पशु पालकों के मवेशी प्रत्येक दिन की तरह जंगल में चरने गये थे। अत्यधिक बारिश के कारण सभी मवेशी पानी से बचने के लिए दो घने पेड़ के नीचे आ हो गये। इसी दौरान अचानक वज्रपात होने से मौके पर मौजूद 26 मवेशियों की मौत हो गयी।

हीट वेव जारी : पूरे झारखंड में प्रचंड गर्मी का कहर जारी है। पलामू प्रमंडल में में हीट वेव के कारण पिछले 48 घंटे में 20 लोगों की मौत की खबर आ रही है। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने गर्मी से चार की मौत होना बताया है। स्वास्थ्य विभाग अन्य मौतों की भी जांच कर रही है कि यह लू लगने से मौत हुई या अन्य कारणों से हुई है। गुरुवार की शाम तक पलामू के विभिन्न इलाकों में आठ मौत के आंकड़ा रिकॉर्ड किया गया था। वहीं शुक्रवार को यहां आंकड़ा 20 तक पहुंच गया है। पलामू के सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार सिंह ने लोगों को बेवजह घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। भीषण गर्मी को लेकर हाई अलर्ट जारी किया गया है।

जंगल से भटक कर आये हिरण की मौत

हिरण को दफनाते लोग

खबर मन्त्र संवाददाता

भवनाथपुर। उत्तरी वनक्षेत्र के लरहरा सुरक्षित वन क्षेत्र से पानी की तलाश में भटक कर टॉउनशिप सेल आवासीय परिसर में आया हिरण गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के लिए ले जाए जाने के दौरान कर्पूरी चौक पर उसकी मौत हो गई। वन क्षेत्र कार्यालय में पोस्टमार्टम के बाद परिसर में हिरण को दफना दिया गया। जानकारी के अनुसार भवनाथपुर उत्तरी वनक्षेत्र के लरहरा सुरक्षित वन क्षेत्र से भटक कर हिरण सेल के टॉउनशिप आवासीय परिसर में आ गया। पानी की तलाश में हिरण पार्क चहारदीवारी फांद कर बगल में सेल आवास में रह रहे श्रीकांत चौबे के चहारदीवारी में चला गया। जहां उसे पानी पीने के लिए दिया गया। हिरण के मुंह से खून आ रहा था। फिर हिरण चहारदीवारी फांद कर टॉउनशिप के आवासीय परिसर में भ्रमण करने लगा। बताया जाता है कि आवासीय परिसर में कहीं लगे कंटीले तार से मुंह के अगल बगल कट जाने से गंभीर रूप से घायल हो गया था। इसकी सूचना मिलते ही वनरक्षी दयाशंकर सिंह, ओमप्रकाश उरांव, सचित कच्छप, अनूप सिंह, कुंदन यादव, राकेश कुमार आदि पहुंच कर ग्रामीणों की मदद से पकड़ कर इलाज के लिए वन क्षेत्र कार्यालय ले जा रहे थे कि कर्पूरी चौक के पास उसकी मौत हो गई।

केंदू पता खलिहान में धड़ल्ले से करायी जा रही है बाल मजदूरी

खबर मन्त्र संवाददाता

जांच करने पहुंची जिप अध्यक्ष

रमना। मौसमी वनोपज केंदूपता एक मुख्य व्यवसायिक पता है। जिससे झारखण्ड स्टेट फारेस्ट डेवेलपमेन्ट कर्पोरेशन लिमिटेड को राजस्व प्राप्ति होती हैं। जेएसएफडीसीएल गढ़वा का पत्रांक 422 तिथि 20/5/2024 के आलोक में प्रमंडलीय प्रबांक लघु वन पदार्थ परियोजना प्रमंडलीय द्वारा वर्ष 2024 के विक्रीत केंदू पता लट उतरी वन प्रमंडल प्रक्षेप गढ़वा -1, लट गढ़वा (पी)ए /2024 के इकाई संख्या -180 कुशडंड में खलिहान फाँड़ी छपरदागा में खोलने का आदेश 20/5/2024 को निर्गत किया गया हैं लेकिन इस खलिहान में केंदू पता का क्रय खरीदी ग्रामीण केंदू पता मजदूरों से खलिहान खोलने के आदेश निर्गत की तिथियां से तीन दिन पूर्व से ही केंदू पता ठेकेदार व्यवसायी के द्वारा खरीदीं का काम शुरू कर दिया गया था। जो सरासर निविदा नियम का उल्लंघन हैं। आखिर आदेश निर्गत होने की तिथि से पूर्व ही केंदू पता का खरीद-फरोक्त कैसे शुरू हो गया। केंदू पता मजदूरों नें बताया कि हमलोग 17, 18 तारीख से ही केंदु पता का बिक्री इस फडी में कर रहे हैं। इतना ही नहीं बाल मजदूरी अधिनियम का उल्लंघन करते हुए बालमजदूरों को भी केंदु पता मजदूरी में लगाया गया और उनसे मानक दर से कम डर पर केंदु पता का खरीदी किया गया। उक्त सभी बाल मजदूरों की उम्र करीब 10-12 वर्ष का था। इस खलिहान के अनुमति मिलने से पूर्व ही खलिहान प्रभारी के रूप मे मनोज यादव को तिथि 6 मई 2024 को ही पहचान पत्र निर्गत कर दिया गया है। आदेश निर्गत होने के पूर्व ही केंदू पता का खरीदीं शुरू किया जाने लगा था। जिला परिषद अध्यक्षा शांति देवी इस खलिहान की जांच करने गयी तो खलिहान प्रभारी के द्वारा कोई भी खलिहान खोलने का कागजात नहीं दिया गया। इसकी सूचना पर थाना प्रभारी असफाक आलम, वनपाल प्रथम नीरज कुमार, वनरक्षी सचिन सिंह और प्रवीण शुक्ला उक्त स्थल पहुंचे, जहां काफी जादोजहज के बाद रात्रि करीब आठ बजे वनपाल द्वारा जिला अध्यक्षा महोदय को बताया गया कि इस लट का आदेश निगम द्वारा दिया गया और यह वैा है। श्रम अधीक्षक ऐतवारी महतो ने बताया कि अखबार वाले लोग इस तरह फोटो वीडियो बना कर परेशान करते रहते हैं।

मतगणना कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

गोपालगंज। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी मो मकसूद आलम ने शुक्रवार को लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतगणना कार्य को लेकर सहायक निवार्ची पदाधिकारी, मतगणना माइक्रो आब्जर्वर ,काउंटिंग सुपरवाइजर एवं काउंटिंग असिस्टेंट को समाहरणालय सभा कक्ष में प्रशिक्षण दिया। संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में पोस्टल बैलेट मतगणना के बारे मे कोषागार पदाधिकारी शशिकांत आर्य ने विस्तृत जानकारी दी। उसके बाद मतगणना संबंधित प्रशिक्षुओं के प्रश्नों पर अपने उत्तर से उन्होंने सभी को संतुष्ट किया। वहीं ईटीपीवीएस मतगणना संबंधित प्रशिक्षण की बिन्दुवार विस्तृत जानकारी जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी रंजीत कुमार ने सभी प्रशिक्षुओं को दी। प्रशिक्षण के क्रम में जिला पदाधिकारी के साथ अपर समाहर्ता आशीष कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता संजीव कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी डॉ शशिप्रकाश राय, उपसमाहर्ता शरूपा रानी, जिला शिक्षा पदाधिकारी सुभाष गुप्ता, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुशांत कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी निर्मल कुमार राय एवं सभी मतगणना प्रशिक्षु उपस्थित थे।

अंतिम चरण आज मतदाताओं की बारी

वाराणसी समेत 57 सीटों पर डाले जायेंगे वोट

- सात राज्य, एक केंद्र शासित प्रदेश में 10.06 करोड़ वोटरा और 1.09 लाख से अधिक मतदान केंद्र बनाये गये
- ओडिशा के 42 विधानसभा क्षेत्रों व हिमाचल की छह विस सीटों पर भी होगा मतदान
- गर्मी और बारिश से निपटने के लिए पर्याप्त उपाय करें अधिकारी : चुनाव आयोग

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में सात राज्यों और एक केन्द्र शासित प्रदेश की 57 संसदीय सीटों पर शनिवार को मतदान होगा। साथ ही ओडिशा विधानसभा की शेष 42 सीटों के लिए और हिमाचल प्रदेश की छह विधानसभा सीटों पर भी मतदान होगा। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बताया कि लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के लिए बिहार, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। लगभग 10.9 लाख मतदान अधिकारी 1.09 लाख मतदान केन्द्रों पर 10.06 करोड़ से अधिक मतदाताओं का स्वागत करेंगे। 10.06 करोड़ से अधिक मतदाताओं में लगभग 5.24 करोड़ पुरुष, 4.82 करोड़ महिला और 3574 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं।

इस चरण में बिहार की 8 सीटों (नालन्दा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, सासाराम, काराकाट, जहानाबाद) पर 134, चंडीगढ़ की 1 सीट पर 19, हिमाचल प्रदेश की 4 सीटों (कांगड़ा, मंडी, हमीरपुर, शिमला) पर 37, झारखंड की 3 सीटों (राजमहल, दुमका, गोड्डा) पर 52, ओडिशा की 6 सीटों (मयूरभंज, बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर) पर 66, पंजाब की 13 सीटों (गुरदासपुर, अमृतसर, खडूर साहिब, जालंधर, होशियारपुर, आनंदपुर साहिब, लुधियाना, फतेहगढ़ साहिब, फरीदकोट, फिरोजपुर, बठिंडा, संगरूर, पटियाला) पर 328, उत्तर प्रदेश की 13 सीटों (महाराजगंज, गोरखपुर, कुशी नगर, देवरिया, बांसगांव, घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर, रॉबर्ट्सगंज) पर 144 और पश्चिम बंगाल की 9 सीटों (दमदम, बारासात, बशीरहाट, जयनगर, मथुरापुर, डायमंड हार्बर, जादवपुर, कोलकाता दक्षिण, कोलकाता उत्तर) पर 124 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

आयोग ने बताया कि मतदान और सुरक्षा कर्मियों को लाने-ले जाने के लिए 13 विशेष रेलगाड़ियां और हेलीकॉप्टर की 8 उड़ानों (हिमाचल प्रदेश के लिए) की व्यवस्था की गई है। आयोग के अनुसार मतदान टीमों को मशीनों और चुनाव संबंधी सामग्री के साथ संबद्ध मतदान केन्द्रों पर भेज दिया गया है। मतदान केन्द्र मतदाताओं के स्वागत के लिए तैयार हैं। संबंधित मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और राज्य मशीनरी को निर्देश दिया गया है कि वे जहां भी गर्म मौसम या बारिश का पूर्वानुमान हो, उससे निपटने के लिए पर्याप्त उपाय करें। आयोग ने बताया कि मतदाताओं को किसी भी तरह के प्रलोभन से सख्ती से और तेजी से निपटने के लिए कुल 2707 उड़न दस्ते, 2799 स्थैतिक निगरानी दल, 1080 निगरानी दल और 560 वीडियो देखने वाले दल चौबीसों घंटे निगरानी कर रहे हैं। शराब, ड्रग्स, नकदी और मुफ्त उपहारों के किसी भी अवैध प्रवाह पर कड़ी नजर रखने के लिए कुल 201 अंतरराष्ट्रीय सीमा चौकियों और 906 अंतर-राज्यीय सीमा चौकियों पर निगरानी रखी जा रही है। समुद्री और हवाई मार्गों पर कड़ी निगरानी रखी गई है। मतदान केन्द्रों पर पानी, शेड, शौचालय, रैंप, स्वयंसेवकों, व्हीलचेयर और बिजली जैसी न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है ताकि बुजुर्ग और दिव्यांगजनों सहित प्रत्येक मतदाता आसानी से अपना वोट डाल सकें।

काशी से तीसरी बार मोदी लड़ रहे चुनाव

इस चरण में वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनाव मैदान में हैं। उनके खिलाफ कांग्रेस ने अजय राय को चुनाव मैदान में उतारा है। प्रधानमंत्री तीसरी बार इस सीट के चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा गोरखपुर सीट से अभिनेता रवि किशन के खिलाफ समाजवादी पार्टी ने काजल निषाद को मैदान में उतारा है। हिमाचल की मंडी सीट से फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत चुनाव मैदान में हैं और उनके खिलाफ पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य कांग्रेस उम्मीदवार हैं। हमीरपुर सीट से केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, पश्चिम बंगाल की डायमंड हार्बर सीट से ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी जालंधर और हरसिमरत कौर बादल भटिंडा से चुनाव लड़ रही हैं।

लोकसभा सचिवालय नये सदस्यों का स्वागत करने के लिए तैयार

नयी दिल्ली। लोकसभा सचिवालय 18वीं लोक सभा के सदस्यों का स्वागत करने के लिए तैयार है। सदस्यों के स्वागत और उनके पंजीकरण को सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने शुक्रवार को इस संबंध में की गई तैयारियों का निरीक्षण किया। वह हर दिन व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। सचिवालय ने बताया कि कागजी कार्यवाही को कम करने और सदस्यों के पंजीकरण की औपचारिकताओं को सुगम बनाने के उद्देश्य से, नव-निर्वाचित सदस्यों का पंजीकरण ऑनलाइन एकीकृत सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन के माध्यम से किया जाएगा। सदस्यों को विभिन्न शाखाओं में निर्धारित कागजात पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे सदस्यों का काफी समय बचेगा। सचिवालय ने 4 जून को दोपहर 2 बजे से पंजीकरण शुरू करने की व्यवस्था की है और यह प्रक्रिया 5 से 14 जून तक सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक चालू रहेगी, जिसमें शनिवार और रविवार भी शामिल हैं। इस बार, सचिवालय ने संसदीय सौंध में यह व्यवस्था की है। परिणामों की घोषणा के दिन चुनाव आयोग की वेबसाइट पर नजर रखने और सफल उम्मीदवारों के संपर्क विवरण तुरंत दर्ज करने के लिए एक टीम गठित की गई है।

स्पीड न्यूज

यौन शोषण में 6 जून तक पुलिस हिरासत में सांसद प्रज्वल रेवन्ना

नयी दिल्ली। कर्नाटक के हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना को गुरुवार को यौन शोषण के मामलों में 6 जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। बेंगलुरु की एक अदालत ने फैसला सुनाते हुए रेवन्ना को प्रतिदिन अपने वकील से मिलने की अनुमति दी है। रेवन्ना मामले की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) कर रहा है। एसआईटी ने रेवन्ना पर लगे तीन यौन शोषण के मामलों में 15 दिनों की रिमांड मांगी थी। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के सांसद पौत्र प्रज्वल रेवन्ना पिछले एक माह से चर्चा में हैं। रेवन्ना पर उनके यहां काम करने वाली महिला कर्मचारी ने यौन शोषण का आरोप लगाया है।

रजनीकांत ने बदरीनाथ धाम में की पूजा-अर्चना

चमोली । मशहूर अभिनेता व सुपरस्टार रजनीकांत शुक्रवार को उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम पहुंचे। रजनीकांत आम श्रद्धालुओं की तरह लाइन में लग कर भगवान बदरीविशाल के दर्शन किये। सुपर स्टार ने कहा कि वह आत्मिक शांति तथा अध्यात्मिक अनुभव हेतु प्रत्येक वर्ष श्री केदारनाथ एवं श्री बदरीनाथ धाम आते हैं।

चारधाम यात्रा में अब तक 71 यात्रियों की मौत

देहरादून। उत्तराखंड चारधाम यात्रा शुरू होने के 22 दिन में 71 तीर्थयात्रियों ने दम तोड़ दिया है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो तीन तीर्थयात्रियों की मौत हुई है। सबसे ज्यादा 34 तीर्थयात्रियों की मौत केदारनाथ में हुई है। अधिकतर यात्रियों की मौत हार्टअटैक और पल्मोनरी एडिमा के कारण हुई है। 10 मई से शुरू हुई चारधाम यात्रा में 22 दिनों में हृदय गति रुकने, पल्मोनरी एडिमा, हाईपोथर्मिया और सिर पर गंभीर चोट से अब तक 71 तीर्थयात्रियों की मौत हो चुकी है।

रूस के हमले से यूक्रेन में पांच मरे

कीव। यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव पर रूस के मिसाइल हमलों में कम से कम पांच लोग मारे गये और अन्य 25 घायल हो गये हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। खार्किव क्षेत्र के गवर्नर ओलेग सिनेगुबोव ने बताया कि रूसी मिसाइलों ने पांच मंजिला अपार्टमेंट ब्लॉक और दो मंजिला औद्योगिक इमारत को निशाना बनाया। कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि राजधानी पर हमले में कार सर्विस स्टेशन, कार वॉश और गोदाम क्षतिग्रस्त हो गया।

अमेरिका और ब्रिटेन ने यमन में हूती ठिकानों पर किये 13 हवाई हमले

सना। अमेरिका और ब्रिटेन के सैन्य विमानों ने लाल, अरब और भूमध्य सागर में अमेरिकी जहाजों पर सिलसिलेवार हमलों के बाद यमन के तीन प्रांतों में शिया आंदोलन अंसार अल्लाह (हूती) के ठिकानों पर 13 हमले किये। अमेरिका और ब्रिटिश लड़ाकू विमानों ने पश्चिमी प्रांत होदेइदाह और दक्षिण पश्चिम में ताइज प्रांत में हूती के बैरकों और उपकरणों पर एक साथ कई हमले किए। यमन पर ये हमले हूती नेता अब्दुल मलिक अल-हौथी के उस बयान के बाद हुए, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके समूह ने पिछले साल नवंबर से लाल, अरब, भूमध्य और हिंद महासागरों में 100 से अधिक इजरायली, अमेरिका और ब्रिटेन के जहाजों पर हमले किए हैं।

योगी ने 61 दिन में लगाया दोहरा शतक

- उप्र के सीएम ने बनाया नया कीर्तिमान, 204 कार्यक्रम, 169 जनसभा, 15 प्रबुद्ध सम्मेलन और 13 रोड शो कर राजग प्रत्याशियों के लिए मांगा वोट
- उत्तर प्रदेश के 80 सीटों के साथ ही 12 राज्य और दो केंद्रशासित प्रदेशों में भी किया चुनाव प्रचार

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कप्तान योगी आदित्यनाथ ने महज 61 दिन दोहरा शतक लगाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने 61 दिन के भीतर 204 चुनावी कार्यक्रम किए। 27 मार्च को मथुरा से प्रबुद्ध सम्मेलन के जरिए भाजपा से मिले चुनावी दायित्व का आगाज करने वाले योगी आदित्यनाथ ने 169 जनसभा, 15 प्रबुद्ध सम्मेलन और 13 रोड शो कर राजग प्रत्याशियों के लिए पसीना बहाया। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ अपने राज्य की वाराणसी संसदीय सीट से सांसद व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा लखनऊ से सांसद-रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नामांकन में भी शामिल हुए। मतदाताओं ने मोदी के सारथी योगी आदित्यनाथ पर यकीन किया, जिसका परिणाम रहा कि हर रैली में लाखों की संख्या में पहुंचे मतदाताओं ने उन्हें सिर आंखों पर बैठाया। यही नहीं, योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के सभी 80 लोकसभा सीटों के साथ ही 12 राज्य व दो केंद्रशासित प्रदेशों में भी कमल के कमाल की अपील की। योगी ने 27 मार्च को ब्रज भूमि में हेमा मालिनी के पक्ष में प्रबुद्ध सम्मेलन कर चुनावी कार्यक्रम का आगाज किया। इसके बाद तापमान 47-48 भी पहुंचा तो भी योगी की इच्छाशक्ति को डिगा न सका। उत्तर प्रदेश से भाजपा, सुभासपा, रालोद व अपना दल एस के सभी प्रत्याशियों के लिए वोट मांगा। ढाई महीने के चुनावी कार्यक्रम में योगी आदित्यनाथ ने 61 दिन प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने कुल 204 चुनावी कार्यक्रम किए। इनमें से 169 जनसभा, 15 प्रबुद्ध सम्मेलन, 13 रोड शो के अलावा अधिवक्ता सम्मेलन, नारी सम्मेलन, कार्यकर्ता सम्मेलन, लोकसभा संचालन समिति की बैठक, नामांकन समेत कई कार्यक्रमों में शिरकत की। हर बार की तरह इस बार भी यूपी ही दिल्ली की जीत का बड़ा रास्ता तय करेगा। अबकी पार-400 पार का आधार यूपी ही बनेगा। इस आधार के मजबूत स्तंभ के रूप में योगी आदित्यनाथ ने नरेंद्र मोदी को तीसरी बार सत्ता दिलाने के लिए हर मुमकिन कदम उठाए। योगी उत्तर प्रदेश ऐसे पहले मुख्यमंत्री होंगे, जो लगभग तीन-चार महीने के भीतर हर जनपद में पहुंचते हैं। इस बार भी ढाई महीने के भीतर योगी उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों पर पहुंचे और कार्यकताओं से यहां की विकास कार्यों की जानकारी भी ली।

पांच न्याय की गारंटी, संविधान की सुरक्षा प्राथमिकता : कांग्रेस

- चार जून को इंडिया गठबंधन को निर्णायक बहुमत मिलेगा : जयराम

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि उसका चुनाव प्रचार सकारात्मक रहा है और प्रचार के दौरान देश को पांच न्याय की गारंटी देने के साथ ही संविधान की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का वादा किया गया है। कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश, पवन खेड़ा तथा सुप्रिया श्रीनेत ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी का चुनाव प्रचार बहुत अच्छा रहा है और इसके जरिए जनता को सकारात्मक संदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 23 जनवरी से 16 मार्च तक देश के सामने 5 न्याय और 25 गारंटी रखी और प्रचार के दौरान जनता को पांच न्याय और 25 गारंटी देने का वादा किया है। इसके साथ ही हमने संविधान सुरक्षा को प्राथमिकता दी है। यही कारण है कि मिलने जा रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा सबसे कमाल की बात यह है चुनाव आयोग में विपक्ष की एक नहीं सुनी। उन्होंने कहा कि हमने 77 दिनों में चुनाव आयोग से 117 शिकायतें कीं। ये शिकायतें आचार संहिता समेत कई अन्य उल्लंघनों के बारे में थीं। इनमें 14 शिकायतें नरेंद्र मोदी, आठ शिकायतें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और तीन शिकायतें गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ की गईं। लेकिन कई ऐसी शिकायतें हैं जिन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा की इन गारंटियों के माध्यम से श्रमिक न्याय, युवा न्याय, किसान न्याय, हिस्सेदारी न्याय, नारी न्याय की बात की गई। कांग्रेस ने न से न्याय के आधार पर अपनी बात रखी और अपना प्रचार किया। वहीं नरेंद्र मोदी और भाजपा ने म से मंदिर, मंगलसूत्र, मटन, मुजरा जैसे शब्दों के आधार पर अपना प्रचार किया। इन सबके बाद अब प्रधानमंत्री ध्यान लगाने चले गए हैं। जिस आदमी ने पूरे 10 साल लोगों का ध्यान भटकाया, अब वह ध्यान लगा रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जब हम न्याय की बात कर रहे थे, तो नरेंद्र मोदी टोंटी और भैंस चोरी जैसी बातें कर रहे थे। कांग्रेस के प्रचार ने नरेंद्र मोदी के प्रचार को पटरी से उतार दिया। इस चुनाव में उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं था। उन्होंने कहा कि जब भाजपा ने 400 पार का नारा दिया, तब इनके इरादे देश के सामने आए। भाजपा के कई नेताओं ने कहा कि वे संविधान बदल देंगे, लेकिन कांग्रेस के नेताओं ने संविधान को बचाने की मुहिम छेड़ दी। चुनाव से ज्यादा जरूरी हमारे लिए संविधान और लोकतंत्र को बचाना है।

एक्जिट पोल बहस में भाग नहीं लेगी कांग्रेस : खेड़ा

कांग्रेस ने कहा कि वह शनिवार को जारी होने वाले एक्जिट पोल नतीजों से जुड़ी बहस में भागीदारी नहीं करेगी। पार्टी का कहना है कि हम टीआरपी के लिए अटकलबाजी में शामिल होना जरूरी नहीं मानते । उल्लेखनीय है कि शनिवार को अंतिम चरण का मतदान समाप्त होने के बाद आम चुनाव से जुड़े एक्जिट पोल आयेंगे। इनमें सर्वे के आधार पर बताया जाता है कि देश में किस पार्टी को कितनी सीटें मिलने का अनुमान है। लगभग सभी टीवी चैनल इसे प्रसारित करते हैं। पार्टी नेता पवन खेड़ा ने शुक्रवार को कहा कि एक्जिट पोल में भाग न लेने का कारण यह है कि मतदाताओं ने अपना वोट डाल दिया है और उनका फैसला सुरक्षित हो गया है। नतीजे 4 जून को आएंगे। कांग्रेस एक्जिट पोल पर बहस में भाग नहीं लेगी। हम 4 जून से बहस में खुशी-खुशी हिस्सा लेंगे।

व्यावसायिक रिकॉर्ड की हेराफेरी में ट्रंप दोषी करार, सजा फैसला 11 जुलाई को

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को न्यूयॉर्क में एक ऐतिहासिक आपराधिक मुकदमे में व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के सभी 34 मामलों में दोषी ठहराया गया है। यह पहला मौका है कि किसी पूर्व या सेवारत अमेरिकी राष्ट्रपति को किसी अपराध के लिए दोषी ठहराया गया है। ट्रंप को 11 जुलाई को सजा सुनाई जाएगी। पूर्व राष्ट्रपति को जेल का सामना करना पड़ सकता है, हालांकि कानूनी विशेषज्ञों ने मीडिया को बताया कि दस तरह के मामलों में जुमार्ना अधिक संभावित परिणाम हो सकता है। ट्रंप ने फैसले को अपमानजनक बताया और मामले की अध्यक्षता करने वाले न्यायाधीश पर जुबानी हमला बोला। ट्रम्प ने अदालत में कहा कि यह एक विवादित न्यायाधीश द्वारा किया गया धांधली का मुकदमा था, जो भ्रष्ट था। यह एक धांधलीपूर्ण मुकदमा था, एक अपमान। यह फैसला ऐसे समय आया है जब ट्रम्प आगामी नवंबर में होने वाले चुनाव में श्री बाईडेन को हराने और व्हाइट हाउस में वापसी के लिए अभियान चला रहे हैं।

दो-तीन दिन में मिल सकती है भीषण गर्मी से राहत

- आइएमडी ने बिहार व झारखंड समेत नौ राज्यों में जारी किया ऑरेंज अलर्ट

नयी दिल्ली। देश के विभिन्न हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, झारखंड, बिहार सहित देश उत्तर-मध्य के राज्य नौतपा के दिनों में झुलस रहे है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले एक-दो दिन तक भीषण गर्मी का प्रकोप जारी रहेगा, इसके बाद कुछ राहत मिलने लगेगी। मौसम विभाग ने नौ राज्यों में लू का ऑरेंज अलर्ट जारी किया।

अनुमान है कि तापमान में मध्यम गिरावट की वजह से अगले 2-3 दिनों के दौरान भीषण गर्मी से कुछ निजात मिल जाएगी।

मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के कारण पश्चिमोत्तर भारत और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के लिए राहत मिलने की भी बात कही है। आईएमडी ने एक बयान में कहा कि आने वाले पश्चिमी विक्षोभ का असर यहां दिखने वाला है। अरब सागर से उत्तर-पश्चिम भारत की ओर बहने वाली दक्षिण-पश्चिमी हवा के कारण कुछ स्थानों पर बारिश या तूफान की स्थिति बन सकती है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 1 जून तक भारत के बड़े हिस्से में शुष्क मौसम की स्थिति के साथ-साथ अत्यधिक गर्म लहर चलने की संभावना व्यक्त की है। इसमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान, ओडिशा, मध्य प्रदेश आदि शामिल हैं। मौसम विभाग ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, ओडिशा, बिहार और झारखंड समेत कई और राज्यों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आईएमडी वैज्ञानिक सोमा सेन ने कहा है कि बीते 24 घंटों में बिहार, झारखंड, ओडिशा में गर्मी के कारण काफी मौतें हुई हैं। उन्होंने संभावना जताई है कि शनिवार से इन क्षेत्रों में लू की स्थिति धीरे-धीरे कम होने लगेगी।

100 टन सोना लंदन से वापस आया भारत

आरबीआइ की कामयाबी

- 1991 में संकट के दौरान गिरवी रखा गया था

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 100 टन सोना यूके के वॉल्ट से भारत वापस मंगाया है। इसका उद्देश्य सोना जमा करने की लागत कम करना था। मीडिया रिपोर्ट्स में ये जानकारी दी गई है। 1991 के बाद यह पहली बार है जब भारत की ओर से इतनी बड़ी मात्रा में विदेश से सोना वापस मंगाया गया है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति के सदस्य और अर्थशास्त्री संजीव सान्याल ने कहा कि आरबीआई ने 100 टन सोना यूके से भारत में शिफ्ट किया है। उन्होंने कहा कि कई देशों की ओर से बैंक ऑफ इंग्लैंड के वॉल्ट में गोल्ड रखा जाता है। इसके लिए एक फीस भी अदा की जाती है। भारत अब अपना ज्यादातर सोना अपने पास रखता है। 1991 में संकट के दौरान हमें अपने सोने के विदेश में गिरवी रखना पड़ा था, लेकिन अब हम वहां से काफी आगे आ गए हैं। 1990-91 के दौरान विदेश में सोना भेजना हमारी पीढ़ी के लिए विफलता थी और उसे कभी नहीं भूला जा सकता। इस कारण से विदेश से वापस सोना आना काफी स्पेशल है।

1991 में जब देश संकट में था और आयात करने के पैसे नहीं थे। तब की चंद्रशेखर सरकार ने बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ जापान में 46.91 टन सोना गिरवी रखकर 400 मिलियन डॉलर उधार लेने का फैसला किया था। आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, 31 मार्च, 2024 तक केंद्रीय बैंक के पास 822.10 टन सोना है। पिछले साल समान अवधि में ये आंकड़ा 794.63 टन पर था। सोने में निवेश सुरक्षित होने के कारण अन्य केंद्रीय बैंकों की तरह आरबीआई भी इसमें निवेश करता है। देश की मुद्रा को स्थिर रखने में भी सोने का काफी महत्व होता है। वैश्विक अस्थिरता और बढ़ती हुई महंगाई की स्थिति में सोना एक हेज के रूप में कार्य करता है। अप्रैल 2024 तक भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी बढ़कर 8.7 प्रतिशत हो गई है जो कि दिसंबर 2023 में 7.75 प्रतिशत पर थी।

विदेशी मुद्रा भंडार 646.67 अरब डॉलर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 24 मई को समाप्त हफ्ते में 2.03 अरब डॉलर घटकर 646.67 अरब डॉलर रहा। इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 4.55 अरब डॉलर की उछाल के साथ 648.7 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। आरबीआई ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि 24 मई को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.03 अरब डॉलर घटकर 646.67 अरब डॉलर रहा है। आरबीआई के मुताबिक इस अवधि में मुद्रा भंडार का अहम घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.51 अरब डॉलर घटकर 567.49 अरब डॉलर रह गई। इसका कारण डॉलर के मुकाबले रुपए के मूल्य में आयी गिरावट माना जा रहा है।

जनवरी-मार्च में 7.8 फीसदी रही जीडीपी

नयी दिल्ली। देश की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2023-24 की (जनवरी-मार्च) चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 7.8 फीसदी की दर से बढ़ी है। इसके साथ ही पूरे वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर बढ़कर 8.2 फीसदी रही है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 31 मार्च, 2024 को समाप्त चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 6.2 फीसदी थी। देश की अर्थव्यवस्था (अक्टूबर-दिसंबर) तीसरी तिमाही में 8.6 फीसदी की उच्च दर से बढ़ी थी। हालांकि, चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के अनुमान 6.9 फीसदी के पार पहुंच गई है।

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची

VERMA PRESS

Verma's® Today®

शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi – B	₹ 140	Hindi – B	₹ 80
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar II	₹ 120	English Grammar II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!